■ वर्ष-23 ■ अंक-85
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

दिल्ली (राष्ट्रीय संस्करण)

■ बुधवार ■ 13 मई 2026

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

देश की राजधानी से प्रकाशित होकर विभिन्न प्रदेशों में प्रसारित

दैनिक
समय जगत

दिल्ली, भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

हिमंता दूसरी बार बने असम के मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। असम के गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। हिमंता के अलावा 4 विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली, अजंता नेओम, अतुल बोरा, चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली है। इनमें दो बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से हैं। शपथ कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी-NDA शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। हिमंता का पूरा परिवार भी कार्यक्रम में मौजूद रहा।

प्रधानमंत्री भी शपथ समारोह में रहे मौजूद

प्रधानमंत्री जल्द जायेंगे विदेश दौरे पर, यूएई से होगी शुरूआत

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर तेजी से बदलते भू-राजनीतिक हालात और नई विश्व व्यवस्था के बीच पीएम मोदी छह दिनों की विदेश यात्रा पर रवाना होंगे। इस दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। इस यात्रा को भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका, रणनीतिक साझेदारी और आर्थिक प्रभाव को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। पीएम मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत यूएई से करेंगे। वहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से होगी। दोनों नेताओं के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, व्यापार और पश्चिम एशिया की मौजूदा परिस्थितियों समेत कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और पिछले ढाई दशक में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल रहा है। वहां रहने वाले 45 लाख से ज्यादा भारतीयों की वजह से यह दौरा भारतीय समुदाय से जुड़े मुद्दों के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। यात्रा के दूसरे चरण में पीएम मोदी 15 से 17 मई तक नीदरलैंड का दौरा करेंगे। मोदी वहां राजा विलेम-अलेक्जेंडर, रानी मैक्सिमा और पीएम रॉब जेटेन से मुलाकात करेंगे। इस दौरान रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, नवाचार और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय का मानना है कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच बहुआयामी साझेदारी को नई मजबूती देगी। इसके बाद पीएम मोदी 17 से 18 मई तक स्वीडन जाएंगे। स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता होगी। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती तकनीक, स्टार्टअप, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने के नए रास्ते तलाशे जाएंगे। दोनों नेता यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री को भी संबोधित करेंगे।

राष्ट्रपति शेख जायद अल नाहयान से करेंगे मुलाकात

पीएम मोदी 18 से 19 मई तक नॉर्वे में तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। वह वहां राजा हेराल्ड पंचम, रानी सोन्या और पीएम योनस गहर स्टोरे से मुलाकात करेंगे। 1983 के बाद यह किसी भारतीय पीएम की पहली नॉर्वे यात्रा होगी। इस दौरान स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, समुद्री अर्थव्यवस्था और व्यापारिक सहयोग को बढ़ाने पर जोर रहेगा। यात्रा के अंतिम चरण में पीएम मोदी 19 से 20 मई तक इटली का दौरा करेंगे। वहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला और पीएम जॉर्जिया मेलोनी से होगी। भारत और इटली के बीच रणनीतिक, आर्थिक और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से यह यात्रा अहम मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूरा दौरा दुनिया में भारत की बढ़ती ताकत और मजबूत होती कूटनीतिक स्थिति की बड़ी तस्वीर पेश करेगा।

रेस्को मॉडल से सोलर पैनल लगाने के लिए जागरूकता जरूरी : मंत्री श्री शुक्ला

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निरंतर ईंधन (फ्यूल) और ऊर्जा बचाने का आहवान किया गया है। हमें दृढ़ संकल्प के साथ इस दिशा में काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप शासन और प्रशासन को एक साथ मिलकर ग्रीन एनर्जी की ओर शिफ्ट होना होगा। मंत्री श्री शुक्ला मंगलवार को जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में प्रदेश के विभिन्न विभागों के शासकीय भवनों में सोलर रूफ़टॉप संयंत्र स्थापना के लिये शासकीय संस्थाओं व रेस्को विकासक इकाइयों के मध्य विद्युत क्रय अनुबंध निष्पादन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री शुक्ला ने लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि हमारी 50 प्रतिशत ऊर्जा खपत नवकरणीय ऊर्जा से होनी चाहिए और मध्यप्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आमजनों में जागरूकता लाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आने वाले समय में हर घर की छत पर सोलर पैनल नजर आने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिये कि कि रेस्को पद्धति के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में समय पर भुगतान एवं उचित मेंटेनेंस सुनिश्चित किया जाएं।

अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव ने कहा कि रेस्को योजना शून्य निवेश, पहले दिन से बचत और नेट जीरो की ओर बढ़ने का एक सशक्त माध्यम है। यह शासन के लिए एक महत्वपूर्ण बचत योजना है। उन्होंने कहा कि यह एक साझेदारी का प्रोजेक्ट है, इसलिए सभी संबंधित विभागों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करना चाहिए। आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे ही कार्यक्रम प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किए जाएंगे। प्रबंध संचालक श्री अमनबीर सिंह बैंस ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि रेस्को पद्धति से 3.78 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली जनरेट होगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्परता से बेहतर प्रबंध कर कार्य करने के निर्देश दिए। एमडी श्री बैंस ने बताया कि बिजली बिलों का भुगतान 3 से 10 तारीख के बीच करने पर भुगतान राशि में 1 प्रतिशत की छूट का प्रावधान है, जबकि देरी से भुगतान करने पर 1.5 प्रतिशत की पेनल्टी लगाई जाएगी।

टाइगर स्टेट के साथ वन्य जीव संरक्षण मॉडल के रूप में उभरा एमपी

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश बन रहा देश का वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन हब

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने वन और वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाई है। राज्य सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण को केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं माना। सरकार ने इसे विकास, पर्यटन, स्थानीय रोजगार, सांस्कृतिक चेतना और सामुदायिक सहभागिता से जोड़कर व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरगामी सोच से मध्यप्रदेश आज 'टाइगर स्टेट' के साथ ही देश के सबसे व्यापक और वैज्ञानिक वन्य जीव संरक्षण मॉडल के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विजन है कि प्रदेश के वन और नदियां केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। मध्यप्रदेश के वन देश की कई प्रमुख नदियों का मायका हैं। इस तरह ये वन कई राज्यों की जल सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसी सोच के साथ राज्य सरकार जलवायु अनुकूल, विज्ञान आधारित और समुदाय केंद्रित वन प्रबंधन मॉडल को आगे बढ़ा रही है। श्योपुर का कूनो नेशनल पार्क आज विश्व स्तर पर वन्यजीव संरक्षण का प्रतीक बन चुका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुए 'प्रोजेक्ट चीता' को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बोत्सवाना से लाई गई मादा चीतों को खुले जंगल में छोड़कर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाया। वर्तमान में कूनो में चीतों की संख्या 57 तक पहुंच चुकी है। एक शताब्दी पूर्व लुप्त हो चुके चीतों की देश में सफल पुनर्स्थापना ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि वैज्ञानिक प्रबंधन और राजनीतिक प्रतिबद्धता के बल पर विलुप्त प्रजातियों का पुनर्वास संभव है।

हाथी संरक्षण के लिये उठाये गये महत्वपूर्ण कदम

राज्य सरकार ने हाथियों के संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए 47 करोड़ रुपये से अधिक की व्यापक योजना को मंजूरी दी है। राज्य स्तरीय 'हाथी टास्क फोर्स' का गठन, 'हाथी मित्र' योजना, रेडियो टैगिंग और सोलर फेंसिंग जैसे कदम इस दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

समुदाय आधारित और जलवायु अनुकूल वन प्रबंधन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयास केवल वन संरक्षण तक सीमित नहीं है उनका फोकस वन आश्रित समुदायों को वन संरक्षण की प्रक्रिया का साझेदार बनाने पर भी है। सरकार की नीति है कि जब स्थानीय समुदायों को वनों से प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, तब वे सबसे प्रभावी संरक्षक बनेंगे। इसी दृष्टि से 'विजन @ 2047 री-इमेजिनिंग फॉरेस्ट रिसोर्सेस फॉर द क्लाइमेट रेसिलियंट फ्यूचर' दस्तावेज जारी किया गया। राज्य में डिजिटल प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता, जवाबदेही और वैज्ञानिक रणनीति के माध्यम से वन प्रबंधन को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है।

संरक्षण से रोजगार एवं पर्यटन को नई गति

वन्य जीव संरक्षण की इन पहलों का सकारात्मक प्रभाव स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। चीता परियोजना, टाइगर रिजर्व विस्तार और इको-टूरिज्म गतिविधियों से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। सफारी पर्यटन, प्रकृति शिक्षा और स्थानीय व्यवसायों को नई गति मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने यह साबित किया है कि संरक्षण और विकास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। यही समन्वित दृष्टिकोण आज मध्यप्रदेश को देश में वन्यजीव संरक्षण के अग्रणी मॉडल के रूप में स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कार्यकाल में चीतों के साथ ही कई दुर्लभ और विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण और पुनर्स्थापन पर विशेष ध्यान दिया गया है। कान्हा टाइगर रिजर्व में असम के काजीरंगा नेशनल पार्क से लाए गए जंगली भैंसों का पुनर्वास इस दिशा में ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है।

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता विस्वा सरमा से सौजन्य भेंट कर मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी।

देश के 19 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट हुआ जारी

नई दिल्ली। मई के महीने में गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। पिछले कुछ दिनों से आसमान साफ रहने के बाद मौसम विभाग ने एक बार फिर देश के कई हिस्सों में तेज आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है। 12 मई को उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा सहित कुल 19 राज्यों में खराब मौसम का अलर्ट है। विभाग ने आगाह किया है कि इस दौरान न केवल बारिश होगी, बल्कि कई स्थानों पर बिजली गिरने (वज्रपात) की भी संभावना है। विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और पर्यटकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि भारी बारिश के चलते भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में फिलहाल ऊंचाई वाले इलाकों की यात्रा टालना ही बेहतर होगा। राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में भी मध्यम बारिश के साथ धूलभरी आंधी चलने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण यह बदलाव देखने को मिल रहा है। हालांकि बारिश के आसार हैं, लेकिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। वहीं बिहार और झारखंड में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। बिहार के चंपारण, गोपालगंज, समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर जैसे जिलों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है, जो किसानों की फसलों के लिए चिंता का विषय बन सकता है।

मध्यप्रदेश में भी आंधी-बारिश का अलर्ट

झारखंड के गिरडीह और बोकारो जैसे जिलों में भी आंधी-बारिश की संभावना जताई गई है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पौड़ी गढ़वाल में तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में भी मौसम बिगड़ने के आसार हैं। मैदानी इलाकों में पंजाब के अमृतसर, लुधियाना और बठिंडा जैसे शहरों में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके अलावा राजस्थान के बाड़मेर, जोधपुर और अलवर समेत मध्य प्रदेश के इंदौर, छतरपुर और सिंगरौली जिलों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और पेड़ों या जर्जर इमारतों के नीचे शरण लेने से बचें।

सम्राट चौधरी ने कामाख्या मंदिर में की पूजा-अर्चना

पटना। असम के सीएम के रूप में हिमंता विश्व सरमा मंगलवार को शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने बिहार के सीएम सम्राट चौधरी भी असम गए। इससे पहले उन्होंने प्रसिद्ध शक्तिपीठ कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर शेयर की। इसमें उन्होंने लिखा है कि नीलांचल पर्वत स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता कामाख्या देवी के दर्शन का सौभाग्य मिला। मां कामख्या से सभी के कल्याण, सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक असम के लिए बिहार के सीएम सम्राट चौधरी एक दिन पहले यानी सोमवार को ही रवाना हो गए थे।

शपथ ग्रहण समारोह में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, बीजेपी शासित राज्यों के सीएम शामिल हुए। इससे पहले भी सीएम चौधरी कोलकाता में भी वे सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। सीएम बनने के बाद सम्राट चौधरी लगातार तीर्थस्?थलों पर पहुंचकर दर्शन-पूजन कर रहे हैं। बिहार में कई अहम स्थलों पर वे जा चुके हैं। सीएम चौधरी की खास नजर कानून व्यवस्था पर है। वे लगातार कह रहे हैं कि इससे कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

विरोधाभास | **ईरान मुद्दे पर पाक के नजरिये का दिखा असर**

हजारों पाकिस्तानी कामगारों को भेजा गया वापस

रियाद। संयुक्त अरब अमीरात ने हाल ही में हजारों पाकिस्तानी कामगारों को अचानक गिरफ्तार कर वापस भेज दिया है। इनमें से कई शिया मुस्लिम बताए जा रहे हैं। यह घटना पाकिस्तान की ओर से अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने के तुरंत बाद हुई। निर्वासित कामगारों ने बताया कि उन्हें बिना किसी स्पष्ट कारण के गिरफ्तार किया गया, कठिन परिस्थितियों में रखा गया, उनके बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए और उन्हें देश से बाहर कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के शिया धार्मिक नेता मोहम्मद अमीन शहीदी ने कहा कि अप्रैल के मध्य से अब तक करीब 5,000 शिया परिवार प्रभावित हुए हैं। मीडिया संस्थाओं ने 20 से ज्यादा प्रभावित कामगारों से बात की। सभी ने बताया कि उन्हें अचानक पकड़ा गया, मोबाइल फोन छीन लिए गए और हिरासत केंद्रों से सीधे पाकिस्तान भेज दिया गया। कई लोगों को केवल कपड़ों के साथ वापस भेजा। उनके सालों की कमाई वाले बैंक खाते बंद कर दिए गए, जिससे वे खाली हाथ लौटे।

बता दें यूएई में करीब 20 लाख पाकिस्तानी काम करते हैं। वे हर साल पाकिस्तान को अरबों डॉलर की रेमिटेंस भेजते हैं। पिछले साल यूएई से अकेले 8 अरब डॉलर से ज्यादा रेमिटेंस आई। यह पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ी मदद है। अगर हजारों लोग अचानक वापस आ जाते हैं तो उनके परिवारों पर संकट आ जाएगा। वे बेरोजगारी, कर्ज और आर्थिक परेशानी का सामना करेंगे। कामगारों की कहानियां दुख भरी हैं। कई लोग दशकों से यूएई में निर्माण, ड्राइविंग और अन्य काम करके परिवार चलाते थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद उन्हें खराब भोजन और भीड़ भरी जगहों पर रखा गया। कोई स्पष्ट आरोप नहीं लगाया गया। कुछ लोगों का कहना है कि शिया नाम वाले लोगों को ज्यादा टारगेट किया गया। पाकिस्तान ने ईरान के साथ अच्छे संबंध रखे हैं, जबकि यूएई ईरान से सतर्क रहता है। पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान युद्धविराम में मध्यस्थता करने के बाद यह तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने बड़े पैमाने पर निर्वासन की खबरों से इनकार किया है। आंतरिक मंत्रालय का कहना है कि जो भी निर्वासन हुए वे वीजा उल्लंघन या अन्य नियमों के कारण हैं, न कि किसी धर्म या देश विशेष के खिलाफ लेकिन प्रभावित परिवार और नेता इसे संगठित अभियान मान रहे हैं। यह मुद्दा पाकिस्तान-यूएई संबंधों पर सवाल उठाता है।

दोनों देशों के रिश्ते तल्ख

दोनों देशों के बीच लंबे समय से अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन सऊदी के साथ पाकिस्तान के पैक्ट और ईरान मुद्दे पर पाकिस्तान के स्टैंड से यूएई नाराज है। उसने पाकिस्तान को दिए हुए कर्ज की रकम भी वापस मांग ली थी। तब से ही दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हो चुके हैं।

सिविल डिप्लोमा इन्जी. संघ सिंचाई विभाग उ. प्र. के सेवा निवृत्त प्रकोष्ठ जनपद झांसी का प्रथम अधिवेशन संपन्न

समय जगत,झांसी। सिविल डिप्लोमा इन्जी संघ सिंचाई विभाग उ0प्र0 के सेवा निवृत्त प्रकोष्ठ जनपद झाँसी का प्रथम अधिवेशन जनपद अध्यक्ष इं0 जे0पी0 कटारे जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन इं0 आर0के0 कौशिक ने किया। मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार मिश्रा मुख्य कोषाधिकारी / उपनिदेशक पेंशन एंव विशिष्ट अतिथि इं0 नितेन्द्र श्रीवास्तव प्रान्तीप अध्यक्ष इं0 ओ0पी0 राय, सरक्षक इं0 आर0पी0 अवस्थी सचिव सेवा निवृत्त प्रकोष्ठ लखनऊ, इं0 रोशनी वर्मा सचिव परिवेदना, इं0 हेमन्त रावत सह सम्पादक सिचंन प्रभा इं0 आर्य कुमार गुप्ता मण्डल अध्यक्ष झाँसी, इं0 आशीष राठौर उपमहा सचिव झाँसी मण्डल एंव अन्य सभी जनपद पदाधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक में सेवा निवृत प्रकोष्ठ के अधिकतर सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से इं0 बलवीर सिंह बुन्देला, इं0 वी0एल0 नामदेव, इं0 सन्तोष कुमार सोनी ने अपने विचार व्यक्त किये। इसके पूर्व इं0 आर0के0 कौशिक ने पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं से सम्बन्धित मुख्य मंत्री जी को सम्बोधित ज्ञापन पढ़ कर सुनाया एंव मुख्य अतिथि को अग्रसरित करने हेतु सौपा। कार्यक्रम में 80 वर्ष आयु प्राप्त सदस्य इं0 स्वामी शरण गुप्ता, तथा इं0 आर0सी0 अग्रवाल जी का मुख्य अतिथि द्वारा विशेष सम्मान किया गया। शेष सभी सदस्यों को भी शाल एंव स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया गया। सभा में सर्व सम्मति से इं0 जे0पी0 कटारे को अध्यक्ष एंव इं0 डी0एस0 कुशवाह को सचिव चुना गया।

जन्मदिवस पर मानवता का अनुपम उपहार, डॉ संदीप ने मुस्कान के विवाह में निभाई अभिभावक की भूमिका

समय जगत, झांसी। आज के दौर में जहां जन्मदिवस अक्सर केवल उत्सव और औपचारिकताओं तक सीमित होकर रह जाते हैं, वहीं संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉ संदीप सरावगी ने अपने जन्मदिवस को सेवा, संवेदना और संस्कार का ऐसा उत्सव बना दिया जिसने उपस्थित हर व्यक्ति की आंखें नम और हृदय भावविभोर कर दिया।

विगत कई वर्षों से निरंतर समाज सेवा में समर्पित डॉ संदीप सरावगी निर्धन एवं जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में सहयोग कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदा करने का कार्य करते आ रहे हैं। इसी सेवा परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने प्रेम नगर क्षेत्र निवासी मुस्कान अहिरवार के विवाह में भरपूर सहयोग प्रदान किया।

मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले पिता प्रकाश अहिरवार एवं माता रानी अहिरवार के लिए यह सहयोग किसी आशीर्वाद से कम नहीं था। डॉ0 संदीप सरावगी ने अपनी ओर से फुल साइज ट्रॉली बैग, साड़ी, पर्स सहित अनेक उपयोगी उपहार भेंट किए। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी वर्षों पुरानी परंपरा को निभाते हुए बिटिया को प्रतिष्ठित ब्यूटी पार्लर कलर्स ब्यूटी पार्लर से सुसज्जित करवाकर स्नेहपूर्वक पैर पखार कर विदा किया। यह दृश्य वहां उपस्थित लोगों के लिए भारतीय संस्कृति, करुणा और मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण बन गया।

समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने डॉ संदीप सरावगी की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसे लोग विरले ही देखने को मिलते हैं जो किसी गरीब परिवार की बेटी को अपनी बेटी मानकर उसके विवाह की जिम्मेदारी निभाते हों। सेवा, संस्कार और संवेदना का यह अद्भुत संगम समाज के लिए प्रेरणा है।

इस अवसर पर मोनू अहिरवार, विशाल अहिरवार, कोमल, सुलेखा कौशल खरे (लाल), निखिल गुप्ता, आनंद सिंह चौहान, धर्मेंद्र खटीक, प्रमेंद्र सिंह, सिद्धांत गुप्ता, हेमंत यादव, पूजा रायकवार, मोहित यादव, रविंद्र, राज बहादुर सिंह परिहार, अनूप खरे, अनुज प्रताप सिंह, संदीप नामदेव, राजू सेन, राकेश अहिरवार, सुशांत गुप्ता, मुन्ना मास्टर, शुभांशु वर्मा, अंजली विश्वकर्मा, रिया वर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। समारोह में बार-बार यही स्वर सुनाई देता रहा कि ÷जिस समाज में बेटियों के सम्मान और सहयोग की ऐसी परंपराएं जीवित हों, वहां मानवता कभी मर नहीं सकती।

जिलाधिकारी ने मानकविहीन अस्पतालों/नर्सिंग होमों की निगरानी हेतु गठित की क्षेत्रवार त्रिसदस्यीय टीम

समय जगत, झांसी। जिलाधिकारी ने बताया है कि क्लीनिकल स्टेबिलिस्मेंट 2011 तथा उत्तर प्रदेश जनहित गारंटी अधिनियम-2011 के अन्तर्गत चिकित्सालय का पंजीकरण किया जाता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, झांसी द्वारा विगत वर्ष में जनपद झांसी में कुल 130 चिकित्सालयों का पंजीकरण किया गया है, ऐसी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, कि जनपद में बिना मानक के अस्पतालों का संचालन किया जा रहा हैं, इसके दृष्टिगत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण हेतु क्षेत्रवार त्रिसदस्यीय टीम का गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि जनपद में मानकविहीन अस्पतालों के संचालन की निगरानी हेतु क्षेत्रवार गठित त्रिसदस्यीय टीम के अन्तर्गत 'नगरीय क्षेत्र झांसी-ए' में स्थित थाना नवाबाद, थाना कोतवाली एवं थाना सदर बाजार क्षेत्र में नगर मजिस्ट्रेट, क्षेत्राधिकारी नगर एवं डॉ0 उत्सवराज नोडल अधिकारी पंजीकरण सी0एम0ओ0 कार्यालय झांसी को, 'नगरीय क्षेत्र झांसी-बी' में स्थित थाना प्रेमनगर एवं थाना सीपरी बाजार में अपर नगर मजिस्ट्रेट, क्षेत्राधिकारी नगर एवं डॉ0 अंशुमन तिवारी डिप्टी सी0एम0ओ0 को, 'तहसील सदर का ग्रामीण क्षेत्र झांसी-सी' में उप जिलाधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी नगर एवं डॉ0 एन0के0 जैन ए0सी0एम0ओ0 को, 'मोंठ स्थित सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र' में उप जिलाधिकारी मोंठ, क्षेत्राधिकारी मोंठ एवं डॉ0 के0एन0एम0 त्रिपाठी ए0सी0एम0ओ0 को, 'गरौठा स्थित सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र' में उप जिलाधिकारी गरौठा, क्षेत्राधिकारी गरौठा एवं डॉ0 रमाकान्त स्वर्णकार ए0सी0एम0ओ0 को, 'मऊरानीपुर स्थित सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र' में उप जिलाधिकारी मऊरानीपुर, क्षेत्राधिकारी मऊरानीपुर एवं डॉ0 यू0एन0 सिंह ए0सी0एम0ओ0 को तथा 'टहरौली स्थित सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र' में उप जिलाधिकारी टहरौली, क्षेत्राधिकारी टहरौली एवं डॉ0 रविशंकर ए0सी0एम0ओ0 को नामित किया गया है।

जिलाधिकारी ने जनपद के नगरीय एवं तहसील क्षेत्रों में संचालित मानकविहीन अस्पतालों की निगरानी हेतु क्षेत्रवार गठित त्रिसदस्यीय टीम के सदस्यों को निर्देश दिये कि शासन की मंशानुरुप वित्त वर्ष 2025-26 में कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, झांसी में पंजीकृत प्राइवेट चिकित्सालय एवं नर्सिंगहोम का प्रत्येक माह के द्वितीय सप्ताह में भ्रमण कर ('चिकित्सालय पंजीकरण की स्थिति, चिकित्सालय भवन निर्माण के जेडीए/स्थानीय निकाय द्वारा स्वीकृत मानचित्र की स्थिति, एम0बी0बी0एस0 चिकित्सकों की संख्या, विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या, स्टाफ नर्स की संख्या, सपोर्ट स्टाफकी संख्या, अग्निशमन विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र, यू0पी0 पॉल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र, बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण, पार्किंग, सफाई, पेयजल तथा तीमारदारों के बैठने व रुकने की व्यवस्था') जांच आख्या उपलब्ध करायें, जिससे प्राप्त शिकायतों का निस्तारण किया जा सके।

सोमनाथ प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर ललित कला संस्थान के विद्यार्थियों ने रंगों से किया नमन , कला और अध्यात्म का अद्भुत संगम हैं भगवान शिव : डॉ. श्वेता पांडेय

समय जगत, झांसी। वर्ष 1951 में सम्पन्न हुई पवित्र सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में ÷सोमनाथ स्वाभिमान पर्व÷ बड़े उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में उत्तर प्रदेश में ÷सोमनाथ संकल्प महोत्सव÷ का आयोजन किया गया, जिसने भारतीय सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा तथा राष्ट्रीय आत्मगौरव के पुनर्जागरण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। इसी कड़ी में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी स्थित ललित कला संस्थान में भगवान शिव की उपासना एवं भक्ति को समर्पित चित्रकला प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा एवं आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति आस्था जागृत करना था। प्रतियोगिता में लगभग 75 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी कला पारखी दृष्टि, रचनात्मकता एवं भगवान शिव के प्रति अपनी निष्ठा को रंगों के माध्यम से साकार किया। विद्यार्थियों ने भगवान शिव के विविध स्वरूपों को कैनवास पर उकेरते हुए उनकी महिमा, तप, करुणा एवं विराट स्वरूप को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। किसी ने नटराज के रूप में शिव की दिव्यता को दर्शाया तो किसी ने कैलाशपति भोलेनाथ के ध्यानमग्न स्वरूप को चित्रित किया। कई विद्यार्थियों ने शिव और प्रकृति के संबंध को अपनी कलाकृतियों में विशेष रूप से अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों का अवलोकन कर प्रसन्नता व्यक्त की तथा उनके सृजनात्मक प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ÷सत्यम् शिवम् सुन्दरम्÷ की अवधारणा भगवान शिव में ही समाहित है। भगवान शिव त्रिकालदर्शी हैं, जिनकी आराधना से समस्त दुखों का निवारण होता है तथा मानव जीवन में शांति, शक्ति एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सदैव अध्यात्म और कला का संगम रही है तथा इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन कर रहीं समन्वयक डॉ. श्वेता पाण्डेय ने कहा कि ललित कला संस्थान के विद्यार्थी प्रत्येक आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीमित समय में इतनी सुंदर एवं भावपूर्ण कलाकृतियों का निर्माण करना उनकी प्रतिभा, साधना और समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में देशप्रेम, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति भावना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और संस्कृति को जोड़ने वाला सशक्त सेतु है। कला अध्यापक गजेंद्र सिंह ने बताया किभगवान शिव पर आधारित यह चित्रकला प्रतियोगिता विद्यार्थियों को भारतीय परंपरा की गहराई एवं आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है।

इस अवसर पर संस्थान की डॉ. सुनीता, डॉ. अजय कुमार गुप्ता, डॉ. दिलीप कुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. रानी शर्मा, डॉ. अंकिता शर्मा तथा गजेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रतिभागी पंकज, आदर्श, फैशल उस्मानी, दीपिका राजपूत, प्रिया यादव, निशा, आदेश, अनुज, सलोनी, दिव्या, चंचल साहू, शुभ, महाश्वेता, आर्यन एवं अन्य विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट कला प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी दर्शकों का मन मोह लिया।

पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महामुनिराज का शहर में हुआ मंगल प्रवेश निकली शोभायात्रा , पलक पांवड़े बिछाकर श्रद्धालुओं ने की आगवानी जगह जगह हुआ पाद प्रक्षालन व आरती

समय जगत, झांसी । महानगर में ग्राजकीय अतिथिष् भारत देश के सर्वमान्य दिगम्बराचार्य पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महामुनिराज ससंघ के मंगल हुआ। इस अवसर पर जैन समाज द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने जगह जगह पुष्पवर्षा करके आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन करते हुए आरती करके पलक पांवड़े बिछाकर आगवानी की। ग्वालियर रोड स्थित अटल चौक से प्रारम्भ हुई शोभायात्रा निर्धारित विभिन्न मार्गो से होकर गांधी रोड स्थित श्री दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मन्दिर पहुंची। जहां धर्मसभा में आचार्य श्री ने संबोधित करते हुए कहा कि जब परिणामों में गर्मी आए तो थोड़ा सा धैर्य रखो अपने आप ही समाधान मिल जाएगा। उन्होंने आगे पुराने संस्मरणों का स्मरण करते हुए कहा कि ष्सबके दिन एक से नहीं होतेष् इस सूत्र का निर्माण झांसी में ही किया था। दान धर्म को परिभाषित करते हुए कहा कि जो निर्मल भावों से दान करता हैं। उसको दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की होती हैं।

धर्मसभा के शुभारंभ में गणाचार्य श्री विरागसागरजी महामुनिराज के चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्ज्वलन किया गया। पंचायत अध्यक्ष अजित कुमार जैन, उपाध्यक्ष रविन्द्र जैन रेल्वे, महामंत्री वरुण जैन, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र चौधरी, ऑडिटर राजकुमार भण्डारी, बड़ा मन्दिर मंत्री सुनील जैनको, करगुंवा मंत्री संजय सिंघई, प्यावल मंत्री खुशाल जैन, भगवान महावीर लोक कल्याण समिति के अध्यक्ष ललित जैन, पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन प्रेस, कार्याध्यक्ष कैलाशचंद जैन वर्धमान, मुख्य सलाहकार डॉ जिनेन्द्र जैन, संरक्षक राजेंद्र जैन प्रेस, राजीव जैन सिर्स, मुख्य संयोजक केतन जैन, उपाध्यक्ष अतुल जैन सर, अंकित सर्राफ, अशोक जैन रतनसेल्स, वरिष्ठ महामंत्री दिनेश जैन डीके, डॉ राजीव जैन, जिनेन्द्र सर्राफ, महामंत्री सौरभ जैन सर्वज्ञ, मुख्य कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र जैन बक्सा, कोषाध्यक्ष देवेंद्र जैन एलआईसी, कमलेश जैन रोहित गारमेंट्स, संयोजक प्रदीप जैन वर्धमान, इंजी. संजय जैन महोबा, सम्यक भण्डारी, सचिन सर्राफ संयोग भण्डारी, मुकेश जैन वीडियो, देवव्रत जैन बबलू, विवेक जैन भगतजी सहित अनेकों श्रावक श्राविकाये उपस्थित रहें।धर्मसभा में आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य श्रीमति मेघा - प्रदीप जैन महरौनी, अनुश्री - दिव्यांश जैन, दीपांक सिंघई को प्राप्त हुआ। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्रतीक जैन सदर, पुष्पेन्द्र जैन हैंडलूम, रश्मि - सनी जैन चौनू, डॉ राखी जैन, डॉ विनय जैन, सुनील जैन अछ्रौनी, यश सिंघई को प्राप्त हुआ।

मंगलाचरण सौरभ जैन कटरा एवं रजनी जैनको एवं संचालन महामंत्री सौरभ जैन सर्वज्ञ एवं आभार बड़ा मन्दिर मंत्री सुनील जैनको ने व्यक्त किया।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में 12 मई के कार्यक्रम

समिति के महामंत्री सौरभ जैन सर्वज्ञ ने जानकारी देते हुए बताया कि 6 दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रथम दिन मंगलवार 12 मई को प्रातः 07 बजे सुप्रचीन जैन तीर्थ स्थल से घटयात्रा (कलश यात्रा) प्रारंभ होकर मेडिकल कॉलेज गेट नं 2 से 3 के आगे स्थित भगवान महावीर महातीर्थ में बनी विशाल एवं भव्य (अयोध्या नगरी) पांडाल में जायेंगी। जहां पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महामुनिराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में ध्वजारोहण की मांगलिक क्रिया सम्पन्न होगी।तत्पश्चात बाल ब्रह्मचारी पीयूष भैया जी के निर्देशन में देशना मंडप मंच उद्घाटन, प्रतिष्ठाचार्य निमंत्रण, वेदी शुद्धि की क्रियाएं संपन्न की जायेगीं। प्रातः 08: 30 बजे आचार्य श्री के मंगल प्रवचन होगें। दोपहर 1 बजे यागमंडल विधान, मंगल देशना, सायं 07 बजे महाआरती शोभायात्रा तत्पश्चात शास्त्र सभा, एवं रात्रि 8: 30 बजे डिजिटल दरबार में सौधर्म इंद्र सभा सहित 16 स्वप्नों का मंचन होगा।

भगवान के नाम की महिमा है अपरंपार : शास्त्री

समय जगत, गुरसरांय। ग्राम बरौटा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा की तीसरे दिन भगवान के नाम जप की महिमा का वर्णन किया गया।

भागवत कथा व्यास आचार्य अरविंद शास्त्री परसुवा वालों ने अजामिल प्रसंग के माध्यम से कहा कि जीवन में अच्छे दृश्य देखें तथा भगवान का प्रसंग सुनें क्योंकि जैसे दृश्य देखोगे वैसे मन में विचार उत्पन्न होंगे। इसलिए कल्याण मय दृश्यों को देखें और भगवान की कल्याण मयी कथा को सुनें। उन्होंने कहा कलयुग में भगवान का नाम जप बड़े से बड़े पापियों का उद्धार कर देता है ।

भागवत कथा का मूल पाठ आचार्य राम सेवक शास्त्री ने किया।

संगीतमय कथा में ऑर्गन एवं सह गायन पर प्रमोद गोस्वामी एवं बीरेन्द्र सिंह,नाल पर जीतू पैड पर बॉबी ने संगठनकी।

भागवत कथा की आरती परीक्षित श्रीमती रामदेवी एवं नरेंद्र पटेल ने की।

कथा में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के पुत्र अभिषेक पटेल उपस्थित रहे।

कथा में विजय नन्ना, कमलेश लंबरदार इमलोटा ,कुलदीप पटेल प्रधान सिंगार,पुष्पेंद्र पटेल, विमलेश पटेल ,अवधेश पटेल , रवि पटेल ,रामकिशुन पटेल ,हर प्रसाद ,देवेंद्र पटेल, नयन पटेल, घनेंद्र आदि उपस्थित रहे।

ढाई करोड़ का सोना लेकर कारोबारी लापता , सर्राफा व्यापारी पहुंचे कोतवाली

समय जगत, झांसी। ढाई करोड़ रुपए से अधिक का आधा दर्जन से अधिक व्यापारियों का सोना लेकर एक सप्ताह से लापता कारोबारी का सुराग लगाने को सर्राफा कारोबारियों ने थाना कोतवाली में तहरीर देकर उसका सुराग लगाकर सोना वापस दिलाए जाने की मांग की है। मंगलवार को सर्राफा व्यापार मंडल के नेता उदय सोनी के नेतृत्व में दर्जनों सर्राफा कारोबारी थाना शहर कोतवाली पहुंचे। जहां उन्होंने एक शिकायती पत्र के साथ लापता कारोबारी की तस्वीर सौंप कर उसका सुराग लगाने की मांग की। उन्होंने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि गणेश मढ़िया मोहल्ला में रहने वाला कुलदीप उर्फदीपू सोनी सर्राफा का कारोबार करता था। वह सराफा बाजार से व्यापारियों से सोना लेकर देहात क्षेत्र में छोटे छोटे व्यापारियों को बेचने जाता था। करीब एक सप्ताह से वह अपने परिवार के साथ घर से लापता है ओर उसका मोबाइल भी बंद जा रहा है। उन्होंने बताया कि लापता हुआ कारोबारी बाजार से को पंकज गुप्ता, प्रतीक वर्मा, सहित कई व्यापारियों का करीब ढाई लाख का सोना लेकर लापता है। उन्होंने पुलिस से कारोबारी को तलाश कर सोना बरामद करने की मांग की है।

गांजा तस्कर की जमानत खारिज

समय जगत, झांसी। न्यायालय विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट शरद कुमार चौधरी की अदालत ने भारी मात्रा में गांजा की तस्करी कर जेल भेजे गए गांजा तस्कर को जमानत देने से इनकार कर उसका जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है। अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता दीपक तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना जीआरपी पुलिस पांच मार्च 2026 को अपराध की रोकथाम में लगी थी। तभी सूचना मिली कि सर्कुलेटिंग एरिया में एक संदिग्ध युवक ओटो स्टैंड के पास खड़ा है। जीआरपी की पुलिस टीम ने उस संदिग्ध को पकड़ कर उसके कब्जे से एक बैग बरामद किया। जिसकी तलाशी लेने पर उसके अंदर बीस किलो से अधिक गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए संदिग्ध ने अपना नाम जिला गाजियाबाद राम पाखर निवासी तुलसीदास शुक्ला बताया। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया था। आज आरोपी की ओर से न्यायालय में जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया।

दिल्ली में शुरू हुआ नो-स्टॉप टोल

अब बिना रुके गुजरेंगी गाड़ियां, बैरियर-लेस एमएलएफएफ सिस्टम लॉन्च

नई दिल्ली। दिल्ली देश का दूसरा शहर बन गया है, जहां यह हाईटेक बैरियर-फ्री टोलिंग सिस्टम शुरू हुआ है। इससे पहले गुजरात के सूरत-भरूच कॉरिडोर पर इस तकनीक को लागू किया गया था। नई प्रणाली में पारंपरिक टोल बूथ और बैरियर नहीं हैं। सड़क के ऊपर लगाए गए हाई-रिजोल्यूशन कैमरे, सेंसर और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) तकनीक वाहन की नंबर प्लेट पढ़ते हैं और फास्टैग से लिंक खाते से स्वत- टोल राशि काट लेते हैं। राजधानी में हाईवे यात्रा का तरीका अब बदलने जा रहा है। टोल प्लाजा पर लंबी कतार, बैरियर खुलने का इंतजार और गाड़ियों की रेंगती रफ्तार अब धीरे-धीरे खत्म होने वाला है। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को पहली बार बैरियर-लेस मल्टी लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोल प्रणाली शुरू कर दी गई। इससे वाहन

बिना रुके सीधे टोल प्लाजा से गुजर सकेंगे और टोल राशि अपने आप कट जाएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अर्बन एक्सटेंशन रोड-दो (यूईआर-2) पर मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर इस अत्याधुनिक व्यवस्था का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा, एनएचएआई चेयरमैन संतोष कुमार यादव, दिल्ली के कई सांसद और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही दिल्ली देश का दूसरा शहर बन गया है, जहां यह हाईटेक बैरियर-फ्री टोलिंग सिस्टम शुरू हुआ है। इससे पहले गुजरात के सूरत-भरूच कॉरिडोर पर इस तकनीक को लागू किया गया था। नई प्रणाली में पारंपरिक टोल बूथ और बैरियर नहीं हैं। सड़क के ऊपर लगाए गए हाई-रिजोल्यूशन कैमरे, सेंसर और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) तकनीक वाहन की नंबर प्लेट पढ़ते हैं और फास्टैग से लिंक खाते से स्वत- टोल राशि काट लेते हैं। पूरी प्रक्रिया कुछ सेकंड में होती है और वाहन को रुकने की जरूरत नहीं पड़ती। अधिकारियों के अनुसार, वाहन 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से भी टोल पार कर सकते हैं। एनएचएआई के अनुसार, इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी लाइनें लगभग खत्म हो जाएंगी। इससे यात्रियों का समय बचेगा, ईंधन की खपत कम होगी और वाहनों के बार-बार रुकने-चलने से होने वाला प्रदूषण भी घटेगा। एनएचएआई चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने बताया कि फिलहाल देशभर में 17 टोल प्लाजा इस तकनीक के तहत विकसित किए जा रहे हैं, जिन्हें सितंबर 2026 तक शुरू करने का लक्ष्य है। इसके अलावा दूसरे चरण में 108 से अधिक नए टोल प्लाजा बनाए जाएंगे, जहां पूरी तरह एमएलएफएफ प्रणाली लागू होगी। इनमें दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, तेलंगाना समेत कई राज्यों के राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं। नई व्यवस्था में उन वाहन चालकों के लिए भी विशेष प्रावधान रखा गया है जिनका टोल किसी तकनीकी कारण से तुरंत नहीं कट पाता। यदि कोई वाहन बिना भुगतान दर्ज हुए टोल पार कर जाता है तो वाहन मालिक के मोबाइल पर ई-नोटिस भेजा जाएगा। उसके बाद उसे 72 घंटे के भीतर ऑनलाइन माध्यम से भुगतान करने का अवसर मिलेगा। निर्धारित समय में भुगतान करने पर किसी तरह का जुर्माना नहीं लगेगा, लेकिन तय अवधि के बाद भुगतान करने पर दोगुना शुल्क वसूला जा सकता है। एनएचएआई ने विवाद निपटान की व्यवस्था भी तैयार की है। यदि किसी वाहन से गलत कटौती होती है।

हरियाणा में जून में होगा ग्लोबल सिटी इन्वेस्टर समिट : मुख्यमंत्री

समय जगत, चंडीगढ़। हरियाणा में औद्योगिक निवेश बढ़ाने पर जोर दे रही नायब सरकार जून में एक निवेशक सम्मेलन करने जा रही है, जिसमें देश के साथ-साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसका मकसद गुरुग्राम में बनाई जा रही ग्लोबल सिटी में निवेश कराना है। इस आयोजन से पहले हरियाणा की नई औद्योगिक नीति (2026) की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। इसके लिए 10 से 15 दिन के अंदर कैबिनेट की बैठक होगी, जिसके बाद नई नीति को लागू कर दिया जाएगा। नई औद्योगिक नीति का ड्राप्ट तैयार होने के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली में दो दिन तक अलग-अलग सेक्टर के उद्यमियों से चर्चा की थी। चर्चा के बाद तार्किक सुझावों को नई औद्योगिक नीति में जोड़ दिया गया है। राज्य में हुए शहरी निकाय चुनाव की मतगणना होने के बाद किसी भी दिन कैबिनेट बैठक के लिए कार्यक्रम घोषित किया जा सकता है। हरियाणा के उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि 10 से 15 दिनों के अंदर लागू होने वाली औद्योगिक नीति को ही केंद्र बनाकर निवेशक सम्मेलन में उद्यमियों से चर्चा की जानी है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के सेक्टर 36 व 37 में

बन रही विश्वस्तरीय ग्लोबल सिटी को विकसित करने का प्रथम चरण पूरा किया जा चुका है। दूसरे चरण का भी कार्य आरंभ कर दिया गया है। ग्लोबल सिटी में ही अपने संयंत्र लगाने के लिए उद्यमियों को प्रेरित किया जाएगा। उद्यमियों को बताया जाएगा कि हरियाणा सरकार अपनी औद्योगिक नीति के तहत विभिन्न प्रकार के लाभ देने जा रही है। राव नरबीर के अनुसार ग्लोबल सिटी में औद्योगिक निवेश होने से हजारों युवाओं को विभिन्न सेक्टरों में रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। निवेशक सम्मेलन की तिथि और जगह अभी तय की जानी बाकी है।

सार-समाचार

सौ करोड़ की ठगी मामले में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

नई दिल्ली। कंप्यूटर इंजीनियर रवि राठौड़ ने कई नामी मल्टी नेशनल कंपनियों में काम कर चुका था। इस पूरी साजिश से पहले वह एक एमएनसी में 2.50 लाख रुपये माह सैलरी की नौकरी कर रहा था। फिर भी वह संतुष्ट नहीं था। इस बीच एक रिश्तेदार के जरिये उसकी मुलाकात सुदामा से हुई। सुदामा ठीक-ठाक पैसे वाला था। उसने रवि राठौड़ को ठगी का पूरा प्लान बताया। वेबसाइट और मोबाइल एप्लीकेशन बनाने में एक्सपर्ट रवि ने सुदामा और विकास के साथ मिलकर ट्रेड मेकर अल्गो के नाम से एप्लीकेशन व वेबसाइट बनाया। इसके बाद सनावद में कॉल सेंटर बनाने के लिए बैंक खातों का सेटअप किया गया। रवि खुद बेंगलुरु में बैठकर वेबसाइट व एप्लीकेशन को चलाने के अलावा उसको अपडेट कर रहा था। इन लोगों ने देशभर के 636 लोगों से 14232 ट्रांजैक्शन में करीब 100 करोड़ की ठगी की। बाद में ठगी की रकम को काम से हिसाब से बांट दिया गया। आरोपी रवि को महंगी गाड़ियां खरीदने के अलावा इंदौर में लग्जरी फ्लैट और प्रॉपर्टी खरीदने का शौक है। वहीं सुदामा ने ठगी की रकम से खंडवा में लोकल क्रिकेट लीग का आयोजन करवा रहा था। आरोपी मध्य प्रदेश टेनिस क्रिकेट लीग में खेल रही सांवरिया किंग्स खंडवा से जुड़ा हुआ है, इस टीम के लिए वह मोटी रकम खर्च करता है। दूसरी ओर विकास ने कई कॉल सेंटर में काम किया है। उसका काम ठगी के कॉल सेंटर को ठीक से चलाना था। लोगों के नंबर और उनकी डिटेल विकास ही उपलब्ध करवाता था। ठगी की रकम को म्यूल बैंक में ठिकाने लगा रहा था। इसके बाद पैसों को मुख्य आरोपियों तक पहुंचाने का काम भी विकास ही कर रहा था।

सेक्टर-7 में पानी की मोटर चोरी, सीसीटीवी में नजर आईं आरोपी

फरीदाबाद। वल्लभगढ़ सेक्टर-7बी इलाके में दिनदहाड़े पानी की मोटर चोरी होने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेक्टर-7बी निवासी डॉ. मुक्ता गुप्ता ने बताया कि वह जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड फरीदाबाद की सदस्य हैं। उन्होंने पुलिस चौकी सेक्टर-7 में शिकायत दी कि 10 मई 2026 की सुबह करीब 7:30 बजे वह पानी की मोटर चलाने के लिए उठीं। इस दौरान उन्होंने देखा कि मोटर गायब थी और पाइप टूटा होने के कारण पानी बह रहा था। डॉ. मुक्ता गुप्ता ने जब घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की तो उसमें तीन कूड़ा बीनने वाली महिलाएं घर के अंदर घुसती दिखाई दीं। फुटेज में महिलाएं पानी की मोटर को तोड़कर निकालते हुए नजर आईं। इतना ही नहीं, आरोपी महिलाओं ने घर का दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश करने का भी प्रयास किया, लेकिन दरवाजे पर ताला लगा होने के कारण वह अंदर नहीं आ सकीं। इसके बाद महिलाएं मोटर लेकर मौके से भाग गईं। पुलिस प्रवक्ता यशपाल का कहना है कि फुटेज के आधार पर महिलाओं की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने चोरी की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरकारी विद्यालय में लगा विधिक जागरुकता शिविर

गुरुग्राम। नूंह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), नूंह द्वारा सरकारी विद्यालय, घासेड़ा, जिला नूंह में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा गुप्ता के मार्गदर्शन में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नेहा गुप्ता ने विद्यार्थियों को प्रौद्योगिकी के महत्व एवं उसके समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक शिक्षा, संचार, स्वास्थ्य, न्याय एवं रोजगार के क्षेत्र में नई संभावनाएं प्रदान कर रही है। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एचएसएलएसए) द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं पहलों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए संवाद सत्र भी आयोजित किया गया।

अवार्ड लेकर स्कूल पहुंचे मुख्य अध्यापक का किया गया स्वागत

गुरुग्राम। शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में सम्मान हासिल करने के बाद स्कूल पहुंचने पर मुख्य अध्यापक सोहराब खान का गांव मामलिका में जोरदार स्वागत किया गया। गांव के सरपंच हामिद समेत ग्रामीणों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। सरपंच हामिद ने कहा कि पूरे गांव को गर्व है कि उनके स्कूल के अध्यापक को राज्य स्तर पर सम्मान मिला है।

सेवा, संवेदनशीलता, करुणा व साहस की मिसाल हैं नर्स

स्वास्थ्य व्यवस्था की हैं मजबूत कड़ी

नई दिल्ली। अस्पतालों में मरीजों की देखभाल, इमरजेंसी की जिम्मेदारी और हर कठिन परिस्थिति में सबसे पहले साथ खड़ी नजर आने वाली नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी मानी जाती हैं। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर हर साल उनके समर्पण, साहस और संवेदनशीलता के प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती है। नर्सें केवल स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि सेवा, करुणा और समर्पण की जीवंत मिसाल हैं, जो हर दिन मरीजों को जीवन को उम्मीद देती हैं। आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में नर्सों की भूमिका केवल इलाज तक सीमित नहीं है। मरीजों को मानसिक सहारा देना, उनके परिजनों को समझाना और सकारात्मक माहौल बनाना भी उनकी अहम जिम्मेदारी है। मरीजों के साथ सबसे अधिक समय बिताने वाली नर्सें अस्पतालों का सबसे मानवीय चेहरा मानी जाती हैं। कोविड महामारी के दौरान भी नर्सों ने अपनी सेवा भावना और हिम्मत से समाज के सामने मिसाल पेश की। लंबे समय तक पीपीई किट में ड्यूटी, संक्रमण का खतरा और लगातार काम के दबाव के बावजूद वे दिन-रात सेवा में जुटी रहीं। कविता सिंह पंवार को नर्सिंग की प्रेरणा भाई के इलाज के दौरान मिली। वर्तमान में वे आईवाईसीएफ काउंसलर और डायबिटिक एजुकेटर के रूप में कार्यरत हैं। वहीं, स्वामी दयानंद अस्पताल की सिस्टर सितारा का कहना है कि मरीजों का भरोसा बनाए रखना और उनकी जरूरतों का ध्यान रखना नर्सिंग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। गुरु तेग बहादुर अस्पताल के गीतेश ने बताया कि कोविड काल में नर्सों ने कठिन परिस्थितियों में सेवा देकर खुद को असली वॉरियर साबित किया।

60000 पौधों से हरा-भरा होगा इलाका

जापानी तकनीक वाला मियावाकी जंगल विकसित करने की लागू होगी परियोजना

नई दिल्ली। भाटी इलाके में अब कंक्रीट के बीच एक घना मियावाकी जंगल आकार लेने वाला है। दिल्ली सरकार के वन एवं वन्यजीव विभाग ने हवा को शुद्ध करने और हरियाली बढ़ाने के लिए एक खास परियोजना तैयार की है। इसमें जापानी तकनीक मियावाकी का इस्तेमाल कर हजारों पौधे लगाए जाएंगे, जो बहुत कम समय में एक घने जंगल का रूप ले लेंगे। इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां केवल पारंपरिक तरीके से पेड़ नहीं लगाए जाएंगे, बल्कि एक वैज्ञानिक पद्धति का सहारा लिया जाएगा। वन विभाग के साउथ फॉरेस्ट डिवीजन ने तय किया है कि भाटी इलाके में 60,000 पौधे लगाए जाएंगे। इसमें 40,000 छोटे पेड़ (सपलिंग्स) और 20,000 तरह-तरह की झाड़ियां रोपी जाएंगी। मियावाकी तकनीक से लगाए गए पौधे सामान्य पौधों की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ते हैं और 30 गुना ज्यादा घने होते हैं। इसका सीधा फायदा स्थानीय लोगों को मिलेगा, क्योंकि यह घना जंगल

धूल को सोखने और ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने में किसी एयर प्यूरीफायर की तरह काम करेगा। पौधे लगाने के बाद उन्हें उनके हाल पर छोड़ना दिल्ली में आम बात है, लेकिन इस परियोजना में ऐसी लापरवाही की गुंजाइश नहीं होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जो भी संस्था इस काम की जिम्मेदारी लेगी, उसे पूरे एक साल तक इन पौधों की देखभाल और रखरखाव करना होगा। इस बड़ी परियोजना को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस काम की इच्छुक संस्थाओं और जानकारों को 20 मई को एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए बुलाया है, ताकि काम की बारीकियों को समझा जा सके। प्रदूषण की मार झेल रही दिल्ली के लिए यह मिनी जंगल एक वरदान साबित हो सकता है।

जब ये 60 हजार पौधे एक साथ लहलहाएंगे, तो ये इलाका जैव विविधता का केंद्र बन जाएगा और स्थानीय पक्षियों व छोटे जीवों को भी नया घर मिलेगा। सरकार की ये कोशिश दिल्ली वालों को शुद्ध हवा और बेहतर भविष्य देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। दक्षिणी दिल्ली का भाटी माइंस इलाका पारिस्थितिक रूप से बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। यहां हरियाली बढ़ने से न केवल तापमान में गिरावट आएगी, बल्कि गिरते भूजल स्तर को सुधारने में भी मदद मिलेगी। यह परियोजना साल 2025-26 के लिए तय की गई है। तुगलकाबाद स्थित वन विभाग का कार्यालय इस पूरी योजना की निगरानी कर रहा है।

गर्मी बढ़ते ही रोडवेज यात्री घटे, कौशांबी डिपो पर दिखा असर

साहिबाबाद। जिले में लगातार बढ़ रही गर्मी का असर अब रोडवेज निगम पर दिखने लगा है। गर्मी बढ़ते ही यात्रियों की संख्या कम होने लगी है। अब यात्री जरूरी काम के लिए ही घर से निकल रहे हैं। दोपहर में बस अड्डों और बसों में पहले के मुकाबले काफी कम भीड़ दिखाई दे रही है। खासतौर पर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच बसों की सीट खाली रहती हैं। अप्रैल में मार्च माह की अपेक्षा करीब 40 हजार यात्रियों के आवागमन में कमी आई है। यात्री रामलाल का कहना है कि तेज धूप के कारण लंबा सफर करना मुश्किल हो रहा है और लोग, यात्रा टाल रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि बस अड्डों पर गर्मी से राहत के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। कई जगहों पर ठंडे पानी और बैठने की व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है। साथ ही पंखे भी नहीं चलते हैं। ऐसे में लोगों को इंतजार करने में परेशानी हो रही है। इसलिए पहले की अपेक्षा डिपो और बस स्टैंड पर यात्रियों की संख्या काफी कम हो गई है। रोडवेज के अनुसार सामान्य दिनों में जिन रूटों पर बसें फुल चलती थीं, वहां भी अब यात्रियों की संख्या कम हो गई है। लखनऊ, बरेली, मेरठ और आसपास के रूटों पर इसका सीधा असर अधिक देखा जा रहा है। मार्च महीने में 31,33101 यात्रियों ने सफर किया। जबकि अप्रैल में यात्रियों की संख्या 30,93,303 यात्रियों ने ही रोडवेज बस से सफर किया। एक महीने में करीब 40 हजार कम लोगों ने यात्रा की है। मार्च की तुलना में अप्रैल महीने में 39798 यात्रियों की संख्या में कमी आई। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक अंशुल भटनागर का कहना है कि मौसम में बदलाव के कारण यात्रियों की संख्या में करीब 40 हजार यात्रियों की कमी आई है। हालांकि वीकेंड पर यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है।

प्रदूषण बोर्ड कार्यालय पहुंचे उद्यमी, बिजली कनेक्शन जोड़ने की उठाई मांग

साहिबाबाद। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से शनिवार को फैक्टरियों पर कार्रवाई के बाद उद्यमियों ने यूपीपीसीबी कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों संग बैठक की। जिन फैक्टरियों की बिजली काटी गई है, उन्हें जल्द सुचारू करने की मांग की है। शनिवार को यूपीपीसीबी के अधिकारियों ने मानकों के पूरा न होने पर 14 फैक्टरियों के बिजली कनेक्शन काट दिए थे।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आयोजित हुईं प्रतियोगिताएं

राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मंडकोला में हुआ कार्यक्रम

गुरुग्राम। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मंडकोला में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस उत्साह एवं प्रेरणादायक माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रोफेसर के. डी. शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के प्रधानाचार्य ने प्रताप सिंह चेची ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण कर विश्व में अपनी तकनीकी शक्ति का परिचय दिया था। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। प्रधानाचार्य ने बताया कि पिछले छह दिनों से कॉलेज में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न तकनीकी, सांस्कृतिक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा था। इन प्रतियोगिताओं में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सोमवार 11 मई को विजेता छात्रों को मुख्य अतिथि एवं कॉलेज प्रशासन द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। मुख्य अतिथि प्रो. केडी शर्मा ने कहा कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन केवल तकनीक से जीवन में संस्कार और मूल्य नहीं आते। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य में निरंतर अभ्यास सफलता की कुंजी है तथा जीवन में बदलाव बहुत जरूरी है। प्रो. शर्मा ने छात्रों को पुस्तकों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि लाइब्रेरी में बैठकर किताब पढ़ने से व्यक्ति जल्दी नहीं थकता, जबकि लंबे समय तक लैपटॉप या स्क्रीन पर काम करने से मानसिक थकान बढ़ जाती है। इसलिए छात्रों को तकनीक के साथ-साथ पुस्तकों से भी जुड़ना चाहिए। अंत में मुख्य अतिथि का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

50 दिन बाद भी नहीं सुलझी महिला की हत्या की गुत्थी

गाजियाबाद। मधुबन-बापूधाम क्षेत्र स्थित सूखे नाले में महिला का शव मिलने के 50 दिन बाद भी पुलिस मामले को सुलझा नहीं पाई है। शव महिला की हत्या करके फेंका गया था। हत्यारोपी को पकड़ना तो दूर पुलिस महिला की शिनाख्त तक नहीं कर पाई है। मधुबन-बापूधाम थाना क्षेत्र स्थित मैनापुर में जीडीए की अविकसित कॉलोनी में प्लॉट की बिक्री की जा रही है। इन्हीं प्लॉट के सामने स्थित नाले में लोगों ने 21 अप्रैल की सुबह एक महिला का शव पड़ा देखा। उसकी गर्दन पर धारदार हथियार के साथ ही शरीर पर चोट के कई निशान मिले थे। उम्र करीब 25 वर्ष आंकी गई थी और गले में मंगलसूत्र व पैरों में बिछुए मिले थे। कपड़े अस्त-व्यस्त थे। वर्तमान में मधुबन बापूधाम थाने का कार्यभार वर्ष 2023 बैच की आईपीएस डॉ. दीप्ती एस. चौहान के पास है।

वार्ड-26 में बनेंगे दो नए नागरिक सुविधा केंद्र, घर के पास मिलेंगी सुविधाएं

फरीदाबाद। तेजी से फैलते फरीदाबाद में सरकारी सेवाओं तक आसान पहुंच अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। खासकर शहर के बाहरी और घनी आबादी वाले वार्डों में रहने वाले लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए भी नगर निगम मुख्यालय या ओल्ड फरीदाबाद स्थित कार्यालयों के कई चक्कर लगाने पड़ते हैं। इसी समस्या को देखते हुए नगर निगम ने वार्ड-26 में दो नए नागरिक सुविधा केंद्र बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इससे स्थानीय लोगों की परेशानी कम होने के साथ निगम की सेवाओं को मोहल्ला स्तर तक पहुंचाया जा सकेगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार ये दोनों केंद्र एत्मादपुर सामुदायिक भवन और बीएसएनएल एक्सचेंज के पास स्थित पार्क में बनाए जाएंगे। दोनों स्थानों का चयन क्षेत्र की आबादी, पहुंच और आसपास की कॉलोनियों को ध्यान में रखते हुए किया गया है ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। फरीदाबाद नगर निगम क्षेत्र की आबादी करीब 20 लाख के आसपास पहुंच चुकी है। शहर में 46 वार्ड हैं और लगातार बढ़ती आबादी के कारण नागरिक सेवाओं का दबाव भी तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, प्रॉपर्टी टैक्स, शिकायत निवारण, जलभराव, सीवर, स्ट्रीट लाइट और सफाई जैसी समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में लोग निगम कार्यालय पहुंचते हैं। कई बार एक साधारण कार्य के लिए भी लोगों को अलग-अलग शाखाओं में जाना पड़ता है। इससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती है। वार्ड-26 में स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। यहां एत्मादपुर, आसपास की कॉलोनियों और तेजी से विकसित हो रहे रिहायशी क्षेत्रों की आबादी लगातार बढ़ रही है लेकिन सुविधाओं का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हो पाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक प्रमाण पत्र बनवाने या शिकायत दर्ज कराने के लिए भी आधा दिन खराब हो जाता है। बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र स्तर पर सुविधा केंद्र बनने से यह समस्या काफी हद तक कम हो सकेगी। नगर निगम के अधीक्षण अभियंता ओमवीर सिंह ने बताया कि नागरिक सुविधा केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और स्थान चिन्हित किए जा चुके हैं। अगले महीने से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से शिकायतों के निस्तारण में तेजी आएगी और लोगों को पारदर्शी एवं जवाबदेह व्यवस्था का लाभ मिलेगा। शहर में बढ़ती आबादी और फैलते शहरी दायरे के बीच यह पहल नगर सेवाओं को आम नागरिक के दरवाजे तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यदि योजना तय समय पर पूरी होती है तो वार्ड-26 के हजारों परिवारों को इसका सीधा लाभ मिल सकेगा। इस संबंध में धीरेंद्र खड़गटा, निगम आयुक्त का कहना है कि लोगों की सुविधाओं के लिए इस तरह के कई कार्य किए जा रहे हैं, लोगों की समस्याओं का समाधान करना निगम की पहली प्राथमिकता है।

जूडो प्रतियोगिता में फरीदाबाद का दिखा दबदबा

फरीदाबाद। गुरुग्राम में आयोजित अंतर-राज्य जूडो प्रतियोगिता में फरीदाबाद के खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। गुरुग्राम जूडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के करीब 650 खिलाड़ियों के बीच फरीदाबाद की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 31 पदक जीते, जिसमें 8 स्वर्ण, 8 रजत और 15 कांस्य पदक शामिल हैं। फरीदाबाद के लिए स्वर्ण पदक जीतने वालों में जयराज, नेहल वर्मा, शान्वी सेगन, अजुनी छाबड़ा, यशविनी पंडित, केशव राणा, प्रभव सैनी और कार्तिकेय चौधरी शामिल रहे। इन्होंने अलग-अलग कैटेगरी में यह उपलब्धि हासिल की। बता दें कि प्रतियोगिता में लिटिल मिनी सब-जूनियर, मिनी व सब-जूनियर और कैडेट वर्ग के मुकाबले खेले गए। जहां पर 5 वर्ष से लेकर 21 वर्ष तक के आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने दम दिखाया। इनमें लिटिल मिनी सब जूनियर बालक वर्ग के 26 किलोग्राम भार वर्ग में जयराज ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि 32 किलोग्राम से अधिक भाग वर्ग में नेहाल वर्मा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अद्वित ने 28 किग्रा में रजत हासिल किया जबकि 16 किलोग्राम में तनुष, 20 किलोग्राम में श्रेयान गोराई और विश्वमुख पुरोहित व 22 किलोग्राम भार वर्ग में एकांश साहनी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। बालिका वर्ग में शान्वी ने 26 किलोग्राम भार वर्ग में और अजुनी छाबड़ा ने 22 जबकि यशविनी पंडित ने 24 किलोग्राम भार वर्ग में ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

संपादकीय

पीएम का ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता पर है फोकस

प्रधानमंत्री द्वारा देश में ऊर्जा संसाधनों के संयमित उपयोग का आग्रह गत दिवस किया गया है। प्रधानमंत्री की उक्त बातें राष्ट्रीय अनुशासन एवं सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को परिलक्षित करती हैं। ईरान-इज़राइल-अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ जैसे रणनीतिक मार्ग को अनिश्चितता की स्थिति में डाल दिया है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति की रीढ़ डगमगा गई है। भारत जैसे आयात-निर्भर देश इस दबाव को विशेष रूप से झेल रहे हैं। ऐसे संवेदनशील समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूसरा आह्वान केवल एक सरकारी संदेश नहीं, बल्कि पूरे समाज को सचेत करने वाली गूंज है, जो यह स्पष्ट करता है कि आने वाले समय की दिशा केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और अनुशासन से तय होगी। अब समय केवल संसाधन बचाने का नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने का संकेत दे रहा है। प्रधानमंत्री का यह संदेश साफ करता है कि आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए कामकाज और आदतों में बदलाव जरूरी होगा। वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना, बैठकों को डिजिटल माध्यम तक सीमित रखना और अनावश्यक यात्राओं से बचना सीधे ऊर्जा खपत को नियंत्रित करने का प्रयास है। जो काम बिना सफर के हो सकते हैं, वे अब केवल सुविधा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित का विषय हैं। देश की अर्थव्यवस्था पर सबसे गहरा असर उन आदतों का पड़ता है, जिन्हें समाज वर्षों से समृद्धि का प्रतीक मानता आया है। सोना भी ऐसी ही परंपरा है, जिसने भारतीय मानसिकता में सुरक्षा, प्रतिष्ठा और गौरव का स्थान बना रखा है। लेकिन जब यही आकर्षण विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ाने लगे, तब सोच बदलना जरूरी हो जाता है। एक वर्ष तक अनावश्यक सोने की खरीद से बचने की अपील केवल आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है। यह विचार बताता है कि असली समृद्धि तिजोरियों की चमक में नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता में बसती है। जब व्यक्तिगत प्रदर्शन और पुरानी परंपराएँ राष्ट्रीय हितों पर बोझ बनने लगें, तब संयम सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म बन जाता है। पीएम की उक्त बातें महत्वपूर्ण हैं तथा इस ओर नेताओं को विशेष फोकस करने की आवश्यकता है, जो अनावश्यक विदेश यात्राओं, सरकारी वाहनों के गैर जरूरी उपयोग सहित अन्य तरह की फिजूलखर्ची में लिप्त रहते हैं। विशेष तौर पर राजनीतिक क्षेत्र के लोग अगर अपनी जिम्मेदारियां समझें और ईमानदारी व राष्ट्रीयत्व पर अपना ध्यान केन्द्रित करें तो पीएम की मितव्ययिता की बातें अधिक सार्थक मानी जाएंगी।

देश में रोजगार के अवसरों पर केन्द्रित किया जाये ध्यान

नजरिया

स्कूलों और कॉलेजों में अंक और रैंक को सफलता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता, समाज और शिक्षा व्यवस्था की अपेक्षाएं इतनी बढ़ चुकी हैं कि कई छात्र खुद को लगातार दबाव में महसूस करते हैं। मेडिकल, इंजीनियरिंग और सरकारी नौकरी जैसी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले लाखों युवा दिन-रात संघर्ष करते हैं, लेकिन सीमित सीटों और बढ़ती प्रतियोगिता के कारण बहुत बड़ी संख्या में उन्हें असफलता का सामना करना पड़ता है। यह असफलता धीरे-धीरे मानसिक तनाव, अवसाद और निराशा में बदल जाती है। कोटा, दिल्ली, पटना, हैदराबाद और देश के कई शिक्षा केंद्रों से लगातार छात्रों की आत्महत्या की खबरें सामने आती रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि यह उस शिक्षा व्यवस्था की विफलता है जिसने शिक्षा को सीखने की प्रक्रिया के बजाय एक अंतहीन दौड़ बना दिया है। विद्यार्थियों के पास मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने का माहौल नहीं है।

कांतिलाल मांडोत

देश लगातार विकास, डिजिटल क्रांति और आर्थिक प्रगति की नई ऊंचाइयों की बात कर रहा है, लेकिन इसी चमक के पीछे एक ऐसा दर्दनाक सच भी छिपा है जो समाज और सरकार दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट ने इस सच्चाई को सामने ला दिया है कि देश में कुल आत्महत्या के मामलों में भले मामूली गिरावट आई हो, लेकिन छात्रों और बेरोजगार युवाओं के बीच आत्महत्या की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि यह उस टूटते विश्वास, बढ़ते तनाव और असुरक्षित भविष्य की कहानी है जिससे देश का युवा वर्ग गुजर रहा है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में देश में कुल 1,70,746 आत्महत्या के मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ा कम हैं। लेकिन छात्रों की आत्महत्या का प्रतिशत 8.1 प्रतिशत से बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो गया। संख्या के रूप में देखें तो 2023 में 13,892 छात्रों ने आत्महत्या की थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 14,488 पहुंच गया। इसी तरह बेरोजगारों में आत्महत्या की दर भी बढ़ी है। वर्ष 2023 में जहां 14,234 बेरोजगारों ने आत्महत्या की थी, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 14,778 हो गई। यह स्थिति बताती है कि देश का युवा मानसिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर कठिन दौर से गुजर रहा है। आज का छात्र सिर्फ पढ़ाई नहीं कर रहा, बल्कि वह लगातार प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाओं और असफलता के डर से भी लड़ रहा है। स्कूलों और कॉलेजों में अंक और रैंक को सफलता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता, समाज और शिक्षा व्यवस्था की अपेक्षाएं इतनी बढ़ चुकी हैं कि कई छात्र खुद को लगातार दबाव में महसूस करते हैं। मेडिकल, इंजीनियरिंग और सरकारी नौकरी जैसी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले लाखों युवा दिन-रात संघर्ष करते हैं, लेकिन सीमित सीटों और बढ़ती प्रतियोगिता के कारण बहुत बड़ी संख्या में उन्हें असफलता का सामना करना पड़ता है। यह असफलता धीरे-धीरे मानसिक तनाव, अवसाद और निराशा में बदल जाती है। कोटा, दिल्ली, पटना, हैदराबाद और देश के कई शिक्षा केंद्रों से लगातार छात्रों की आत्महत्या की खबरें सामने आती रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि यह उस शिक्षा व्यवस्था की विफलता है जिसने

शिक्षा को सीखने की प्रक्रिया के बजाय एक अंतहीन दौड़ बना दिया है। विद्यार्थियों के पास मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने का माहौल नहीं है। अधिकतर संस्थानों में काउंसलिंग व्यवस्था केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। कई छात्र अकेलेपन, डर और असफलता के बोझ को भीतर ही भीतर झेलते रहते हैं। बेरोजगारी की समस्या भी युवाओं को गहरे संकट में धकेल रही है। पढ़ाई पूरी करने के बाद जब युवाओं को रोजगार नहीं मिलता, तब उनके भीतर भविष्य को लेकर असुरक्षा बढ़ने लगती है। लाखों युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, पेपर लीक, सीमित अवसर और बढ़ती उम्र उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बना देती है। कई युवाओं को परिवार और समाज की उम्मीदों का दबाव भी झेलना पड़ता है। आर्थिक तंगी और लगातार असफलता का अनुभव उन्हें निराशा की ओर ले जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और अधिक गंभीर है। खेती-किसानी पर निर्भर परिवारों के युवाओं के सामने रोजगार के सीमित अवसर हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों की आत्महत्या का आंकड़ा भी चिंताजनक है। वर्ष 2024 में 10,546 लोगों ने कृषि क्षेत्र में आत्महत्या की, जिनमें 4,633 किसान और 5,913 खेतिहर मजदूर शामिल हैं। यह बताता है कि आर्थिक अस्थिरता केवल शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में भी गहरा संकट मौजूद है। खेती की बढ़ती लागत, कर्ज, प्राकृतिक आपदाएं और कम आय किसानों और मजदूरों को लगातार परेशान कर रही हैं। समाज में तेजी से बढ़ता अकेलापन भी इस समस्या का एक बड़ा कारण बन रहा है। आधुनिक जीवनशैली में परिवारों के बीच संवाद कम हुआ है। मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में लोग एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। कई युवा अपनी परेशानियां किसी से साझा नहीं कर पाते। उन्हें डर रहता है कि लोग उनका मजाक उड़ाएंगे या उन्हें कमजोर समझेंगे। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आज भी समाज में जागरूकता की कमी है। अवसाद, चिंता और तनाव जैसी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता। महिलाओं की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के 2,84,530 मामले दर्ज किए गए। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सबसे अधिक मामले पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के हैं। घरेलू हिंसा, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव महिलाओं को मानसिक रूप से तोड़ते हैं। कई महिलाएं अपने संघर्षों को चुपचाप सहती रहती हैं, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल संवेदना व्यक्त करने से नहीं होगा। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो युवाओं को मानसिक और आर्थिक सुरक्षा दे सकें। सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। परीक्षा आधारित दबाव को कम करना होगा और विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग तथा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में ऐसे वातावरण का निर्माण जरूरी है जहां छात्र बिना डर अपनी समस्याएं साझा कर सकें।

रोजगार के क्षेत्र में भी सरकारों को गंभीरता से काम करना होगा। युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर पैदा करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होगा ताकि युवाओं का विश्वास बना रहे। स्वरोजगार और कौशल विकास योजनाओं को केवल घोषणाओं तक सीमित रखने के बजाय जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्योगों और कृषि आधारित रोजगार को बढ़ावा देना भी जरूरी है। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाना भी आवश्यक है। जिला स्तर पर काउंसलिंग केंद्र, हेल्पलाइन और मनोवैज्ञानिक सहायता सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर नियमित मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। परिवारों को भी अपने बच्चों और युवाओं के साथ संवाद बढ़ाना होगा। केवल सफलता की उम्मीद करने के बजाय उनकी भावनाओं और संघर्षों को समझना जरूरी है। समाज को यह समझना होगा कि असफलता जीवन का अंत नहीं है। हर व्यक्ति की क्षमता और परिस्थिति अलग होती है। बच्चों और युवाओं पर अत्यधिक अपेक्षाओं का बोझ डालना उन्हें भीतर से कमजोर बना सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए जितनी शारीरिक स्वास्थ्य को दी जाती है। एनसीआरबी की यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। यदि समय रहते सरकार, समाज और परिवार इस दिशा में गंभीर कदम नहीं उठाते, तो देश का युवा वर्ग निराशा और असुरक्षा के अंधेरे में और गहराई तक डूबता चला जाएगा। विकास तभी सार्थक होगा जब देश का युवा सुरक्षित, आत्मविश्वासी और आशावान महसूस करेगा। युवाओं को केवल सपने दिखाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें जीने और आगे बढ़ने के लिए मजबूत आधार भी देना होगा।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

डॉ. सुयश नारायण मिश्रा

होर्मुज मार्ग बंद होने से दुनिया झुलस रही है ऊर्जा संकट की आग से मोदी सरकार ने सूझबूझ से जनता पर नहीं आने दी इस संकट की आंच, खुद उठाया बोझ।ऽ भारत में सामान्य रूप से होते रहे सभी कार्य जनता को भी देना होगा धैर्य के साथ देश का साथ वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं। लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे। यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता। लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है।

इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बड़ी राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। संकट के दौरान वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है।

राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

उमेश चतुर्वेदी

विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान-पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे। पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई। झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज-टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे। विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है।

इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलूचप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त। झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चर्चाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी-विवाह मुंडन-जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था। उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया। गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली। उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने-चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट-बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है। झालमुढ़ी आम लोगों और आम दुकानदारों से जुड़ने का भी सबसे बड़ा जरिया है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने झारग्राम में सड़क किनारे की झालमुढ़ी की दुकान को चुना और महज दस रूपए की झालमुढ़ी के ठोंगे यानी लिफाफे के जरिए पश्चिम बंगाल के करोड़ों दिलों तक जगह बना ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। झालमुढ़ी उनके इन दोनों नारों का भी प्रतिनिधित्व करता है। झालमुढ़ी और उसमें शामिल किए जाने तत्वों को स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया जाता है, स्थानीय लोगों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है और इसके जरिए स्थानीय स्तर पर एक पूरी शृंखला की रोजी-रोटी चलती है। इसलिए यह आत्मनिर्भर भारत का भी प्रतीक है। चूंकि इसे खरीदने और खाने से स्थानीय रोजगार और पैदावार को सहयोग मिलता है, इसलिए यह वोकल फॉर लोकल के भी नजदीक है। पश्चिम बंगाल में अब सरकार बन चुकी है। सरकार बनने और जीत हासिल करने के बाद बीजेपी और उसके नेताओं ने झालमुढ़ी की पार्टियां की हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की सरकार राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी और उस पर निर्भर लोगों की भलाई की दिशा में जरूर कदम उठाएगी।

75 वर्षों में राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना सोमनाथ

सौरभ वार्ष्णेय

भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होना केवल एक धार्मिक अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की ऐतिहासिक चेतना, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी महत्वपूर्ण क्षण है। आज जब देश इस गौरवपूर्ण यात्रा को स्मरण कर रहा है, तब यह भी स्पष्ट दिखाई देता है कि केंद्र की भारत सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारतीय विरासत और सांस्कृतिक धरोहरों के पुनर्स्थापन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की अदम्य शक्ति और सनातन परंपरा की अमर गाथा है। सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी। इन 75 वर्षों में सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं रहा, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक बन गया। विशेष रूप से पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास और धार्मिक पर्यटन को जिस प्रकार गति दी है, वह उल्लेखनीय है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या में राम मंदिर और केदारनाथ पुनर्विकास जैसे अनेक प्रकल्प इस सोच को मजबूत करते हैं कि भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर ही विश्व में नई पहचान बना सकता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सोमनाथ बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माना जाता है। कहा जाता है कि चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना कर यहां अपने श्राप से मुक्ति पाई थी, इसी कारण इसका नाम सोमनाथ पड़ा। अरब सागर के तट पर स्थित यह मंदिर प्राचीन काल से श्रद्धा और व्यापार दोनों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा। इतिहासकारों के अनुसार इसका उल्लेख अनेक प्राचीन ग्रंथों और यात्रावृत्तों में मिलता है।

सोमनाथ का इतिहास जितना गौरवपूर्ण है, उतना ही संघर्षपूर्ण भी। 11वीं शताब्दी में महमूद गजनी ने इस मंदिर पर आक्रमण कर इसकी अपार संपदा लूटी और मंदिर को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद भी विभिन्न कालखंडों में कई विदेशी आक्रांताओं ने इसे निशाना बनाया। लेकिन हर विनाश के बाद भारतीय समाज ने इसे फिर से खड़ा किया। यही तथ्य दर्शाता है कि किसी राष्ट्र की आत्मा को केवल पत्थरों को तोड़कर समाप्त नहीं किया जा सकता। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। आधुनिक सुविधाओं और भव्य स्थापत्य ने इसकी गरिमा को और बढ़ाया है। साथ ही यह मंदिर भारत को यह स्मरण कराता है कि हमारी संस्कृति ने हर संकट के बाद स्वयं को पुनर्जीवित करने की क्षमता दिखाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं कई बार यह कहा है कि विकास और विरासत साथ-साथ चल सकते हैं। यही कारण है कि सरकार ने एक ओर आधुनिक आधारभूत संरचना पर बल दिया, वहीं दूसरी ओर प्राचीन मंदिरों, तीर्थों और सांस्कृतिक केंद्रों के संरक्षण को भी महत्व दिया। सोमनाथ मंदिर परिसर का आधुनिकीकरण, पर्यटन सुविधाओं का विस्तार और आसपास के क्षेत्र का विकास इसी दृष्टि का हिस्सा है। हालांकि, इस अवसर पर यह भी आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रह जाए। मंदिरों और तीर्थ स्थलों के विकास के साथ-साथ देश को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर भी समान गंभीरता से आगे बढ़ना होगा। राष्ट्रीय गौरव तभी सार्थक होगा, जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सोमनाथ के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष भारत की उस अटूट चेतना का प्रमाण हैं, जिसने सदियों के संघर्ष के बाद भी अपनी पहचान को जीवित रखा। यह अवसर केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की सांस्कृतिक दिशा तय करने का भी है।

अशोक जैन मौत प्रकरण में डीएम सख्त, जांच के आदेश , दोषियों पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश

जनसुनवाई में सुनीं फरियादियों की समस्याएं , अस्पताल व्यवस्था और अवैध एम्बुलेंस संचालन पर जताई नाराजगी

समय जगत, ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित दैनिक जनसुनवाई में दूर-दराज से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान बिदुआ कॉलोनी तालाबपुरा निवासी अशोक जैन की मृत्यु का मामला सामने आने पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए मामले की जांच के आदेश दिए। फरियादियों निकेतन चौधरी, ममता जैन, आशीष जैन, प्रीति जैन, अंकिता जैन और जया जैन ने शिकायत करते हुए बताया कि उनके चाचा अशोक जैन की तबीयत खराब होने पर उन्हें जिला अस्पताल की इमरजेंसी में ले जाया गया, जहां बिना समुचित उपचार के रेफर कर दिया गया। आरोप लगाया गया कि अस्पताल में चिकित्सक उपलब्ध नहीं थे और रेफर के दौरान निजी एम्बुलेंस चालक ने पूरा किराया लेने के बावजूद मरीज को ऑक्सीजन सुविधा उपलब्ध नहीं कराई, जिससे रास्ते में उनकी मृत्यु हो गई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने सीएमओ और एसडीएम सदर की संयुक्त जांच टीम गठित कर 7 दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने के आदेश दिए। डीएम ने सीएमओ को जिला अस्पताल के आसपास संचालित अनाधिकृत एवं मानकविहीन एम्बुलेंसों को तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य मामलों में भी जिलाधिकारी ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसील महरौनी के ग्राम धबारी के ग्राम प्रधान मठोले ने सरकारी कोटे के भवन निर्माण में बाधा डालने और निर्माणाधीन दीवार तोडने की शिकायत की, जिस पर एसडीएम महरौनी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं ग्राम बानपुर निवासी चतरे ने आवंटित भूमि की नाप न होने की शिकायत की, जिस पर बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके अलावा विकासखंड जखौरा के ग्राम बुढ़वार निवासी ब्रजभान सिंह ने सहरिया बस्ती में खराब हैण्डपम्पों की मरम्मत की मांग रखी, जिस पर खंड विकास अधिकारी जखौरा को तत्काल समस्या के समाधान के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन को निकले नवदंपति का ललितपुर में भव्य स्वागत

सनातन धर्म के प्रचार के लिए 11,600 किमी की पदयात्रा पर अहमदाबाद का दंपति , अब तक 8 ज्योतिर्लिंगों के कर चुके हैं दर्शन

समय जगत, ललितपुर। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और देश के 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के संकल्प के साथ गुजरात के अहमदाबाद निवासी नवदंपति 25 वर्षीय नीलेश राजानी एवं 24 वर्षीय सोनिया राजानी इन दिनों देशव्यापी पदयात्रा पर हैं।

दोनों केदारनाथ धाम से यात्रा प्रारंभ कर लगभग 11 हजार 600 किलोमीटर की पैदल यात्रा के माध्यम से देश के सभी 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का संकल्प लेकर निकले हैं। अब तक करीब नौ माह की यात्रा में दोनों लगभग साढ़े नौ हजार किलोमीटर की पदयात्रा पूरी कर चुके हैं और आठ ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर चुके हैं। शेष चार ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने के लिए दोनों अगले पांच माह तक यात्रा जारी रखेंगे और अक्टूबर माह तक संकल्प पूरा करने का लक्ष्य है। मध्य प्रदेश के सागर शहर से होते हुए शनिवार को दोनों ललितपुर पहुंचे, जहां रावतयाना कैलगुवा रोड स्थित गोपीचंद डोडवानी के आवास पर उनका फूल-मालाओं और केसरिया दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

नीलेश और सोनिया ने बताया कि वह प्रतिदिन लगभग 40 से 50 किलोमीटर पैदल चलते हैं, जिसमें करीब सात घंटे का समय लगता है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र स्थित भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के कपाट 31 मई तक बंद हैं, इसलिए वह पुनरू केदारनाथ जा रहे हैं और 2 जून को वहां पहुंचकर दर्शन करेंगे। दंपति ने बताया कि उनकी इस आध्यात्मिक यात्रा में अयोध्या निवासी सिंधु एकता मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं प्रदेश महासचिव ओमप्रकाश ओमी का विशेष सहयोग मिल रहा है। अब तक वह देश के विभिन्न शहरों में 175 सिंधी परिवारों के यहां ठहर चुके हैं। ललितपुर से दोनों अपनी अगली पदयात्रा के लिए तालबेहट रवाना हुए। इस दौरान गोपीचंद डोडवानी, रायचंद डोडवानी, राकेश चंदानी, हरविंदर सलूजा, डा.दीपक चौबे, विनोद खत्री, राजीव पटवारी, विनिता डोडवानी, वंशिका डोडवानी सहित अन्य लोगों ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया।

दर्दनाक हादसा दो बसों के बीच फंसकर कंडक्टर की मौत

समय जगत, कोंच । कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह 9 बजे एक बस कंडक्टर की मौत हो गई। यह हादसा कोंच बस स्टैंड पर हुआ, जब दिल्ली से लौटी एक स्लीपर बस को पीछे किया जा रहा था। इसी दौरान कंडक्टर दो बसों के बीच फंस गया।

मृतक की पहचान इटावा जनपद के समरपुरा निवासी योगेश (48) पुत्र रामशंकर के रूप में हुई है। योगेश प्रिंस ट्रेवल्स की स्लीपर बस में कंडक्टर के पद पर कार्यरत थे।

मंगलवार सुबह दिल्ली से आई प्रिंस ट्रेवल्स की बस कोंच बस स्टैंड पर रुकी थी। बस को पीछे करते समय कंडक्टर योगेश चालक को दिशा-निर्देश दे रहे थे। इसी दौरान वह पीछे खड़ी दूसरी बस को नहीं देख पाए और दोनों बसों के बीच आ गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद बस चालक ने तुरंत ट्रेवल्स स्टाफको सूचना दी। घायल योगेश को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

अर्धनग्न अवस्था में मिला शव शरीर पर मिले चोटों के निशान

समय जगत, उरई। जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुदरा में सोमवार देर रात एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या किए जाने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। मृतका के परिजनों और ग्रामीणों ने महिला के पति और उसकी ननद पर पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी पति और ननद को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मृतका बबली (45) पत्नी सुशील कुशवाहा निवासी लोरनी, राज्य छत्तीसगढ़, अपने पति के साथ जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुदरा में अपनी ननद चंद्रकली पत्नी स्वर्गीय राजाराम के घर आई हुई थी। बताया जा रहा है कि देर रात घर में शराब पार्टी चल रही थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर बबली का अपने पति सुशील कुशवाहा और ननद चंद्रकली से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की गई।

ग्रामीणों के अनुसार मारपीट के दौरान महिला की हालत गंभीर हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पति और उसकी बहन वहां से भागने लगे, लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दे दी। जब ग्रामीण घर के अंदर पहुंचे तो महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला। मृतका के शरीर पर कई चोटोंके निशान भी पाए गए, जिससे बर्बरता से हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही जालौन कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं आरोपी पति सुशील कुशवाहा और ननद चंद्रकली को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

इस मामले में जालौन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद महिला की मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है ।

भागवत कथा सुनने का सौभाग्य जिसे मिला है उसका जीवन धन्य हो गया

समय जगत, निवाड़ी। नगर में निवाडी स्टेशन रोड पर वार्ड नंबर 5 काली माता मंदिर पहाड़ी के सामने संगीत मय सुंदर भागवत कथा का आयोजन श्री राजेंद्र सिंह यादव राजा वकील साहब जी के निवास पर चल रहा है जिसमें बड़ी संख्या में भक्त जन महिला एवं पुरूष श्रावण कर पुण्य लाभ ले रहे हैं भागवताचार्य पंडित श्री बिनोद चतुर्वेदी जी महाराज की कथा में यदि आप शामिल हैं तो आप सब कुछ भूल जाएंगे और कृष्णमय माहौल को अपने अंदर आत्मसात कर लेंगे यहां तक कि आप को जब बहुत तेज लघु शंका लगेगी तभी आप उठेंगे कथा के तीसरे दिन आज महराज जी ने पांडव वंश के धर्म प्रेमी पराक्रमी राजा परीक्षित की कथा का विस्तार से वर्णन किया ।

उन्होंने बताया कि महराज परिक्षित के राज्य में किस प्रकार की कोई कमी नहीं थी प्रजा अपने न्याय प्रिय राजा के शासन में बहुत खुश थी राजा अपने गुरु शंबूक ऋषि की नित प्रति वंदना कर अपना राज्य चला रहा था कि कलयुग का आगमन होता है राजा ने भ्रमण में देखा कि कलयुग मनुष्य का रूप धर करा एक निरीह निरपराध जानवर का सर काट रहा राजा ने उन्हें रोका और ऐसा करने का कारण और उनका परिचय पूछा तो कलयुग ने बताया कि मैं कलयुग हूं इस जानवर का कोई दोष नहीं है पर मेरी प्रवृत्ति है राजा ने ऐसा करने से मना किया तो कलयुग ने कहा मुझे स्थान दीजिए तो महराज ने कहा जहां पाप हो जहां व्यभिचार हो जहां अनाचार हो वहां रहिए तो कलयुग ने कहा आपके राज्य में तो ऐसा स्थान ही नहीं है तब राजा ने कहा आप स्वर्ण में रहिए ऐसा सुनने के बाद कलयुग अंतर्ध्यान हो गया ।

महराज ने जैसे ही मुकुट धारण किए स्वर्ण होने के कारण कलयुग सर पर विराजमान हो गया और महराज को अनीति के रास्ते पर ले चला शिकार करने गए राजा को प्यास लगी नजदीक बन में तपस्या कर रहे अपने ही गुरु को देख कर राजा को गुस्सा आया कि मुझे प्यास लगी ओर यह ऋषि बैठा है मेरा सम्मान नहीं कर रहा राजा ने एक मरे हुए सांप को ऋषि के गले में डाल दिया गंगा स्नान से लौट रहे ऋषि पुत्र ने जब यह देखा तो क्रोध बस उन्होंने राज्य को श्राप दे दिया कि जो सांप तूने मेरे पिता के गले में डाला है आज से सातवें दिन उसी सांप तक्षक नाग के काटने से तेरी मृत्यु हो जायेगी राजा ने सर से मुकुट उतारा कलयुग का प्रभाव खत्म हुआ राजा अपने इस अपराध के लिए क्षमा मांगने लगा ऋषी संबूक भी तपस्या से जगे उन्होंने भी अपने पुत्र को कहा कि तुमने गलत किया है और राजा को समझाया कि आप जाइए सुखताल महराज सुखताल आए सभी ऋषि मुनि संत समाज के संरक्षण में सुखदेव ऋषि ने महराज परिक्षित को सात दिन भागवत कथा सुनाई और कथा के अंत में सातवें दिन राजा परीक्षित स्वर्ग लोग को प्रस्थान कर गए ये है।

भागवत कथा का महत्व सभी ने भाव विभोर हो कर कथा का आनंद लिया भागवताचार्य पंडित श्री विनोद चतुर्वेदी जी की कथा में सभी ने आनंद लिया व्यवस्था भी बहुत अच्छी है शुद्ध ठंडा पेय जल प्रसाद कूलर एवं बैठने की उत्तम व्यवस्था है ।

पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री उपाधियों के लिए आवेदन आमंत्रित

समय जगत, ललितपुर। विगत वर्षों की भांति आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2027 को पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्मश्री की उपाधियां भारत सरकार द्वारा दी जानी है। आगामी वर्ष 2027 हेतु भारत सरकार द्वारा उक्त उपाधियों के ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की गई है, जिसके फलस्वरुप विभिन्न क्षेत्रों यथा कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और प्रोद्योगिकी, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, सिविल सेवा, खेल एवं अन्य में विशिष्ट एवं उत्कृष्ट, योगदान एवं सेवा से सम्बंधित महानुभाव, महानुभावों के बारे में संस्तुतियां राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन भारत सरकार को भेजी जानी है। अतएव उक्त क्षेत्रों से सम्बंधित महानुभाव अपना साइटेशन दो प्रतियों में समस्त वांछित संलग्नकों सहित 10 जून 2026 तक डीआईओ में उपलब्ध करा दें। साइटेशन राईटअप के रूप में (अधिकतम 800 शब्द/5000 अक्षर) होना चाहिए।

मध्यप्रदेश सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निवाड़ी के छोटे तालाब के कायाकल्प की है दरकार

समय जगत, निवाड़ी। नगर की शान निवाड़ी में 2 तालाब हैं एक बड़ा तालाब और एक छोटा तालाब हमारे पूर्वजों ने बहुत ही सुन्दर व्यवस्था बनाई कि पहले छोटा तालाब भरेगा ओवर फ्लो होने पर छोटे तालाब का पानी बड़े तालाब में जाने लगेगा और बड़ा तालाब भरने पर ओवर फ्लो होने पर पानी नहर के माध्यम से खेतों तक नियमानुसार सिंचाई के लिये छोड़ा जाता है इसी तरह उतर प्रदेश और मध्यप्रदेश में सीमा पर अडजार तालाब जो आधा उत्तर प्रदेश एवं आधा मध्य प्रदेश में है

भी भर जाने पर पांखी के माध्यम से ओवरफ्लो का पानी निकलकर नदी के माध्यम से बरुआसागर तालाब होता हुआ बेतवा तक जाकर मिलता है वर्तमान हालात यह है की छोटे तालाब को जलकुंभी ने अपने आगोश में पूर्ण रूप से ले लिया है समय जगत ने पहले भी प्रमुखता से इस खबर को प्रकाशित किया है और सबसे अधिक सरप्राइज तो यह है कि मध्यप्रदेश सरकार का सबसे बड़ा अभियान गंगा जल सम्बन्धी अभियान इस समय चरम पर चल रहा है प्रति दिन जिला निवाड़ी के प्रत्येक ग्राम के तालाबों में गंगा जल संरक्षण अभियान चल रहा है।

जिसमें जिला कलेक्टर महोदय के निर्देशन में समस्त विभाग एवं जनता जनार्दन का समंजन सहयोग रहता है आपको बताते चलें की इस छोटे तालाब की यह जलकुंभी हवा के साथ पानी में तैरती है जो संपूर्ण तालाब में घूमती रहतीहै इसलिए इस जलकुंभी को पूर्णता सफाई कर कर हटाई जाकर बाहर निकालने की आवश्यकता है जबकि वर्तमान में तालाब में पानी की मात्रा बहुत है उक्त तालाब अब केवल गंदे पानी का कूड़ा घर बन गया है अतः शासन को नगर परिषद निवाड़ी को चाहिए की अवलंब अभियान चला कर उक्त छोटे तालाब की जलकुंभी हटाई जाकर सफाई करवाने पर ध्यान दें ।

बाई पास रोड समाप्त होते ही ढाल से उतरते बड़े वाहनों को सामने शराबियों को भी बचाना होगा

समय जगत, निवाड़ी। बड़ी माता मंदिर, रविदास मंदिर के पास ही देशी और विदेशी शराब दुकान मोहल्ले वालों ने किया विरोध - निवाड़ी नगर के सबसे बड़े धार्मिक स्थलों बड़े माता मंदिर एवं अभी हाल ही में बने रविदास मंदिर के नजदीक और निवाड़ी के बाई पास निवाड़ी तिगैला मार्ग पर देशी एवं विदेशी दुकान खोले जाने की परमीशन दे दी है एक शराब दुकान पहले से ही थी एक और प्रारंभ हो गई जबकि इसका मोहल्ले वालों ने बहुत विरोध किया नगर परिषद निवाड़ी द्वारा बाई पास के झांसी मऊ से आने पर टीकमगढ़ पृथ्वीपुर जाते जाने में स्टार्टिंग प्वाइंट है जहां अभि हाल ही नगर परिषद द्वारा सड़क के दोनों साइड सुंदर पार्क बनाए जिसमें झरना बहता है सुंदर सेल्फी प्वाइंट भी है अच्छे पार्क हैं के पास ही शराब दुकान की अनुमति दे दी और दूकान भी खुल गई संपूर्ण मोहल्ला वासियों ने इसके विरुद्ध मे शासन प्रशासन को लिखित में विरोध पत्र दिया है यदि यह दुकानें यहां चलती रहीं तो अराजक तत्व शराबी कबाड़ी यहां एकत्र होंगे झगड़े होंगे माहौल गंदा हो जाएगा इसलिए इस शराब दुकान को यहां से अविलंब हटाया जावे जिससे मोहल्ले का वातावरण अच्छा बना रहे निवाड़ी तिगैला मुख्य मार्ग पर वार्ड नंबर 6 में जहां पर यह शराब दुकान खुल रही है वहां सामने देव स्थान है देव का गोंड बाबा का चबूतरा जिस पर बैठ कर ही अब लोग शराब पियेंगे इसके अलावा पास में ही कन्या छात्रावास हैं मोहल्ला वासियों ने कलेक्टर महोदया को ज्ञापन दिया गया है जिसमें श्री सुरेश दांगी श्री भगवत दांगी, श्री शिवम गुप्ता , आदि बड़ी संख्या में लोग एवं महिलाएं भी उपस्थित रहे ।

सुम्मेरा तालाब की बदहाली पर सख्त हुईं नपाध्यक्ष, 2 दिन में खरपतवार हटाने के निर्देश

समय जगत, ललितपुर। नगर की ऐतिहासिक धरोहर एवं आस्था के प्रमुख केन्द्र सुम्मेरा तालाब की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को लेकर नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने सोमवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान तालाब परिसर, घाटों और आसपास की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण में पाया गया कि तालाब के पानी में भारी मात्रा में खरपतवार जमा होने से जल की स्वच्छता प्रभावित हो रही है। वहीं श्रद्धालुओं द्वारा पूजन सामग्री प्रवाहित किए जाने के कारण घाटों पर गंदगी भी देखी गई।

इस पर अध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए सफाई एवं खाद्य निरीक्षक को तत्काल प्रभाव से घाटों की विशेष सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने तालाब में फैले खरपतवार को गंभीरता से लेते हुए संबंधित लिपिक को निर्देशित किया कि हर हाल में आगामी दो दिनों के भीतर समस्त खरपतवार हटाने की कार्रवाई पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पडने पर अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती कर अभियान चलाया जाए, ताकि कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

उन्होंने कहा कि सुम्मेरा तालाब नगर की पहचान और श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है, इसलिए इसकी स्वच्छता और सौंदर्य बनाए रखना पालिका की प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने शहरवासियों और श्रद्धालुओं से अपील की कि तालाब में पूजन सामग्री और अन्य कचरा न डालें तथा इस धरोहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें। निरीक्षण के दौरान अवर अभियंता खुशबू खान, प्रभारी सफाई निरीक्षक महेन्द्र सिंह यादव, निर्माण लिपिक दीपेन्द्र कुमार, नजूल लिपिक सुधीर रावत, गैरिज प्रभारी अमित कुमार रिंकू, हितेन्द्र रैकवार सहित नगर पालिका के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अवैध कॉलोनी काटकर जमीन कब्जाने और फर्जी मुकदमों का आरोप

- तालाबपुरा निवासी ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार , प्रभावशाली लोगों पर कार्रवाई की मांग

समय जगतत, ललितपुर। शहर के मोहल्ला तालाबपुरा निवासी सौरभ जैन पुत्र कोमलचंद्र ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर कुछ कथित हिस्ट्रीशीटरों और दबंगों पर अवैध कॉलोनी काटने, जमीन पर कब्जा करने तथा विरोध करने पर फर्जी मुकदमों में फंसाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता सौरभ जैन ने बताया कि उनकी माता मीना जैन एवं बहन अनामिका जैन के नाम मोहल्ला तालाबपुरा में आवासीय भूखंड स्थित है। आरोप है कि उक्त भूमि पर कब्जा करने की नीयत से कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि उक्त लोग अवैध तरीके से कॉलोनी काटकर जमीनों का कारोबार कर रहे हैं और विरोध करने वालों को धमकाने के साथ उनके खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज करा देते हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब उनकी माता मीना जैन और बहन अनामिका जैन (परिजन) मौके पर पहुंचकर विरोध करने पहुंचे तो उनके खिलाफभी फर्जी प्रार्थना पत्र देकर मुकदमे दर्ज कराने की कोशिश की गई। सौरभ जैन ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित लोगों के खिलाफपूर्व में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, इसके बावजूद राजनीतिक संरक्षण के चलते उनके खिलाफप्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दर्ज मुकदमों की समीक्षा की जाए तथा अवैध कब्जा और दबंगई करने वाले लोगों के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मामला सामने आने के बाद शहर में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है और अब लोगों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर ललितपुर में गूंजा ऊँ नमः शिवाय, हजारिया महादेव मंदिर में हुआ भव्य आयोजन

समय जगत, ललितपुर। सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मंदिर के पुनरुद्धार के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम शहर के सुमेरा तालाब स्थित श्रीश्री हजारिया महादेव मंदिर में संपन्न हुआ, जहां जनप्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों और श्रद्धालुओं की सहभागिता से वातावरण भक्तिमय हो उठा। मुख्य अतिथि विधायक रामरतन कुशवाहा तथा नपाध्यक्ष सोनाली जैन उपस्थित रहीं। शुरुआत शिवालय में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक, पूजन और महाआरती से हुई। इसके बाद संगीतमय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित श्रद्धालुओं ने सराहा। सोमनाथ स्वाभिमान पर आधारित विशेष बुकलेट का वितरण जनप्रतिनिधियों के माध्यम से किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं से ऊं नमरू शिवाय मंत्र लेखन कराया गया और प्रसाद वितरण किया गया। इसी क्रम में सोमनाथ में आयोजित प्रधानमंत्री के ज्योतिर्लिंग कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट कलेक्ट्रेट सभागार में भी देखा गया। इस दौरान डीडीओ अतिरंजन सिंह, प्रोबेशन अधिकारी नंदलाल, सीवीओ, डीडी कृषि, पर्यटन अधिकारी हेमलता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सुम्मेरा तालाब स्थित हजारिया महादेव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन अधिकारी श्रीमती हेमलता, पर्यटन मित्र फिरोज इकबाल, गब्बर सिंह, कपिल नामदेव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वहीं मड़ावरा के वन विभाग परिसर स्थित शिवालय में मंत्रोच्चार, जाप और जलाभिषेक का आयोजन किया गया, जिसमें तहसील व वन विभाग का स्टाफमौजूद रहा। वहीं जखौरा स्थित टेकरी धाम मंदिर में भी जनसहभागिता के साथ रुद्राभिषेक और आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बीडीओ सौरभ वर्णवाल एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के आयोजनों ने पूरे जनपद में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्र स्वाभिमान का संदेश दिया।

सांसद निधि से बन रही सीसी सड़क में घटिया निर्माण का आरोप, ग्रामीणों ने उठाए सवाल

अधिकारियों द्वारा मामले पर ध्यान दिये जाने की है दरकार

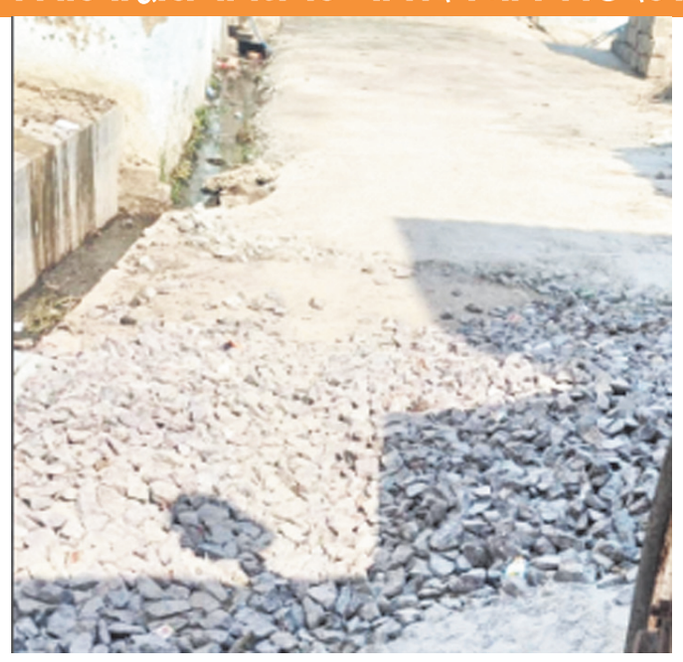

समय जगत हमीरपुर। जनपद के विकास खंड मुस्करा क्षेत्र के ग्राम पहाड़ी भिटारी में सांसद निधि से कराए जा रहे सीसी सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए जांच की मांग उठाई है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में कोटेदार रामबाबू श्रीवास के मकान से स्वर्गीय डॉ. सुघर सिंह के मकान के आगे तक सीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि नई सड़क का निर्माण पूर्व में बनी सीसी सड़क के ऊपर ही कराया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुरानी सड़क को हटाए बिना उसके ऊपर ही नई परत डाल दी गई है, जो तकनीकी मानकों के विपरीत है।

ग्रामीणों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि निर्माण कार्य सांसद के एक रिश्तेदार से जुड़े ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा है। आरोप है कि सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों की अनदेखी कर घटिया मसाले का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निर्माण में बालू के स्थान पर केवल ड्रस्ट का उपयोग किया जा रहा है, जिससे सड़क की मजबूती कमजोर पड़ सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि लाखों रुपये की लागत से तैयार हो रही यह सड़क पहली ही बारिश में उखड़ सकती है और जगह-जगह गड्ढों में तब्दील होने की आशंका है। लोगों ने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारी निर्माण कार्य की निगरानी नहीं कर रहे हैं, जिससे ठेकेदार मनमानी कर रहा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर गुणवत्ता मानकों के अनुरूप निर्माण कराने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सपा सांसद की टिप्पणी पर बढ़ा विवाद, किया गया पुतला दहन

समय जगत हमीरपुर। सपा सांसद द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई कथित अभद्र टिप्पणी पर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। महोबा में सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद मंगलवार को हमीरपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए शहर में जुलूस निकाला और बस स्टैंड पर सांसद का पुतला फूंककर आक्रोश जताया।

नगर पालिका स्थित अंबेडकर पार्क में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एकत्र हुए। यहां से कार्यकर्ताओं ने सांसद अजेंद्र लोधी की फोटो लगे पुतले के साथ नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला। जुलूस बस स्टैंड पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने पहले पुतले को चप्पलों से पीटा और बाद में आग के हवाले कर दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री के समर्थन और सांसद के विरोध में जमकर नारेबाजी होती रही।

प्रदर्शन में शामिल नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए सांसद द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सांसद से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि यदि माफी नहीं मांगी गई तो भाजपा कार्यकर्ता उनके आवास का घेराव करेंगे और विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सांसद की टिप्पणी से बेहद आहत हैं और लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। वहीं प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की।

इस मौके पर जिला महामंत्री लक्ष्मी रतन साहू, भाजयुमो जिलाध्यक्ष आकाश त्रिपाठी, वेदप्रकाश आर्य, योगेंद्र दीक्षित, अंकित गुप्ता, रवि, रेखा चंदेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

समय जगत चित्रकूट। प्रभारी निरीक्षक सरधुवा शिवआसरे के मार्गदर्शन में उ0नि0 अजहर जमाल तथा उनके हमराहीगण द्वारा अभियुक्त राहुल पुत्र भोंदू निषाद निवासी ग्राम बडहर पुरवा मजरा सुरवल थाना सरधुवा जनपद चित्रकूट को 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर, 02 अदद जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना सरधुवा में धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। .उ0नि0 अजहर जमाल, .रि0आ0 विशाल चौरसिया, .रि0आ0 प्रवीण कुमार उपाध्याय है।

संक्षिप्त समाचार

धरना- प्रदर्शन कर दिया जायेगा ज्ञापन

धौलपुर, समय जगत। राजस्व मंत्रालयिक महासंघ द्वारा आरजीएचएस योजना के कथित बदलावों एवं गैर सरकारी अस्पतालों मे कर्मचारियों को इलाज नहीं मिलने, पदौन्नति को 6 माह से अधिक समय होने के पर भी पदौन्नत 200 तहसीलदारों का पदस्थापन नहीं किये जाने एवं अन्य विभागीय मांगों को लेकर प्रदेश व्यापी आन्दोलन का ऐलान कर दिया है। महासंघ के सभाध्यक्ष शम्भूसिंह राठौड़ ने बताया कि वर्तमान सरकार कर्मचारियों के हित लाभ को बन्द करना चाहती है तथा कर्मचारियों की वाजिब मांगों के प्रति उदासीन रवैया अपना रही है जिससे राज्य के 7 लाख कर्मचारियों में सरकार के प्रति आक्रोष उत्पन्न हो रहा है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर यादव ने बताया कि सरकार के प्रति कर्मचारियों मे व्याप्त असंतोष को देखत हए राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ द्वारा आन्दोलन किया जायेगा। उन्होने सभी कर्मचारी संगठनों से आव्हान किया है कि आरजीएचएस योजना के निजीकरण एवं कर्मचारियों के अवकाश एन्केशमेन्ट एवं सेवा निवृति पर समय पर समस्त परिलाभ नहीं मिलने से कर्मचारियों की परेशानी को देखते हुए सभी कर्मचारी संगठनों को आन्दोलन शुरू कर आन्दोलन में शामिल होना चाहिए। महासंघ के महामंत्री सुरेश तोंबड़िया ने बताया कि 13 मई को राज्य के मुख्य सचिव एवं चिकित्सा सचिव को आन्दोलन का नोटिस दिया जायेगा तथा 18 मई को समस्त जिला कलक्टर एव उपखण्ड अधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर ज्ञापन प्रस्तुत कर निवेदन किया जायेगा इसके पश्चात् आन्दोलन के आगामी चरण की घोषणा कर दी जायेगी।

बढ़ती गर्मी से राहत पाने हेतु तालाबों, नदी, बांधों में नहाते समय बरतें सावधानियां

महोबा। विगत दिवसों में देखा गया है कि जनपद में डूबने से जनहानि की घटनाओं में बढ़ोत्तरी हुयी है। जिसमें बच्चे, किशोर, बुजुर्ग शामिल है। बढ़ती गर्मी से राहत पाने के लिए बांधों, तालाबों में जाकर स्नान करते हैं और थोड़ी सी चूक के कारण डूब जाते हैं जो संबंधित परिवार के लिए त्रासदी है। जनपद में डूबने से हो रही घटनाओं से रोकथाम (बहुमूल्य जिन्दगीयों को बचाने) के लिए दिशा-निर्देश क्या करें-क्या न करें जारी किया जाता है। यदि तैरना जानते हों तभी नदियों, तालाबों के किनारे जायें। यदि कोई व्यक्ति डूब रहा हो तो डूबते हुये व्यक्ति को धोती, साड़ी, रस्सी या बांस से सहारे से बचायें पानी में न जायें, सहायता के लिए अन्य लोगों को पुकारें। किसी नये स्थान पर नदी, तालाब, बांध, नहर आदि में जाने से पहले नदी की गहराई का ध्यान अवश्य रखें। डूबे व्यक्ति को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने हेतु 112 पर कॉल करें। बच्चों को पुल, तालाब, नदी, गडढा तथा तेज पानी के बहाव में स्नान करने से रोकें। बच्चों को पुल, ऊँचे टीलों से पानी में छलांग लगाकर नहाने से रोकें। नदियों, तालाबों में स्नान करते समय शेल्फी लेने से रोकें। किसी के बहकावे में आकर गहरे पानी में न जायें, नदियों, तालाबों, बांधों में स्नान करते समय खेल-कूद न करें। डूबते व्यक्ति को पानी से बाहर निकालकर तत्काल प्राथमिक उपचार इस प्रकार करें। सबसे पहले यह सुनिश्चि करें की डूबे हुए व्यक्ति के मुंह में कुछ फंसा तो नहीं है, यदि है तो उसे बाहर निकालें। नाक व मुंह पर उंगलियों के स्पर्श से जांच कर लें कि व्यक्ति की सांस चल रही है। नब्ज की जांच करने हेतु गले की किनारों के हिस्से में उंगलियों से छूकर जानकारी प्राप्त करें कि नब्ज चल रही है कि नहीं। चोट के स्थान पर पट्टी बांधे जिससे खून के बहाव को कम किया जा सके। बचाये गये व्यक्ति को अविलम्ब नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर ले जायें।

कर वसूली सख्ती से करने के दिए निर्देश

बांदा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर करेतर एवं राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।परिवहन,विद्युत,आबकारी विभाग की वसूली की समीक्षा करते हुए करो की वसूली में वृद्धि लाए जाने के निर्देश दिए।प्रवर्तन कार्य में तेजी लाने के साथ वसूली लक्ष्य के अनुरूप किए जाने के निर्देश दिए।15 दिनों के अंदर करो की वसूली कम प्राप्ति करने के कारण सहित कार्य योजना बनाए जाने के निर्देश दिए है।आरसी की समीक्षा करते हुए बैंक,विद्युत,खनन एवं परिवहन की आरसी की वसूली करने के निर्देश दिए।स्टॉप देयकों एवं खनन की सभी वसूली पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए।भू राजस्व की वसूली बचत अनुरूप किए जाने के निर्देश उपजिलाधिकारी एवं तहसील दारों को दिए।10 बड़े बकायेदारो की वसूली के लिए तहसीलदारों को निर्देशित किया कि स्वयं इसकी वसूली की समीक्षा करे तथा बड़े बकाएदारों के विरुद्ध अभियान चलाकर वसूली करें।राजस्व वादो की समीक्षा करते हुए,पुराने राजस्व वाद का प्राथमिकता पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। कोर्ट केसों की शत प्रतिशत आरसी की वसूली करने के निर्देश दिए।बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त,अतिरिक्त मजिस्ट्रेट,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खरीफ 2026 हेतु उर्वरकों के वितरण के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य

समय जगत, हमीरपुर। जिला कृषि अधिकारी, हमीरपुर द्वारा जनपद के समस्त कृषकों को अवगत कराया गया है कि शासन के निर्देशानुसार खरीफ 2026 सीजन में गुणवतायुक्त रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं निर्धारित दरों पर पारदर्शी वितरण व्यवस्था लागू करने के उद्देश्य से सभी किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य कर दिया गया है। बिना फार्मर रजिस्ट्री कराए किसी भी कृषक को उर्वरक उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। किसानों से अपील की गई है कि वे आधार कार्ड एवं खतौनी के अनुसार अपनी भूमि का विवरण सत्यापित कराते हुए समय से फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण कर लें। उर्वरक का वितरण खतौनी में अंकित भूमि तथा खेत में बोई गई फसल के अनुसार निर्धारित संस्तुति मात्रा के आधार पर ही किया जाएगा। साथ ही उर्वरक क्रय करते समय पीओएस मशीन से प्राप्त पर्ची अवश्य प्राप्त करें। जिला कृषि अधिकारी ने जनपद के समस्त सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि बिना फार्मर रजिस्ट्री वाले कृषकों को किसी प्रकार का उर्वरक विक्रय न किया जाए। उर्वरक विक्रय करते समय खतौनी, भूमि, बोई गई फसल एवं निर्धारित संस्तुति मात्रा का विशेष ध्यान रखा जाए।

पुलिस अधीक्षक ने पेट्रोल पम्प व गैस एजेंसी संचालकों के साथ गोष्ठी कर दिये निर्देश

महोबा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह द्वारा पुलिस लाइन स्थित सभाकक्ष में अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह की उपस्थिति में जनपद के समस्त पेट्रोल पम्प संचालकों एवं गैस एजेंसी संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक महोबा द्वारा पेट्रोल पम्प एवं गैस एजेंसियों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने सभी संचालकों से उनकी समस्याओं एवं सुझावों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि सभी पेट्रोल पम्प एवं गैस एजेंसियों पर उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं तथा उनका नियमित रूप से संचालन एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। रात्रि के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था रखी जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाए। इसके अतिरिक्त कैश के सुरक्षित प्रबंधन, कर्मचारियों के सत्यापन, आपातकालीन नंबरों की उपलब्धता एवं किसी भी संदिग्ध घटना की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को देने के संबंध में भी विस्तार से निर्देशित किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने साप्ताहिक परेड की ली सलामी

महोबा। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह द्वारा पुलिस लाइन, महोबा में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी ग्रहण की गई। तत्पश्चात उनके द्वारा परेड का विधिवत निरीक्षण किया गया तथा पुलिस कर्मियों से सुदृढ़, सुसंगठित एवं अनुशासित परेड कराई गई। परेड के दौरान उन्होंने उपस्थित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सदैव सक्षम रहने हेतु प्रेरित किया तथा इसी क्रम में जवानों की दौड़ भी कराई गई, जिससे उनमें कार्य के प्रति उत्साह एवं ऊर्जा का संचार बना रहे। परेड उपरांत अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण करते हुए परिवहन शाखा, मेस, कैंटीन एवं आरओ प्लांट का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की गुणवत्ता का आंकलन करते हुए संबंधित प्रभारी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त क्वार्टर गार्ड एवं आदेश कक्ष का निरीक्षण करते हुए अभिलेखोंध्रजिस्टरों का बारीकी से अवलोकन किया गया तथा अभिलेखों को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक महोबा द्वारा समस्त पुलिस कर्मियों को उच्च कोटि का अनुशासन बनाए रखने, कर्तव्य के प्रति सजग रहने तथा बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

वृद्ध महिला के खोए हुए रुपये पुलिस कर्मियो को मिले , रुपये वापस पाने चेहरे पर लौटी मुस्कान,पुलिस का जताया आभार

समय जगत चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में ऑपरेशन मुस्कान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी दुर्गविजय सिंह के मार्गदर्शन में उ0नि0 अशुंल सिंह ,आरक्षी मोहित ,आरक्षी अनिकेत,आरक्षी राहुल पुरी को रास्ते से गुजरते समय मिले रुपये को असली मालिक को तलाश कर सम्पर्क कर वापस किये गये । उल्लेखनीय है कि आज दिनांक 12.05.2026 को एक वृद्ध महिला के 14 हजार 400 रुपये कर्वी कोतवाली गेट के पास गिर गए थे ।इसी दौरान रास्त से गुजर रहे पुलिस कर्मी उ0नि0 श्री अशुंल सिंह ,आरक्षी मोहित ,आरक्षी अनिकेत,आरक्षी राहुल पुरी की नजर पैसों पर पडी ।कोतवाली कर्वी पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए पैसों के असली मालिक की तलाश शुरू की ।उधर कोतवाली परिसर में एक वृद्ध महिला बैठकर रो रही थी। पुलिसकर्मियों ने महिला से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके रुपये कहीं गिर गए हैं। इसके बाद पुलिस ने रुपये दिखाए, जिन्हें महिला ने अपने होने की पुष्टि की ।पुलिस द्वारा पूरी रकम सुरक्षित वापस मिलने पर वृद्ध महिला भावुक हो गई और उसने चित्रकूट पुलिस का आभार जताया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट

श्रीनिधि जिला कलेक्टर ने जारगा पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा

धौलपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आगामी दिनों में बसेड़ी क्षेत्र की ग्राम पंचायत जारगा के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने जारगा पहुंचकर विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने गांव में साफ-सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संभावित कार्यक्रम स्थल एवं ग्रामीणों से संवाद के लिए चिन्हित स्थान का जायजा लेते हुए वहां विशेष साफ-सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को देखते हुए हैलीपेड निर्माण के लिए संभावित स्थान का भी निरीक्षण किया गया। जिला कलक्टर ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को उपयुक्त स्थान चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ग्राम जारगा में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों से सीधा संवाद करेंगे तथा क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास कार्यों की जानकारी लेंगे साथ ही रात्रि विश्राम के पश्चात सुबह ग्राम भ्रमण भी करेंगे। कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जा रही हैं।

पैरा मेडिकल कॉलेज एण्ड नर्सिंग स्कूल में इण्टरनेशनल नर्सिंग डे हुआ आयोजित

बांदा। 12 मई 2026 दिन मंगलवार को बाँदा पैरा मेडिकल कॉलेज एण्ड नर्सिंग स्कूल, नरैनी रोड स्थित तिन्दवारा में इण्टरनेशनल नर्सिंग डे मनाया गया। कालेज के चेयरमैन मकबूल अली खान ने बताया की फ्लोरेंस नाइटेएंगल का जन्म 12 मई 1820 में हुआ था इन्हे आधुनिक नर्सिंग का जनक माना जाता है। दया व सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटेएंगल ÷द लेडी विद द लैंप÷ के नाम से प्रसिद्ध है। इन्होने सन् 1859 में सेंट थामस अस्पताल में पहला नाइटेएंगल विद्यालय की स्थापना की थी। इण्टरनेशनल नर्सिंग डे के अवसर पर छात्र/छात्राओं ने नर्सिंग पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किये एंव सिस्टर एलिस, सिस्टर कर्पूरी, सिस्टर लक्ष्मी, सिस्टर प्रीति पाल, सिस्टर साजिया खांन, सिस्टर निधि द्विवेदी, दीपमाला, नीलम देवी, सिस्टर भारिया, दिव्या. आरती, बॉरेश यादव, एंव अभिषेक द्विवेदी को नर्सिंग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 टी0आर0 सरसैया (वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ) एंव अतिथि डा0 मोहित सिंह, डा0 अर्पित, एवं डा0 शुभम सरसैया ने फ्लोरेंस नाइटेएंगल आवार्ड देकर सम्मानित किया एंव परीक्षा में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले छात्र/छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बी0एस0सी नर्सिंग प्रथम वर्ष, द्वितीय व वर्ष एवं तृतीय वर्ष, जी0एन0एम0 (स्टाफ नर्स) प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष औरं ए0एन0एम0 प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष और डी0पी0टी0 प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें विशिष्ट अतिथि डा0 टी0आर0 सरसैया ने छात्र/छात्राओं को फ्लोरेंस नाइटेएंगल के आदर्शों पे चलने के लिये प्रेरित किया। सम्मानीय अतिथि डा0 मोहित सिंह ने संस्थान को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने का श्रेय दिया। यह जानकारी चेयरमैन मकबूल अली खांन और डायरेक्टर डा0 जरीना खांन ने दी। इस कार्यक्रम में कॉलेज का सभी स्टाफ जिसमें (प्रिंसिपल) मोनालिसा होरो, (प्रिंसिपल डी0पी0टी0) डा0 ज्ञान प्रकाश, स्मृति नन्द, डा0 प्रदीप, मन्सूर अली खान, मन्जूर अली खान, मनोज त्रिपाठी, शहिदा परवीन, शमीम खांन, जितेन्द्र कुमार, राधेश्याम, प्रियांशु, शिवाकान्त, फैजान मसूदी, सलमा खातून पूनम, स्वप्निल, मालती, गरिमा, आलिया, अनस, विवेक, मानसी गुप्ता, रागनी सोनी, अनुमालाल, हरीदास, अजीत, अहमद, सद्दाम, अख्तर अली, अन्सारूद्दीन आदि मौजूद रहे।

चित्रकूट पुलिस का वर्ष 2026 में लगातार तीसरी बार प्रदेश में प्रथम स्थान, मुख्यालय तकनीकी सेवाएं ने पुलिस अधीक्षक चित्रकूट सहित टीम को किया सम्मानित

समय जगत, चित्रकूट। सीसीटीएनएस योजना के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्यप्रदर्शन के आधार पर मुख्यालय तकनीकी सेवाएं, उत्तर प्रदेश द्वारा मार्च 2026 के आंकड़ों के अनुसार जारी प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में जनपद चित्रकूट पुलिस ने 100त्न अंक प्राप्त करते हुए वर्ष 2026 में लगातार तीसरी बार प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि चित्रकूट पुलिस की कार्यकुशलता, त्वरित निस्तारण और तकनीकी दक्षता का प्रमाण है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं, उत्तर प्रदेश नवीन अरोरा द्वारा पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक पीयूषकांत राय एवं सीसीटीएनएस डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर का दायित्व निभा रहे कंप्यूटर ऑपरेटर शरद यादव के कार्यों की प्रशंसा की गयी है। मुख्यालय द्वारा टीमवर्क, उत्तरदायित्व व विभाग की प्रतिष्ठा बढ़ाने हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की गई और भविष्य में भी इसी मनोयोग एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की गई है। सीसीटीएनएस क्या है? सीसीटीएनएस एक एकीकृत ऑनलाइन प्रणाली है, जिसके माध्यम से किसी भी अपराध से संबंधित रिपोर्ट, विवेचना की अद्यतन स्थिति, आरोपियों की गिरफ्तारी, केस डायरी से लेकर चालान प्रस्तुत होने तक की सभी आवश्यक कार्यवाही ऑनलाइन दर्ज की जाती है। यह प्रणाली पारदर्शी, तीव्र और प्रभावी पुलिस कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण आधार है। सीसीटीएनएस रैंकिंग में शामिल प्रमुख पोर्टल इन सभी पोर्टलों पर श्रेष्ठ फीडिंग, समयबद्ध अपलोडिंग तथा सतत मॉनिटरिंग के आधार पर जनपद चित्रकूट को पहला स्थान प्राप्त हुआ। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट एवं अपर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट के कुशल नेतृत्व में प्राप्त यह उपलब्धि जनपदीय पुलिस की तकनीकी दक्षता, अनुशासन और त्वरित निस्तारण की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

ग्रीष्मकालीन तिल एवं उड़द फसल से किसानों की बढ़ी आय, जिले में तीसरी फसल को मिल रहा बढ़ावा

आगर मालवा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को ÷कृषक कल्याण वर्ष÷ के रूप में मनाया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने एवं आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा किसानों को अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन फसल लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव के मार्गदर्शन में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जिले के किसानों को ग्रीष्मकालीन तिल एवं उड़द की खेती अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विजय चौरसिया ने बताया कि सिंचाई साधनों की उपलब्धता के आधार पर जिले के 1881 किसानों का चयन कर 1055 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन तिल की खेती के लिए 52.62 क्विंटल बीज अनुदान पर उपलब्ध कराया गया। किसानों द्वारा उत्साहपूर्वक तिल की फसल बोई गई, जो वर्तमान में खेतों में लहलहा रही है। लगभग 55 से 60 दिन की इस फसल में फूल एवं कैप्सूल (पोड) बनना शुरू हो गया है तथा यह फसल करीब 85 दिनों में तैयार हो जाएगी। किसानों को होगी अतिरिक्त आय- विकासखंड नलखेड़ा के ग्राम भैंसोदा के किसान मुकेश पिता लक्ष्मीनारायण एवं जयनारायण पिता भैरूलाल ने बताया कि एक बीघा भूमि से लगभग 3 से 3.5 क्विंटल तिल उत्पादन होने की संभावना है, जिससे 36 हजार से 40 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। किसानों ने इसे तीसरी फसल के रूप में लाभकारी बताया। इसी प्रकार ग्रीष्मकालीन उड़द फसल के लिए 50 किसानों का चयन कर 50 हेक्टेयर क्षेत्र हेतु 10 क्विंटल बीज अनुदान पर वितरित किया गया। विकासखंड सुसनेर के ग्राम बढ़िया के किसान बालचंद्र पिता माधु के खेत में उड़द की फसल अच्छी स्थिति में है।

तारुण्य वार्ता प्त पीरियड्स पर खुलकर' अभियान का शुभारंभ

समय जगत,कोरिया। मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ÷तारुण्य वार्ता स पीरियड्स पर खुलकर÷ अभियान एवं दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ श्री बालाजी विद्या मंदिर, देवेंद्र नगर रायपुर में किया गया। यह आयोजन यूनिसेफ एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 11 से 12 मई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा के निर्देशन में आयोजित किया गया, जिसमें राज्य के सभी जिलों से तीन-तीन प्रतिनिधियों के रूप में जिला संगठन आयुक्त एवं एडल्ट लीडर्स शामिल हुए। कोरिया जिले से जिला संगठन आयुक्त स्काउट नागेश्वर साहू, गाइडर एग्नेश आनंद दास एवं यामिनी टंडन ने सहभागिता निभाई।

मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि मासिक धर्म पर चुप्पी नहीं, बल्कि जागरूकता और संवाद की आवश्यकता है। प्रत्येक बालिका को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सम्मानजनक माहवारी प्रबंधन का अधिकार मिलना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा ने कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से शुरू की गई यह मुहिम छत्तीसगढ़ के हर वर्ग तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 28 मई को अभियान का समापन मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा।

यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की हेड सीमा कुमार ने कहा कि यह अभियान लड़कियों की गरिमा, समानता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रयास है। यह माहवारी से जुड़े मिथकों और अनावश्यक पाबंदियों को तोड़ने के साथ-साथ लड़कों को भी जागरूक करेगा।

यूनिसेफ के व्यवहार परिवर्तन विशेषज्ञ अभिषेक सिंह ने कहा कि इस अभियान से किशोरों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी तथा माहवारी को लेकर झिझक एवं भ्रांतियां कम होंगी।

कार्यक्रम में यूनिसेफ की बाल संरक्षण विशेषज्ञ चेतना देसाई, वाश स्पेशलिस्ट श्वेता पटनायक, राष्ट्रीय मुख्यालय आयुक्त जी. स्वामी, रेडक्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष रूपेश पाणिग्रही, राज्य मुख्यालय आयुक्त रविश गुप्ता एवं मोहम्मद सादिक शेख मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का संचालन राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) पूनम सिंह साहू ने किया तथा आभार प्रदर्शन राज्य संयुक्त सचिव बीना यादव ने किया। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में अभिषेक त्रिपाठी, बिरजा कबी सतपथी एवं आशिष कुमार ने प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का संयोजन दिलीप पटेल ने किया।

इस अवसर पर राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) सरिता पाण्डेय, अमित क्षत्रिय, जलवती साहू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन का संकल्प दिलाया गया तथा अभियान के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

सार संक्षिप्त

म.प्र.राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव के लिएफ़ अधिवक्ताओं ने किया मतदान

समय जगत, सिवनी मालवा। म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव के लिए स्थानीय अधिवक्ताओं ने अपने मतों का उपयोग5566 किया। स्थानीय न्यायालय में अधिवक्ताओं की संख्या 148 हैं। चुनाव में मध्य प्रदेश के 122 उम्मीदवार अधिवक्ता अपना भाग्य आजमा रहे हैं। स्थानीय न्यायालय परिसर के मध्यस्थता कक्ष मे पोलिंग बूथ बनाया गया हैं। जहां पीठासीन अधिकारी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तबस्सुम खान के समक्ष अधिवक्ताओं ने नियमानुसार अपने मतों का उपयोग किया। यहां कुल 148 मतों में से 129 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। इस तरह यहां कुल 87 प्रतिशत मतदान सम्पन्न हुआ।

नर्मदापुरम - हरदा मुख्य मार्ग पर सड़क पर झूलते वृक्षों से आवागमन में हो रहीं परेशानी

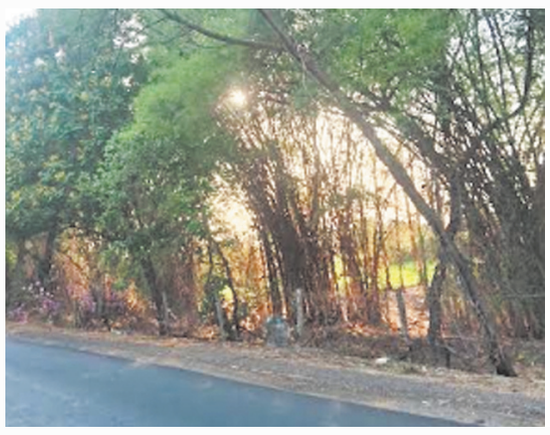

समय जगत, सिवनी मालवा। सिवनी मालवा विकासखंड में इस समय अंधेरे नगरी चौपट राजा की कहावत चरितार्थ हो रहीं हैं। क्योंकि यहा स्थानीय प्रशासन से लेकर अन्य विभाग जनता से जुड़ी समस्याओं पर गम्भीरता से ध्यान ही नहीं दे रहा हैं। ऐसे ही एक मामले के संबंध में ग्राम पंचायत भरलाय की सरपंच सुगना प्रेमकिशोर बनेटिया ने बताया कि मैं आमजनों की ज्वलंत समस्या को लेकर राजस्व विभाग और वन विभाग के अधिकारियों को आवेदन दे देकर परेशान हूं लेकिन समस्या का कोई निराकरण नही किया जा रहा हैं। जबकि उक्त समस्या लोगों के लिए दुर्घटना का कारण बन चुकी हैं जिसके चलते आमजनों की जान को भी खतरा हैं। भरलाय सरपंच सुगना बाई बनेटिया ने बताया कि नर्मदापुरम-हरदा मुख्य मार्ग के दोनों ओर तत्कालीन वन मंत्री सरताज सिंह ने पर्यावरण की दृष्टि से पौधों का वृक्षारोपण कराया था। जो अब विशाल पेड़ बन चुके हैं लेकिन अब ये पेड़ सड़क तक बढ़ चुके हैं। जो मार्ग से निकलने वाले वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी देते हैं। आंधी तूफान चलने पर ये वाहन चालकों के ऊपर झुक जाते हैं और टूट भी जाते हैं। जिनके नीचे उच्च बोल्टेज वाली विद्युत लाइन भी गुजर रहीं हैं। हवा आंधी में ये वृक्षो के रगडाने से चिनगारियाँ निकालते हैं, आग लग जाती हैं, कई वृक्ष जलकर सूखे भी खड़े हैं। जो तेज हवा आंधी में कभी भी वाहन से निकलने वाले पर गिर सकते हैं। विद्युत लाइन पर वृक्षों की रगड़ से चिंगारी निकल कर सूखे वृक्षों में आग लग जाती हैं और क्षेत्र के 4 गांव धामनियां, रावण पीपल, भरलाय, बाबड़िया भाऊ की विद्युत आपूर्ति भी बंद हो जाती हैं। जिससे गांव वालो सहित बुजुर्ग, बच्चे काफी परेशान हो जाते हैं लेकिन इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं। सरपंच सुगना ने बताया कि हमने कई बार लिखित में राजस्व और स्थानीय वन विभाग के अधिकारियों को आवेदन दे चुके हैं, न तो उन वृक्षो को विभाग कटवा रहें हैं, न ही स्वीकृति दे रहें हैं। ऐसी स्थिति में क्या किया जाए। उक्त समस्याओं पर ध्यान नही दिया जा रहा हैं। भरलाय सरपंच ने बताया कि हमने लिखित में राजस्व और वन विभाग में शिकायत कर चुके हैं लेकिन उन वृक्षों को छाटने की स्वीकृति नही दी जा रही। उक्त ज्वलंत समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए। जिससे आमजनों की जानमाल का नुकसान न हो सके।

आबकारी सोया कुंभकरण की नींद जगह-जगह हो रही है अवैध दारू सप्लाई

3 लोगों ने मनावर थाने पर खाया जहर, मचा हड़कंप, आरोप शराब ठेकेदार की दबंगई का परिवार के 3 लोगों ने खाया जहर

मनावर समय जगत। मनावर में जब पुलिस थाने पर शिकायत करने आए एक ही परिवार के 3 सदस्यों ने थाने के सामने सुसाइड करने की कोशिश की। महिला समेत घर के तीनों सदस्यों ने चूहा मारने की दवा खा ली। पूरा विवाद अवैध शराब पकड़वाने से जुड़ा बताया जा रहा है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल अवैध दारू के लिए अलग से एक आबकारी विभाग बनाया हुआ है लेकिन मनावर में आबकारी विभाग अपनी कुंभकरण की नींद में सोया हुआ है पूरी मनावर विधान सभा मै अवैध शराब की बिक्री हो रही है। इसके पहले भी जो ठेकेदार था उसके द्वारा भी प्रिंट रेट से ज्यादा में दारू बेचे जा रही थी कई बार 181 और आबकारी विभाग में शिकायत भी की गई परंतु आबकारी विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

वर्तमान में भी वर्तमान ठेकेदार द्वारा मनावर के बस स्टैंड के अंदर जो दारू की दुकान है उसके लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और कई संगठनों ने उसे बंद करने के लिए आवेदन दिया है।

वर्तमान का घटना क्रम इस प्रकार है। मनावर थाने के सामने का है जहां अवैध शराब को पकड़वाने के बाद विवाद का बताया जा रहा है। मनावर के पास सिरसी बयडी पुरा ग्राम में आज ग्रामीणों ने एक बिना नंबर की बाइक पर गांवो में अवैध शराब सप्लाई करते हुऐ दो युवको को पकड़ा था। साथ ही पुलिस की डायल 112 बुलाकर उनके सुपुर्द किया गया था। मामले को लेकर गणपूर के विनोद जयसवाल ने बताया कि गांव में शराब पकड़वाने से नाराज मनावर के ठेकेदार के मेनेजर कमलेश राठोर बिना नंबर की तीन बुलेरो से 10 से 15 लोगों के साथ उनके घर पहुंचे और पिता-माता ओर भाई को जान से मारने की धमकी दी।

धमकी के बाद ठेकेदार के खिलाफ जब पीड़ित परिवार मनावर थाने पर एफआइआर करने गया था। लेकिन आरोप हे कि थाने पर परिवार की सुनवाई नही होने पर थाना परिसर के बाहर जयसवाल परिवार के तीन सदस्यों ने चूहां मार दवाई खाकर जान देने की कोशिश की गई। इस दौरान पुलिस डायल 112 की मदद से सिविल अस्पताल मनावर में उपचार के लिए पहुचाया गया। डॉक्टर हिंमाशू पटेल ने महिला चिंताबाई जयसवाल (50), नरेन्द्र जयसवाल (55) और अनिल जयसवाल (27) को बड़वानी रेफर किया है। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीओपी ब्रजेश कुमार मालवीया मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता पीड़ितो का उपचार है। मामले की जांच जारी है।

एडिशनल एसपी विजय डाबर मामले की सूचना मिलते ही मनावर थाने पर पहुंचे जहां उन्होंने बताया कि आबकारी एक्ट में स्वढ्ढक्रदर्ज किया गया था। इसी बात को लेकर शराब ठेकेदार और विनोद नरेंद्र जायसवाल के बीच कहा-सुनी हो गई। विनोद जायसवाल उनके पिता और उनके भाई इसी बात की रिपोर्ट लिखाने आए थे। दोनों ही पक्षों को सुना जा रहा था, इस दौरान उन्होंने चूहा मार दवाई खा ली, जिसकी वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल दोनों पक्षों की बात सुनी जा रही है। कार्रवाई की जाएगी।

भारत विकास परिषद द्वारा मातृ दिवस पर लाफ्टर योगा एवं ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन

आगर मालवा। मातृ दिवस के पावन अवसर पर भारत विकास परिषद, शाखा आगर मालवा द्वारा स्व. उर्मिला जी अरोड़ा की पुण्य स्मृति में कम्पनी गार्डन में लाफ्टर योगा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्ति ने स्व. उर्मिला जी अरोड़ा को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में आगर नगर की अनेक संभ्रांत परिवारों की महिलाओं ने सहभागिता कर लाफ्टर योगा के महत्व को समझा तथा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ऐसे आयोजन भविष्य में भी निरंतर आयोजित होने की अपेक्षा व्यक्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद के अध्यक्ष डॉ. विवेक मालानी ने की। अतिथि के रूप में प्रांतीय पदाधिकारी कैलाश माहेश्वरी, संगीता देसाई, शिरोमणि माहेश्वरी, रेखा यादव एवं विमला राजपूत उपस्थित रहीं। अतिथियों का स्वागत कल्पना माहेश्वरी, डॉ. निवेदिता शर्मा, सोनू कारपेंटर, इरा शर्मा एवं विद्या मूंदड़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद द्वारा आभा अरोड़ा चोपड़ा का सम्मान पत्र देकर अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम में उज्जैन से अंजली नारंग, शिविका, डॉ सोनिया सहित सपना गहलोत, प्राची अटल, संतोषी, सीमा, गीता, रुक्मिणी, चित्रा एवं अन्य बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन भारती मसानिया ने किया तथा आभार प्रदर्शन रेखा यादव द्वारा व्यक्त किया गया। इसी श्रृंखला में भारत विकास परिषद द्वारा 卐अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस ऑनलाइन प्रतियोगिता卐 का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने माँ के साथ फोटो एवं 卐मेरी माँ खास हैध्थी क्योंकि3卐 विषय पर 50-60 शब्दों में भावपूर्ण अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में कुल 25 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। निष्पक्ष मूल्यांकन हेतु सभी प्रविष्टियों की बिना नाम एवं फोटो के समीक्षा श्रीमती संगीता देसाई द्वारा की गई। प्रतियोगिता में श्रीमती विद्या मूंदड़ा ने प्रथम, मुकेश शर्मा ने द्वितीय एवं श्रीमती सुधा मेठी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं भव्य अटल को विशेष पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। सभी विजेताओं को आगामी कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

प्रशासन की अनदेखी से हो सकता है बडा हादसा

नेशनल हायवे मार्ग पर बिखरी चूरी-रेती से बाईक चालक हो रहे परैशान

आगर मालवा। नैशनल हायवे 552 जी आगर-उज्जैन-कोटा मार्ग पर कोतवाली थाना आगर के सामने से न्यायालय के सामने तक हायवे मार्ग पर विगत कुछ दिनों से चूरी-रैती इस मार्ग पर बिखरी पडी है जिससे कभी भी कोई गंभीर हादसा हो सकता है। बाईक चलाने वालो को बडे ही संभाल कर चलाना पड रही है। बताया जा रहा है कि अधिकांश प्रशासनीक कार्यालय छावनी क्षेत्र में है ओर संयुक्त कलेक्टर कार्यालय भी छवानी में ही स्थित है। एसे में दिनभर अधिकारियों के आवाजाही इसी मार्ग से होती है ऐसे में बिखरी पडी चूरी-रैती को नजर अंदाज करना आम जनता के समझ से परे हैं। लोगो द्वारा कयास लगाये जा रहे है कि प्रशासन को कोई घटना का इंतजार है?

भारत विकास परिषद के सहयोग से 52 वां नेत्रदान संपन्न

आगर मालवा। दूध विक्रेता धोबी गली आगर निवासी स्वर्गीय गगन भावसार एवं पवन भावसार के पूज्य पिताजी श्री रमेश चंद भावसार का सोमवार को श्रीजी शरण हो गया। 'परिजनों की सहमति से एवं परिषद के प्रांतीय पदाधिकारी की तत्परता साथ ही डॉ रमेश अग्रवाल, शैलेंद्र गर्ग, विकेश जैन एवं मनोज कोठारी के विशेष प्रयास करने पर परिजनों द्वारा नेत्रदान करवाने की स्वीकृति प्रदान की। तुरंत टेक्नीशियन अजय यादव और लखन यादव ने पहुंचकर नेत्रदान प्रक्रिया संपन्न कराई। भारत विकास परिषद शाखा आगर ने श्री रमेश भावसार की मृत्यु पर शोक संवेदना प्रकट करते हुए इस दुःख की घड़ी में भावसार परिवार को नेत्रदान करने का साहसिक निर्णय लेने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया एवं जनसामान्य से इस परोपकार के कार्य में सहयोग करने की विनम्र अपील की है, साथ ही यह भी आव्हान किया है कि नेत्रदान हेतु सभी को जागरूक रहने की आवश्यकता है जिससे कि दो लोगो के जीवन में अंधकार समाप्त होकर एक नई रोशनी प्राप्त हो सके। शीघ ही नेत्रदानी के परिवार को भाविप शाखा आगर द्वारा सम्मानित किया जाएगा। गत वर्ष नेत्रदान सुविधा को पुनर्जीवित करने के पश्चात अब तक भारत विकास परिषद कूल 52 नेत्रदान सम्पन्न करवा चुका है।

जनगणना 2027 में बोड़ा नगर परिषद की बड़ी उपलब्धि, राजगढ़ जिले में दूसरा स्थान

ओमप्रकाश राठौर, बोड़ा। जनगणना 2027 के अंतर्गत चल रहे मकान सूचीकरण एवं भवन गणना कार्य में नगर परिषद बोड़ा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राजगढ़ जिले के नगरीय क्षेत्रों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से नगर परिषद के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रगणकों में खुशी का माहौल है। यह सफलता प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी गिरीश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं जिला जनगणना अधिकारी ज्योति राजौरे की सतत निगरानी में प्राप्त हुई। वहीं जिला जनगणना प्रभारी दिलीप साहू द्वारा समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नगर परिषद बोड़ा के चार्ज जनगणना अधिकारी अभिषेक जैन के कुशल संचालन एवं नेतृत्व में नगर के सभी 18 ब्लॉकों का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले सुपरवाइजरों एवं प्रगणकों का सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें प्रशस्ति पत्र, पुष्पमाला एवं कुमकुम तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का

संचालन मोहित कुमार गुदेनिया ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा जनगणना लिपिक कमलेश वर्मा, नंदकिशोर जाटव एवं तरुण सेन द्वारा तैयार की गई। सम्मानित किए गए सुपरवाइजरों एवं प्रगणकों में पुरुषोत्तम वैष्णव, मोहित कुमार गुदेनिया, पुरुषोत्तम भंडारी, प्रेम सिंह मकवाना, नवीन कुमार शर्मा, रामस्वरूप मालवीय, रामबाबू प्रजापति, राम सिंह भिलाला, राजेश कुमार गोड, दिवान सिंह राजपूत, मोहनलाल प्रजापति, रमेश चन्द्र यादव, कमल किशोर श्रीवास्तव, भूपेन्द्र कुमार शर्मा, जगदीश रुहेला, रमेश चन्द्र प्रजापति, कमल मेवाड़े, राकेश गोतम, कलीमुद्दीन खॉन, जगदीश भिलाला, मुकेश कुमार शर्मा, हरिश कुमार रुहेला, महेश कुमार जाटव, देवनारायण भाटी एवं ओमप्रकाश परिहार शामिल रहे। इस अवसर पर नगर परिषद कर्मचारी नवीन गोवा, अरुण पाटीदार, अनिल जाटव, देवकरण यादव, दीपक शर्मा, नवीन नाथ, संतोष भिलाला सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में नगर परिषद बोड़ा की टीम ने पूरी मेहनत, जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य किया है, जिसके परिणामस्वरूप यह उपलब्धि हासिल हुई। अधिकारियों ने सभी कर्मचारियों और प्रगणकों के कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करने की अपेक्षा जताई।

लड्डा एजेंसी गली चोरी कांड का खुलासा - 01 आरोपी गिरफ्तार, 20 लाख का मशरूका बरामद

गंजबासौदा। शहर पुलिस ने 100 ग्राम सोना, 875 ग्राम चांदी, नगदी व वाहन सहित चोरी का माल जप्त किया।थाना बासौदा शहर पुलिस ने लड्डा एजेंसी वाली गली में हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर करीब ?20 लाख का मशरूका बरामद किया है। पुलिस द्वारा मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उससे सोने-चांदी के जेवर, नगदी, टैबलेट एवं मोटरसाइकिल जप्त की गई है। प्रकरण में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। थाना बासौदा शहर में दिनांक 29.04.2026 को फरियादी संतोष शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके मौसी के लड़के अभिषेक शर्मा निवासी वार्ड क्रमांक 06, लड्डा एजेंसी वाली गली, परिवार सहित शादी में शामिल होने हेतु घर में ताला लगाकर ललितपुर गए थे। अगले दिन घर लौटने पर मुख्य गेट एवं अंदर के ताले टूटे मिले तथा घर का सामान बिखरा पड़ा था। अज्ञात चोर घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवर एवं नगदी चोरी कर ले गए थे। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना बासौदा शहर में अपराध क्रमांक 311/2026 धारा 305 (ड्ड), 331 (4) बी.एन.एस. के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी शिखा भलावी के मार्गदर्शन में थाना बासौदा शहर की विशेष टीम गठित कर मामले के शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए गए।

आरोह-2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों को वितरित की गई निशुल्क खेल सामग्री

आगर मालवा। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार जिले में ÷आरोह-2026÷ ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 मई से 31 मई तक जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंडों में किया जा रहा है। शिविर के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों की निशुल्क खेल सामग्री वितरित की गई।

जिला मुख्यालय पर स्टेडियम परिसर, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर एवं शासकीय माध्यमिक स्कूल छावनी सहित विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों पर व्हॉलीबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मलखंभ, फुटबॉल, क्रिकेट, कराते एवं कबड्डी खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

खेल प्रशिक्षण केंद्रों पर उपस्थित खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराई गई, जिससे प्रशिक्षण गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार आरोह-2026 ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से खिलाड़ी प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक विभिन्न खेल मैदानों पर पहुंचकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में शामिल होने के लिए खिलाड़ियों को ÷आरोह-2026÷ पोर्टल पर स्वयं का पंजीयन कराना अनिवार्य रहेगा।

विद्युत विभाग द्वारा की गई संपर्क अभियान की शुरुआत

समय जगत, नटेरन। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण और सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए सम्पर्क अभियान 2026 की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष विद्युत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आगामी 14 मई 2026 को ग्राम सेऊ में एक जनसम्पर्क अभियान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में क्लस्टर-5 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों के उपभोक्ता अपनी समस्याओं का समाधान पा सकेंगे। सेऊ, काशीपुर, रिनिया, सिरली, बरखेड़ा अडवार, इमलिया सतीषी, महुआ खेड़ा, मुड़री खिरनी और मुडरा पीताम्बर में यह शिविर लगेंगे । अन्य शेष गांवों के लिए आने वाले दिनों में अलग से क्लस्टर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का सबसे आकर्षक पहलू नया बिजली कनेक्शन है। सरकार की योजना के तहत इच्छुक उपभोक्ता कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शिविरों में गलत बिल, अधिक बिल, मीटर रीडिंग की शिकायत, और अग्रिम भुगतान पर छूट की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। बंद या खराब मीटर को बदलना और स्मार्ट मीटर संबंधी मुद्दे। नया कनेक्शन, भार परिवर्तन, नाम परिवर्तन, और ई-केवाईसी वोल्टेज की समस्या, बिजली लाइन या पोल से संबंधित शिकायतें और ट्रांसफार्मर संबंधी सुधार के मुद्दे हल किये जायेंगे। बिजली कंपनी ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता अपनी शिकायतों के लिए टोल-फ्री नंबर 1912 पर भी संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा, बिलों के त्वरित भुगतान के लिए विज्ञापन में दिए गए त्वरक कोड का उपयोग किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहनों के खाते में आज करेंगे राशि अंतरित

जिले की 271319 लाडली बहनों के खातों में 40 करोड़ रुपये अंतरित

समय जगत, विदिशा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 13 मई को नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की हितग्राही महिलाओं के बैंक खातों में माह मई 2026 की आर्थिक सहायता राशि सिंगल क्लिक के जरिए अंतरित करेंगे। इस अवसर पर विदिशा जिले की 2 लाख 71 हजार 319 लाडली बहनों के खातों में लगभग 40 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत जिले की पात्र महिलाओं को नियमित रूप से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ उनके परिवारों को भी आर्थिक मजबूती मिल रही है। जिले के विभिन्न जनपद एवं नगरीय निकायों की लाभार्थी महिलाओं को

इस योजना का लाभ प्राप्त होगा। इनमें जनपद पंचायत बासौदा की 40,483, ग्यारसपुर की 24,298, कुरवाई की 27,305, लटेरी की 25,547, नटेरन की 33,159, सिरोंज की 36,572 तथा विदिशा की 29,330 महिलाएं शामिल हैं। वहीं नगरीय निकायों में नगरपालिका गंजबासौदा की 11,949, नगरपालिका सिरोंज की 8,747, नगरपालिका विदिशा की 25,578, नगर परिषद कुरवाई की 2,988, नगर परिषद लटेरी की 3,335 तथा नगर परिषद शमशाबाद की 2,028 महिलाओं के खातों में राशि अंतरित की जाएगी।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों एवं पंचायत मुख्यालयों पर दिखाया जाएगा, जहां बड़ी संख्या में लाडली बहनें कार्यक्रम से जुड़कर मुख्यमंत्री का संबोधन सुनेंगी। प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

जनसुनवाई में 154 आवेदन प्राप्त हुए, 89 आवेदनों का मौके पर ही हुआ निराकरण

आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर कलेक्टर ने दिये आवश्यक निर्देश

समय जगत, विदिशा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जनसुनवाई कार्यक्रम में आवेदकों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही अधिकांश आवेदनों का निराकरण कराया है। कलेक्टोरेट के भूतल स्थित सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कुल 154 आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया था। कलेक्टर ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही 88 आवेदनों का निराकरण कराया। शेष लंबित आवेदनों पर निर्धारित समय सीमा में निराकरण के निर्देश उपस्थित विभागों के अधिकारियों को दिए गए हैं। मंगलवार को कलेक्टोरेट में आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। जिनमें शमशाबाद तहसील के ग्राम सांगुल निवासी मथरी बाई पत्नी कैलाश द्वारा अपनी भूमि का सीमांकन करवाने संबंधी आवेदन दिया। इस मामले में मौके पर ही वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े खंड स्तरीय अधिकारियों को प्रकरण का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा विदिशा नगरीय क्षेत्र के हरिपुरा निवासी श्री बद्री प्रसाद ने सोलर पैनल लगवाने के बावजूद भी बिजली बिल अत्यधिक आने संबंधी शिकायत की। जिसके निराकरण के लिए मौके पर उपस्थित विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं ग्राम गंगवाड़ा निवासी सावित्रीबाई ने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए आजीविका हेतु मदद दिलाने तथा पट्टे की जमीन दिलवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। विदिशा के मोहनगिरी क्षेत्र निवासी मोहन प्रसाद ने गैस एजेंसी से गैस की टंकी प्राप्त होने में आ रही समस्या से अवगत कराया। विदिशा के काछी मोहल्ला निवासी शिब्बू मालवीय ने गरीबी रेखा का राशन कार्ड निरस्त हो जाने संबंधी आवेदन दिया। शमशाबाद तहसील के ग्राम रतवा निवासी बलदेव सिंह ने अपनी जमीन को कंप्यूटर पर ऑनलाइन दर्ज करवाने संबंधी आवेदन दिया।

कोतवाली पुलिस ने आदतन अपराधी सोहेल खान को किया गिरफ्तार

दतिया। पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल के निर्देशन में एवं एसडीओपी श्रीमती आकांक्षा जैन के नेतृत्व में जिले में फरार आरोपियों की धरपकड़, अवैध शस्त्र धारण करने वालों एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 11 मई को थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि बक्सी के हनुमान मंदिर के पीछे रेलवे लाइन के पास एक व्यक्ति अवैध कच्ची शराब बिक्री हेतु खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश दी। दबिश के दौरान पुलिस ने मुखबिर के बताए हुलिये के अनुसार एक व्यक्ति को घेरा बंदी कर पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम सोहेल पुत्र कल्लू उर्फ शकील खान निवासी दांतरे की नरिया जिला दतिया बताया। आरोपी के कब्जे से गंधयुक्त जहरीली कच्ची शराब विधिवत जप्त की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर शहर निकाला जूलूस मुख्य उद्देश्य समाज में यह कड़ा संदेश देना होता है कि अपराधी कितना भी बड़ा या रसूखदार क्यों न हो कानून के आगे उसकी हेकड़ी और गुंडई नहीं

मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य में सिलवानी अव्वल, एसडीएम हर्षल चौधरी सम्मानित

जिले और प्रदेश में सबसे पहले कार्य पूर्ण कर सिलवानी ने बढ़ाया गौरव

समय जगत, सिलवानी। वर्ष 2026 के मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य में नगर पंचायत सिलवानी, नवीन नगर पंचायत कस्बा बम्होरी एवं ग्रामीण सिलवानी ने जिले और प्रदेश में सर्वप्रथम कार्य पूर्ण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला मुख्यालय रायसेन में आयोजित सम्मान समारोह में सिलवानी के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) हर्षल चौधरी को प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पवार, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा एवं अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि यह उपलब्धि पूरी टीम की मेहनत, समर्पण और सामूहिक सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि तहसीलदार सुधीर शुक्ला, नायब तहसीलदार गौरव शुक्ला, जनपद पंचायत सीईओ नीलम रैकवार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी ऋषिकांत यादव, तहसील निर्वाचन कार्यालय के ऑपरेटर, मास्टर ट्रेनर्स, सुपरवाइजर, प्रगणक तथा नगर परिषद सिलवानी के कर्मचारियों ने टीम भावना के साथ कठिन परिस्थितियों में भी जिम्मेदारीपूर्वक कार्य किया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक कार्य करते हुए समय सीमा के भीतर लक्ष्य पूरा किया, जिसके लिए पूरी टीम बधाई और धन्यवाद की पात्र है। एसडीएम चौधरी ने यह भी कहा कि अनुविभागीय कार्यालय सिलवानी द्वारा शीघ्र ही इस कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा एवरेस्ट प्रेस ई-49/8 औखला, इंडस्ट्रीयल-एरिया प्लॉट-2 प्रींटिंग प्रेस से मुद्रित एवं बी-125 सादतपुर कालोनी दिल्ली-110094 से प्रकाशित। RNI NO. DELHIN/2005/14553, **प्रधान संपादक:** अशोक त्रिपाठी * **संपादक** अनिल श्रीवास्तव * **समाचार संपादक** सौरभ वार्ष्णेय
दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्पलेक्स 203 द्वितीय तल मुख्य मार्ग शकरपुर दिल्ली- 01142173537, 9899589700, **भोपाल कार्यालय** - 9, रायल हाउस, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-1, भोपाल। **फोन :** 0755-4273868, 4203479 **फैक्स :** 4094417 **ई-मेल** dainiksamayjagat.delhi@gmail.com *(समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)

पुलिस ने मारपीट मामले में मुकदमा किया दर्ज

समय जगत, पन्ना। पन्ना जिले के सलेहा थाना क्षेत्र के नचने गांव स्थित चौमुखनाथ मंदिर क्षेत्र में उस वक्त अफरा तफरी मच गई।जब कार सवार तीन युवकों को लोगो ने बच्चा चोर गिरोह समझ लिया।अफवाह से ग्रामीणों की भीड़ एकजुट हो गई।और कार सवारों पर हमला कर एक युवक को पकड़ लिया।और उसकी जमकर पिटाई कर दी।वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को बचाया तथा अज्ञात लोगों खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है जानकारी के अनुसार पन्ना जिले के नचने गांव में जिले का प्रसिद्ध चौमुखनाथ मंदिर है जहां कुछ लोग दर्शन करने आए हुए थे। तथा दर्शन करने के उपरांत उपस्थित कुछ बच्चों से बातचीत करने लगे। जिन्हें कुछ लोगों ने बच्चा चोर कह दिया जिससे क्षेत्र में अपवाह फैल गई उसके बाद ग्रामीणों ने कार में घूम रहे तीन लोगों को देखकर उनकी गाड़ी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।इस दौरान दो युवक मौके से जान बचाकर भाग गए।जबकि एक युवक को भीड़ ने पकड़ लिया।और उसकी जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान युवक खुद को निर्दोष बताता रहा। लेकिन भीड़ ने उसकी एक नहीं सुनी और पिटाई करते रहे।सूचना मिलते ही 112 पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से सुरक्षित निकाला। वहीं पुलिस ने बच्चा चोर गिरोह की पुष्टि नहीं की है और लोगों को अफवाहों से बचने व कानून हाथ मे न लेने की अपील की है। वहीं बताया जा रहा है कि यह तीनों युवक मंदिर दर्शन करने आये थे।जो वहां मौजूद बच्चो से कुछ पूछतांछ कर रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगो ने कार सवारों को बच्चा चोर समझ अफवाह फैला दी। जिससे गांव की भीड़ इकट्ठी हो गई।और कार सवार युवकों पकड़ने की कोशिश की। जिसमें दो भाग गए लेकिन एक को पकड़ लाया और उसकी पिटाई कर दी। हालांकि इस मामले में सलेहा थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज कर मारपीट करने वालो की पहचान की जा रही है, पुलिस ने मामले की जांच सुरु कर दी है। उक्त लोग निगड़ो करनाल हरियाणा के निवासी हैं जिसमें महेंद्र सिंह पिता जय सिंह तथा गौरव चौधरी तथा दो अन्य साथी थे सलेहा पुलिस ने अज्ञात चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है उक्त घटना 10 मई की है।

22 लाख की सरसों बरामद होने पर व्यापारियों ने जताया आभार

थाना प्रभारी और टीम का किया भव्य स्वागत

समय जगत, सिरोंज। पुलिस की कार्यकुशलता और तत्परता जब जनहित में परिणाम देती है, तो जनता का विश्वास खाकी के प्रति और गहरा हो जाता है। ऐसा ही नजारा सोमवार को थाने में देखने को मिला, जहां थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ के पदाधिकारियों ने सरसों चोरी के मामले का महज कुछ ही दिनों में खुलासा करने पर पुलिस टीम का नागरिक अभिनंदन किया।

फूल-मालाओं और शाल-श्रीफल से हुआ सम्मान: व्यापारी फर्म शांतिलाल मनीष कुमार की गायब हुई करीब 297 क्विंटल सरसों को सकुशल बरामद करने पर व्यापार संघ ने एसडीओपी श्रीमती सोनू डावर, थाना प्रभारी विमलेश राय और उनकी टीम के पुलिस कांस्टेबलों का हार-फूल एवं शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। व्यापारियों ने पुलिस की इस सुपर फास्ट कार्रवाई की खुले मन से सराहना की। अध्यक्ष समीर भार्गव ने की पुलिस की कार्यशैली की प्रशंसा थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ के अध्यक्ष समीर भार्गव ने इस अवसर पर कहा कि थाना प्रभारी की दृढ़इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और उनकी पूरी टीम की मेहनत की बदौलत ही आज व्यापारी का 22 लाख रुपये का माल वापस मिल सका है। इस केस के दौरान मेरी उनसे फोन और व्यक्तिगत मुलाक़ात हुई, जिसमें उनका सहयोग जबरदस्त रहा। अगर हर विभाग में ऐसे ही कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी आ जाएं, तो समस्याओं का समाधान तुरंत होने लगेगा। व्यापार संघ पुलिस टीम का हृदय से आभार व्यक्त करता है।

ये व्यापारी रहे उपस्थित: सम्मान समारोह के दौरान क्षेत्र के प्रमुख व्यापारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से राजेश मित्तल, कमलेश जैन, कमल तारण, राजेश जैन, प्रियांक जैन, मनीष जैन, लोकेश जैन, पप्पू साहू, प्रेमचंद जैन, राहुल मंगल, गगन तारण, टिंगू साहू, उमेश मंगल, रामू साहू, शैलू जैन और महेश जैन आदि शामिल थे।

यह था मामला: उल्लेखनीय है कि 8 मई को एक ट्रक चालक फर्जी नंबर प्लेट लगाकर करीब 21.65 लाख रुपये कीमत की सरसों लेकर फरार हो गया था। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और करीब 122 सीसीटीवी कैमरों की मदद से मात्र 48 से 120 घंटों के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरा माल बरामद कर लिया था।

संक्षिप्त समाचार

पुराने रंजिश को लेकर युवक के साथ मारपीट, पुलिस अधीक्षक तक पहुंचा मामला

समय जगत, विदिशा। सिविल लाइन थाना अंतर्गत पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। युवक ने पुलिस अधीक्षक के नाम आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। 21 वर्षीय अरुण लोधी ने बताया कि रविवार को रात उनके तीन परिचित लोगों ने उन्हें फोन कर बुलाया और ग्राम खेजड़ा मैनपुर ले जाकर उनके साथ मारपीट की गई। आरोपियों द्वारा उनके साथ जब तक मारपीट की गई तब तक वह बेहोश नहीं हो गए। इस मारपीट में उनके शरीर पर कई गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले की शिकायत उन्होंने सिविल लाइन थाने में भी की थी, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके चलते वह आवेदन देने पुलिस अधीक्षक को आए हैं। उन्होंने बताया कि रविवार की रात्रि में हुई मारपीट में बेहोश हो जाने के बाद उन्हें सुबह सोमवार को 10 बजे होश आया। उनके भाई मोहर सिंह ने बताया कि उनके साथ मारपीट होने की घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्हें लेने गए और लेकर जाकर हमने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहा पर उनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके साथ कई लोगों द्वारा मारपीट की गई है, जिससे गंभीर चोटें आई हैं। पुरानी रंजिश के चलते उनके साथ घटना घटित हुई है।

महिला से चैन स्नेचिंग मामले में सक्रिय हुई पुलिस

समय जगत, विदिशा। रविवार को देर शाम सिविल लाइन थाना अंतर्गत रंगई बाढ़ वाले गणेश मंदिर के पास एक महिला के साथ चेन स्नेचिंग की घटना सामने आई है। महिला को जब तक इस बात की भनक लगी तब तक बाइक सवार काफी आगे निकल चुके थे और महिला चिल्लाते हुए रह गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुरा निवासी दीपमाला गुप्ता बाइक पर पीछे बैठे हुए जा रही थी। गणेश मंदिर के सामने विदिशा की ओर से एक मोटर साइकिल पर सवार दो लोग आए और उनके गले से सोने की चेन छीनकर भाग गए। उन्होंने बताया कि दो युवक विदिशा की ओर से आ रहे थे और मोटर साइकिल को स्लो कर चला रहे थे। जैसे ही वह उनके पास आए तो उनके गले से चेन खींचकर अपनी बाइक को तेज गति से भगाते हुए सांची की ओर चले गए। इस मामले की शिकायत तुरंत उन्होंने सिविल लाइन थाने में की और थाने से पुलिस वाले मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की गई। इस मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि चेन स्नेचिंग की घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई है। आसपास क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की जांच पड़ताल की जा रही है।

पार्टी का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न

कार्यकर्ताओं के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित रहा भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग

समय जगत, दमोह। भारतीय जनता पार्टी दमोह द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान अंतर्गत जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे के नेतृत्व में आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग 9 एवं 10 मई का द्वितीय दिवस सुव्यवस्थित विभिन्न विषयों पर क्रमबद्ध सत्र आयोजित कर कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त किया गया। प्रथम दिवस के छह सत्रों एवं रात्रि विश्राम के पश्चात द्वितीय दिवस की शुरुआत योग एवं व्यायाम के साथ हुई जिसमें कार्यकर्ताओं को स्वस्थ जीवनशैली एवं अनुशासन का संदेश दिया गया। द्वितीय दिवस में सप्तम सत्र के विषय विचार परिवार में भाजपा के वैचारिक आधार, संगठन के प्रेरणा स्रोत एवं राष्ट्रवादी विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ता बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक अनुराग प्यासी ने कार्यकर्ताओं को विचार परिवार की मूल भावना से अवगत कराया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व विधायक श्रीमती सोना बाई अहिरवार ने की। अष्टम सत्र कार्य विस्तार विषय पर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने एवं जनसंपर्क बढ़ाने के उपाय बताए गए। इस सत्र को मध्यप्रदेश शासन में वन मंत्री दिलीप अहिरवार ने संबोधित किया। एवं सत्र की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र गुरू ने की। नवम सत्र में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। जिला प्रभारी श्रीमती अर्चना सिंह ने कार्यकर्ताओं से इन योजनाओं को जनजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व मंडल अध्यक्ष राम सींग ने की। दशम सत्र में देश के समसामयिक राजनीतिक एवं सामाजिक विषय में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सामाजिक चुनौतियों एवं संगठन की भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ता संभागीय प्रशिक्षण वर्ग संयोजक जाहर सिंह ने कार्यकर्ताओं को सजग एवं सक्रिय रहने का संदेश दिया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला महामंत्री भाव सिंह लोधी ने की। एकादश सत्र में कार्यकर्ता विकास संभाल एवं दायित्व बोध विषय पर वक्ता विवेक चतुर्वेदी ने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीढ़ बताते हुए उनके निरंतर विकास, सही मार्गदर्शन एवं जिम्मेदारी के निर्वहन पर विशेष जोर दिया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला उपाध्यक्ष बहादुर पटेल ने की।

ऐतिहासिक रीवा राजवंश के महाराज पुष्पराज सिंह एवं युवराज दिव्यराज सिंह का सिरोंज आगमन पर भव्य स्वागत

समय जगत, सिरोंज। ऐतिहासिक रीवा राजवंश के उत्तराधिकारी महाराज पुष्पराज सिंह जूदेव एवं युवराज दिव्यराज सिंह जूदेव को विदिशा, रायसेन, होशंगाबाद, सागर जिले के बघेल समाज के वरिष्ठ नागरिकगण, युवा एवं समस्त नर-नारी, यजमान, माता-बहिनें अपने बीच पाकर गौरवान्वित होकर गदगद हो गए, अत्यंत गौरवपूर्ण उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ। महाराज एवं युवराज ने सर्वप्रथम श्री महामाई माता के दर्शन, पूजन, अर्चन एवं आरती कर मस्तक नवाया, इसके बाद उन्होंने यज्ञवेदी एवं यज्ञपुरूष भगवान के दर्शन कर ब्रह्मऋषि, यज्ञाचार्य पं. नलिनीकांत जी शर्मा का पुष्पमाला आदि से स्वागत किया, तत्पश्चात पं. नलिनीकांत शर्मा प्रधान पुजारी श्री महामाई माता मंदिर ने उनको राज परंपरानुसार तिलक लगाकार, अंगवस्त्रम तथा मातारानीकी चुनरी ओढ़ाकर स्वस्तिवाचन कर आशीर्वाद प्रदान किया। इसके बाद महाराज एवं युवराज का विराट संख्या में उपस्थित क्षत्रिय-बघेल समाज द्वारा आयोजित कथा स्थल पहुँचे और वहां उनका बडी माला से समस्त क्षत्रिय-बघेल समाज के नागरिकों से स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने महाराज पुष्पराज सिंह एवं युवराज दिव्यराज सिंह को महमाई माता का सामूहिक चित्र भेंट कर सम्मानित किया। वहीं जितेंद्र बघेल द्वारा राधा-कृष्ण का चित्र, कपिल चौहान, सुरेंद्र सिंह चौहान एवं देवेंद्र सिंह बघेल द्वारा गदा, तथा इंद्रभान सिंह बघेल, कमलेश सिंह बघेल एवं राजेश सिंह बघेल द्वारा तलवार भेंट कर सम्मान किया गया। समाज के अनेक वरिष्ठजनों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं से स्वागत कर आत्मीय अभिनंदन किया। इस दौरान महाराज पुष्पराज सिंह जूदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि महमाई माता के दरबार में आकर उन्हें अद्भुत आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हुई है। उन्होंने कहा कि यदि वे श्री महामाई माता के दरबार में तथा अपने बघेल समाज के स्वजनों बीच नहीं आते तो इस दिव्य अनुभूति से वंचित रह जाते।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत विशेषज्ञ स्वास्थ्य जांच क्लीनिक संपन्न

453 गर्भवती महिलाओं को मिला स्वास्थ्य लाभ

दमोह। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके अठया ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आज विशेषज्ञों की उपस्थिति में सिविल अस्पताल हटा सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्त्री रोग विशेषज्ञ की उपस्थिति में विशेष स्वास्थ्य जॉच, परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने बताया शिविर में पूर्व से चिन्हित जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं एवं जिन गर्भवती की अनुमानित प्रसव तिथी माह मई के दूसरे सप्ताह में हैए विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक में पहुची महिलाओं की फॉलोअप स्वास्थ्य जांच परीक्षण एवं समुचित उपचार सेवा स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा दिया गया। शिविर में 453 गर्भवती महिलाओं ने विशेष स्वास्थ्य क्लीनिक में पहुचकर विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चटर्जी ने बताया कि विशेष स्वास्थ्य क्लीनिक दौरान गर्भवती महिलाओं की सुविधाओं का खास ध्यान रखा गया। अलग से ओपीडी में बैठने की उचित व्यवस्था, जांच एवं प्रयोगशाला जांच के लिए पृथक से काउंटर बनाये गये। पेयजल एवं स्वल्पाहार के रूप में पौष्टिक, स्वादिष्ट खिचड़ी प्रदाय किया गया। चिकित्सकों द्वारा पोषण परामर्श दिया गया तथा गर्भवती महिलाओं को आयरन एवं कैल्शियम टेबलेट का वितरण भी किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सकों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ द्वारा जिन गर्भवती की अनुमानित प्रसव तिथी माह अप्रेल में है उनमें जोखिम चिन्हों की पहचान समुचित प्रबंधन, सभी पंजीकृत गर्भवती महिलाओं एवं सप्ताह के दौरान नवीन चिन्हित गर्भवती महिलाओं, अनियमित मासिक चक्र वाली महिलाओं में जोखिम चिन्हों की पहचान एवं समुचित प्रबंधन जैसी स्वास्थ्य सेवाए प्रदायित की गई।

ई-रिक्शा का बढ़ता दबाव, शहर की सड़कों पर बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था

समय जगत, कटनी। शहर में बढ़ती ईरिक्शा की संख्या अब यातायात व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। छोटे शहर और संकरी सड़कों के बीच बेतरतीब संचालन के चलते प्रमुख चौराहों और बाजार क्षेत्रों में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांधी द्वार, सुभाष चौक, घंटाघर, स्टेशन चौराहा, गल्ला बाजार, झंडा बाजार, शेर चौक, गाटरघाट, रविदास तिराहा और हीरागंज चौराहा जैसे व्यस्त इलाकों में ई-रिक्शा का जमावड़ा आम हो गया है। सवारी बैठाने की होड़ में चालक कहीं भी वाहन खड़ा कर देते हैं, जिससे सड़कें संकरी हो जाती हैं और यातायात बाधित होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात विभाग की गाड़ियां सायरन बजाते हुए तो नजर आती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई कम ही दिखती है। वहीं बाजार क्षेत्रों में दुकानदारों द्वारा सड़क तक सामान फैलाने और तिरपाल लगाने से समस्या और बढ़ जाती है, जिससे कई बार विवाद की स्थिति भी बनती है। हालांकि प्रशासन और नगर निगम द्वारा समय-समय पर कार्रवाई की जाती रही है। लेकिन हालात में स्थायी सुधार नजर नहीं आ रहा। नागरिकों का मानना है कि जब तक ईरिक्शा संचालन के लिए स्पष्ट नियम और निर्धारित स्टैंड नहीं बनाए जाते, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

सीवर लाइन बिछाने खोदी जा रही सड़क के नीचे निकल रही कीमती केबिल

केबिल लूटने की होड़ में जान जोखिम में डाल रहे लोग

समय जगत, कटनी। रंगनाथ थाना अंतर्गत बरगवां क्षेत्र में नगर निगम द्वारा कराए जा रहे सीवर लाइन कार्य के दौरान गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। खुदाई में निकल रही कीमती केबिल के लालच में महिलाएं, बच्चे और युवक जान जोखिम में डालकर गढ्ढों के आसपास जमा हो रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि जैसे ही खुदाई के दौरान केबिल निकलती है लोग मिट्टी के ढेर में कूद पड़ते हैं। लगातार बन रही यह स्थिति किसी बड़े हादसे को न्यौता देती नजर आ रही है। गौरतलब है कि बरगवां क्षेत्र में नगर निगम द्वारा सीवर लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। खुदाई के दौरान जमीन से पुरानी और कीमती केबिल निकल रही है, जिसे पाने के लिए आसपास के लोग मौके पर डटे रहते हैं। महिलाओं और बच्चों तक को गहरे गढ्ढों और भारी मशीनों के बीच देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक जैसे ही खुदाई के दौरान केबिल बाहर निकलती है, लोग मिट्टी के ढेर में उतरकर उसे निकालने लगते हैं। इस दौरान न तो सुरक्षा के कोई इंतजाम दिखाई देते हैं और न ही भीड़ को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। लगातार चल रही यह स्थिति किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकती है। सूत्रों का कहना है कि खुदाई में निकलने वाली केबिल को क्षेत्र का एक स्थानीय कबाड़ी खरीद रहा है। आरोप यह भी है कि मौके पर मौजूद पुलिस कर्मी कार्रवाई करने के बजाय मूकदर्शक बने रहते हैं। वहीं कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाए हैं कि खुदाई स्थल पर मौजूद संबंधित कर्मचारियों की मिलीभगत से यह पूरा खेल चल रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को तत्काल सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए और खुदाई स्थल के आसपास आम लोगों की आवाजाही रोकनी चाहिए ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। फिलहाल सीवर लाइन कार्य के दौरान हर दिन लोग कीमती केबिल के लालच में अपनी जान जोखिम में डालते नजर आ रहे हैं।

जेल में बंद अमित भटनागर सहित सभी साथियों को मिली जमानत

समय जगत, पन्ना। पन्ना केन बेतवा लिंक परियोजना प्रभावित गरीब आदिवासियों को मुआवजा राशि उचित नहीं मिलने पर बिजावर निवासी समाज सेवी अमित भटनागर द्वारा विगत 1 वर्ष से गरीब आदिवासियों की मुआवजा की लड़ाई लड़ी जा रही है जिसको लेकर उन्हें पुलिस तथा प्रशासन द्वारा तरह-तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है पूर्व में दो बार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया लेकिन माननीय न्यायालय से जमानत मिल गईलगातार आंदोलन करने के बाद भी गरीबों को प्रशासन तथा सरकार द्वारा न्याय नहीं दिया जा रहा है लेकिन जो लोग उक्त गरीबों के पक्ष में लड़ाई लड़ रहे हैं उन्हें जरूर मनमाने ढंग से धाराएं लगाकर परेशान किया जा रहा है इसी कड़ी में विगत 7 मई को अमित भटनागर को रात्रि में सोते समय छतरपुर तथा पन्ना की पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था उनके साथ एक दर्जन और लोगों को भी गिरफ्तार किया था तथा मनमाने ढंग से धाराएं लगाकर जेल भेज दिया गया था। उक्त मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पन्ना में हजारों की संख्या में पीड़ित परिवारों द्वारा आंदोलन किया था। उक्त मामले को लेकर तथा उनके साथ युवा कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक विक्रांत भूरिया ने एसपी ऑफिस पहुंचकर 24 घंटा का धरना दिया था तथा रात्रि एसपी कार्यालय परिसर में ही लेट कर समय गुजरा था। तीन दिन बाद माननीय न्यायालय से अमित भटनागर तथा उनके सभी साथियों को जमानत दे दी गई है गौर तलब है कि केन बेतवा लिंक परियोजना से पन्ना जिले को कोई लाभ नहीं है सिर्फ नुकसान बहुत ज्यादा है 6 लाख से अधिक पेड़ काटे गए हजारों एकड़ जमीन अधिग्रहित की गई लगभग 14 ग्राम पंचायत के ग्राम विस्थापित किए जा रहे हैं लिंक परियोजना बनने से पन्ना तथा अजयगढ़ तहसील अपनी जल अभाव ग्रस्त होने की पूर्ण संभावना है।

गेहूं खरीदी से लेकर बिजली संकट तक किसानों का फूटा गुस्सा, आंदोलन की चेतावनी

स्लॉट बुकिंग, फसल सुरक्षा, बिजली समस्या और मंडियों में जनसुनवाई की मांग को लेकर किसान संघर्ष समिति का प्रदर्शन

रीवा। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर किसान संघर्ष समिति एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को रीवा कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी, आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, बिजली संकट और कृषि मंडियों में नियमित जनसुनवाई सहित कई महत्वपूर्ण मांगें प्रशासन के सामने रखीं। ज्ञापन किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ. सुनीलम के नेतृत्व में सौंपा गया। इस दौरान किसान संघर्ष समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू, अखिल भारतीय किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य लालमणि त्रिपाठी, प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल, रीवा जिला अध्यक्ष फौजी यदुवंश प्रताप सिंह, मऊगंज जिला अध्यक्ष अजय सिंह, किसान नेता धर्मेंद्र सिंह गढ़वा तथा जिला सचिव अनिल मिश्रा सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

गेहूं खरीदी स्लॉट नहीं खुलने से किसान परेशान : ज्ञापन में किसान नेताओं ने कहा कि रीवा जिले के किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए स्लॉट बुकिंग में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई किसानों के स्लॉट नहीं खुल पा रहे हैं, जिससे वे आर्थिक संकट में फंस गए हैं। किसान नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि जिले के प्रत्येक

किसान की गेहूं खरीदी सुनिश्चित कराई जाए और स्लॉट संबंधी तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान निकाला जाए। कलेक्टर ने इस पर कहा कि स्लॉट की समस्या सर्वर से संबंधित है। इस पर किसान नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बैंक और प्रशासनिक कार्यों में सर्वर की समस्या नहीं आती, लेकिन किसानों के कामों में ही बाधाएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर गेहूं खरीदी प्रक्रिया में अड़चनें पैदा कर रही है।

आवारा पशु और जंगली जानवरों से फसलें तबाह : किसान नेताओं ने बताया कि जिले में आवारा पशुओं और जंगली जानवरों के कारण किसानों की फसलें बड़े पैमाने पर नष्ट हो रही हैं। इसके बावजूद किसानों को न तो राजस्व विभाग से उचित सहायता मिल रही है और न ही फसल बीमा योजना के तहत पर्याप्त मुआवजा। ज्ञापन में जनपद पंचायत सिरमौर की ग्राम पंचायत तिलखन में किसानों द्वारा निजी स्तर पर कराई गई बाड़ेबंदी का उदाहरण देते हुए कहा गया कि यह मॉडल पूरे जिले में लागू किया जाना चाहिए। साथ ही मांग की गई कि पंचायतों को बाड़ेबंदी कार्य के लिए अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराया जाए। इस पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने तिलखन मॉडल को गंभीरता से लेते हुए कहा कि वे शीघ्र ही क्षेत्र का दौरा करेंगे और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

बिजली विभाग की लापरवाही से किसानों को भारी नुकसान : ज्ञापन में बिजली संकट को भी प्रमुख मुद्दे के रूप में उठाया गया। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि किसानों को घोषित 10 घंटे बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है। बिजली विभाग की लापरवाही के कारण खेतों में लगी फसलें जल रही हैं, ट्रांसफार्मर और केबल समय पर नहीं बदले जा रहे, मोटरें खराब हो रही हैं तथा किसानों से मनमाने बिजली बिल वसूले जा रहे हैं।किसानों ने मांग की कि विभागीय लापरवाही से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई बिजली विभाग द्वारा की जाए और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

हर 15 दिन में मंडियों में हो किसानों की जनसुनवाई : किसान संगठनों ने यह भी मांग रखी कि जिस प्रकार प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई आयोजित होती है, उसी प्रकार प्रत्येक 15 दिन में कृषि मंडियों में किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष जनसुनवाई आयोजित की जाए।इस सुझाव पर कलेक्टर ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि वे एसडीएम स्तर पर मंडियों में जनसुनवाई की व्यवस्था को लेकर चर्चा करेंगे। साथ ही उन्होंने किसान संगठनों से नियमित संवाद की बात स्वीकार करते हुए कहा कि इससे किसानों की समस्याओं को समझने और समाधान निकालने में मदद मिलेगी।

कलेक्टर सूर्यवंशी से इलैयाराजा टी जैसे कड़े एक्शन की उम्मीद

संजय गांधी अस्पताल की साख पर भारी निजी क्लीनिक, कब जागेगा जिला प्रशासन ?

डॉक्टर कॉलोनी में बेखौफ चल रहा प्राइवेट प्रैक्टिस का खेल

रीवा। संभाग के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थान संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाएं एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में हैं। करोड़ों रुपये की लागत से संचालित इस अस्पताल में दूर-दराज के जिलों से रोजाना हजारों मरीज इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, लेकिन अस्पताल की व्यवस्थाएं और डॉक्टरों की कार्यशैली मरीजों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही हैं। सबसे बड़ा आरोप यह है कि अस्पताल के कई सरकारी डॉक्टर अपनी ड्यूटी से ज्यादा समय निजी क्लीनिकों में दे रहे हैं, जिससे सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। अस्पताल के ठीक समीप स्थित डॉक्टर कॉलोनी इन दिनों निजी प्रैक्टिस का केंद्र बन चुकी है। यहां कई सरकारी आवास कथित तौर पर निजी क्लीनिकों में तब्दील हो चुके हैं, जहां सुबह से देर रात तक मरीजों की भीड़ लगी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है

कि सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों को ढूंढना मुश्किल हो जाता है, लेकिन उनके निजी क्लीनिकों में मरीजों की लंबी कतारें साफ दिखाई देती हैं। ऐसे में गरीब और जरूरतमंद मरीजों के सामने मजबूरी पैदा हो जाती है कि वे सरकारी इलाज छोड़ निजी क्लीनिकों का सहारा लें। रीवा संभाग के ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीजों का कहना है कि वे आर्थिक तंगी के बावजूद बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर संजय गांधी अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन अस्पताल में उन्हें घंटों डॉक्टरों का इंतजार करना पड़ता है। कई बार ओपीडी में डॉक्टर अनुपस्थित मिलते हैं, तो कई मरीजों को जांच और इलाज के नाम पर डॉक्टरों के निजी क्लीनिकों में आने की सलाह दी जाती है। इससे मरीजों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टर कॉलोनी में चल रहे इस कथित निजी प्रैक्टिस के खेल ने अस्पताल की साख को गहरा नुकसान पहुंचाया है। नियमों के अनुसार सरकारी आवासों का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए नहीं किया जा सकता, लेकिन डॉक्टर कॉलोनी में स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। कई आवासों के बाहर क्लीनिक जैसे बोर्ड लगे हैं और वहां मरीजों की भीड़ लगी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल की सरकारी सुविधाएं और संसाधन होने के बावजूद मरीजों को निजी क्लीनिकों की ओर धकेला जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि सरकारी चिकित्सकों को ड्यूटी समय में निजी प्रैक्टिस की अनुमति नहीं है। बावजूद इसके रीवा में यह व्यवस्था वर्षों से चलती आ रही है। आरोप यह भी हैं कि कुछ डॉक्टर अस्पताल में सीमित समय देकर सीधे निजी क्लीनिकों की ओर निकल जाते हैं, जिससे अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था चरमरा जाती है। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब मरीजों पर पड़ता है, जो महंगे निजी इलाज का खर्च उठाने में सक्षम नहीं होते। रीवा के लोगों को आज भी पूर्व कलेक्टर इलैयाराजा टी का कार्यकाल याद है, जब उन्होंने डॉक्टर कॉलोनी में औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक सख्ती दिखाई थी। उस दौरान कई डॉक्टरों के निजी क्लीनिकों पर कार्रवाई हुई थी और नोटिस जारी किए गए थे। प्रशासन की उस सख्ती का असर यह हुआ था कि डॉक्टर समय पर अस्पताल पहुंचने लगे थे और स्वास्थ्य सेवाओं में कुछ हद तक सुधार देखने को मिला था। उस समय डॉक्टरों में प्रशासन का स्पष्ट भय दिखाई देता था।

अब रीवा की जनता की निगाहें वर्तमान कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी पर टिकी हुई हैं। अपनी कार्यशैली और त्वरित निर्णयों के लिए पहचान बना चुके कलेक्टर सूर्यवंशी से लोगों को उम्मीद है कि वे भी स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए सख्त कदम उठाएंगे।

कलेक्टर की जन हितैषीकार्यशैली पर जनता ने जताया अटूट विश्वास

कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई में उमड़ा जनसैलाब

रीवा। कलेक्ट्रेट में हरमंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता न रहकर आम जनता के लिए न्याय और समाधान का सबसे बड़ा केंद्र बन गई है।मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट परिसर में फरियादियों का ऐसा जनसैलाब उमड़ा जिसे देखकर प्रशासनिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि रीवा के इतिहास में कलेक्ट्रेट परिसर में फरियादियों की इतनी बड़ी मौजूदगी पहले कभी नहीं देखी गई। कलेक्ट्रेट में उमड़ी यह भीड़ इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वर्तमान कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी की कार्यप्रणाली पर जनता का भरोसा निरंतर बढ़ रहा है। जिले के दूरदराज के गांवों और कस्बों से आए लोगों का मानना है कि यदि उनकी व्यथा कलेक्टर साहब के कानों तक पहुंच गई, तो उसका निराकरण होना निश्चित है। इसी विश्वास के चलते लोग सुबह से ही अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए।

कलेक्ट्रेट कार्यालय का और कलेक्टर के प्रति जनता का उत्साह देखने का एक अलग नजारा: मंगलवार को कलेक्ट्रेट का माहौल किसी व्यस्त अस्पताल की ओपीडी जैसा प्रतीत हो रहा था। जहां लोग अपनी विभिन्न ÷प्रशासनिक समस्याओं÷ रूपी शिकायतों का उपचार कराने पहुंचे थे। कतारों में लगे फरियादियों में कोई राजस्व विवाद, कोई सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित होने, तो कोई सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर आया था। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी स्वयं एक-एक फरियादी के पास पहुंचे और उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने न केवल कागजी खानापूर्ति की,

बल्कि कई गंभीर मामलों में मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को फोन कर तत्काल कार्रवाई के कड़े निर्देश भी दिए। उनकी इस त्वरित निर्णय लेने की क्षमता ने आम जन को काफी राहत पहुंचाई।

प्रशासन का मानवीय चेहरा चाय-नाश्ते की व्यवस्था: इस बार की जनसुनवाई में प्रशासन का एक मानवीय और संवेदनशील चेहरा भी देखने को मिला। चिलचिलाती धूप और लंबी दूरी तय कर आए बुजुर्गों, महिलाओं और असहाय लोगों के लिए कलेक्टर के निर्देश पर चाय, नाश्ता और ठंडे पानी का उचित प्रबंध किया गया था। कलेक्ट्रेट के इस आत्मीय व्यवहार ने फरियादियों के मन में प्रशासन के प्रति अपनत्व का भाव पैदा किया। जनसुनवाई में आए ग्रामीणों का कहना है कि रीवा में पहली बार ऐसा महसूस हो रहा है कि उनकी सुनवाई ईमानदारी से हो रही है।कलेक्टर साहब खुद हमारी बात सुनते हैं और अधिकारियों को टोकते भी हैं। यही कारण है कि धीरे-धीरे जनसुनवाई में पहुंचने वाले लोगों की संख्या हर सप्ताह पुराने रिकॉर्ड तोड़ रही है। प्रशासन की इस सक्रियता ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि नेतृत्व संवेदनशील और जवाबदेह हो, तो सरकारी तंत्र के प्रति जनता का विश्वास पुनर्जीवित किया जा सकता है।

ट्रैफिक सुधार का रोडमैप तैयार मैनिट ने पेश किया कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान 2026

प्रमुख चौराहों का होगा रीडिजाइन, ट्रैफिक जाम कम करने बनेगी नई रणनीति

रीवा। रीवा शहर में बीते दिनों मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट), भोपाल की टीम द्वारा किए गए ट्रैफिक एवं मोबिलिटी सर्वे के आधार पर तैयार कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान 2026 का विस्तृत प्रस्तुतीकरण निगम आयुक्त श्री अक्षत जैन की उपस्थिति में मंगलवार को नगर निगम रीवा के मीटिंग हॉल में आयोजित किया गया। सह प्राध्यापक श्री राहुल तिवारी के निर्देशन में तैयार इस प्रस्तुतीकरण में शहर की वर्तमान एवं भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुधारात्मक सुझाव प्रस्तुत किए गए। मैनिट टीम द्वारा बताया गया कि कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान तैयार करने से पूर्व शहर में विभिन्न स्तरों पर विस्तृत प्राथमिक सर्वे एवं तकनीकी अध्ययन किए गए। इसके अंतर्गत रिकॉनिसेंस सर्वे, ट्रैफिक वॉल्यूम काउंट, पब्लिक ट्रांसपोर्ट यूजर इंटरव्यू, जंक्शन इन्वेंटरी, हाउसहोल्ड सर्वे, पार्किंग सर्वे, स्पॉट स्पीड स्टडी एवं इंटरमीडिएट पारा ट्रांजिट इंटरव्यू जैसे अध्ययन शामिल रहे। इन सर्वेक्षणों के माध्यम से शहर के यातायात प्रवाह, जाम की स्थिति, सार्वजनिक परिवहन उपयोग, पार्किंग व्यवहार, यात्रा पैटर्न एवं सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया। टीम द्वारा सर्वे के दौरान प्राप्त आंकड़ों एवं यातायात अध्ययन के आधार पर शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों शिल्पी प्लाजा एवं अस्पताल चौक में बढ़ते पार्किंग दबाव को देखते हुए मल्टी-लेवल पार्किंग एवं सेंसर आधारित स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया गया। वहीं जय स्तम्भ, सिरमौर चौराहा, धोबिया टंकी एवं घोड़ा चौराहा जैसे प्रमुख जंक्शनों पर यातायात दबाव एवं जाम की स्थिति के विश्लेषण के आधार पर इनके रीडिजाइन एवं चैनलाइजेशन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

बैठक में मैनिट टीम द्वारा तैयार रिपोर्ट के अनुसार बताया गया कि शहर की वर्तमान एवं भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने हेतु मिनी सिटी बसों के संचालन का प्रस्ताव तैयार किया गया है। ये बसें 5 प्राथमिक बस कॉरिडोर एवं 4 फीडर रूटों पर संचालित किए जाने का सुझाव दिया गया। इसके साथ ही शहर में नए बस टर्मिनल एवं इंटरचेंज नोड्स विकसित करने की आवश्यकता भी बताई गई, जिससे सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था अधिक सुगम एवं प्रभावी हो सके। प्रस्तुतीकरण में पैदल यात्रियों एवं साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया गया। इसके अंतर्गत चौड़े समर्पित फुटपाथ विकसित करने का सुझाव रखा गया। साथ ही शहर में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत एएनपीआर एवं सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का प्रस्ताव दिया गया, जिससे यातायात अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत किया जा सके। मैनिट टीम ने बताया कि यह पूरी योजना अल्पकालिक, मध्यमकालिक एवं दीर्घकालिक तीन चरणों में आगामी 10 वर्षों में लागू किए जाने का प्रस्ताव है।

भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार जिला पंचायत सीईओ ने पूर्व सरपंच और सचिव को जेल भेजने के दिए निर्देश

धारा 92(2) के तहत वसूली न जमा करने पर वारंट जारी थाना प्रभारी को तत्काल कार्रवाई के आदेश

रीवा। रीवा जिले के जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान अंतर्गत ग्राम पंचायत जोगिंनहाई में सरकारी धन के दुरुपयोग और गबन का एक बड़ा मामला सामने आया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कड़ा रुख अपनाते हुए ग्राम पंचायत जोगिंनहाई के पूर्व सरपंच औसरी कोल और तत्कालीन सचिव धीरज सिंह के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं।

क्या है पूरा मामला: ग्राम पंचायत जोगिंनहाई में विकास कार्यों के लिए आवंटित शासकीय राशि के गबन और वित्तीय अनियमितताओं के चलते पूर्व सरपंच और सचिव लंबे समय से जांच के घेरे में थे। जांच के उपरांत दोषियों पर वसूली की राशि निर्धारित की गई थी,जिसे जमा करने हेतु उन्हें पर्याप्त समय और अवसर प्रदान किया गया था।

वसूली में लापरवाही पड़ी भारी: पंचायत राज अधिनियम की धारा 92 के तहत वसूली की कार्यवाही के बावजूद, पूर्व सरपंच औसरी कोल और तत्कालीन सचिव धीरज सिंह द्वारा शासकीय राशि शासकीय कोष में जमा नहीं कराई गई। इस हठधर्मिता और सरकारी आदेशों की अवहेलना को गंभीरता से लेते हुए,जिला पंचायत सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर ने दोनों के विरुद्ध धारा 92(2) के तहत गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है।

थाना प्रभारी को तत्काल कार्यवाही के निर्देश: जिला पंचायत सीईओ ने थाना प्रभारी रायपुर कर्चुलियान को आधिकारिक पत्र जारी कर निर्देशित किया है कि दोनों दोषियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। पत्र में स्पष्ट उल्लेख है कि यदि वसूली की राशि जमा नहीं की जाती है, तो उन्हें तत्काल गिरफ्तार कर सेंट्रल जेल रीवा की सुपुर्दगी में भेजा जाए।सीईओ ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि उन्हें अब तक इस संबंध में जेल सुपुर्दगी की जानकारी से अवगत नहीं कराया गया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया है कि भ्रष्टाचारियों को जेल भेजकर तत्काल अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को सूचित किया जाए।

प्रशासन की भ्रष्टाचारियों को चेतावनी: इस कार्रवाई से जिले भर की ग्राम पंचायतों में हड़कंप मच गया है। जिला पंचायत सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर ने स्पष्ट किया है कि शासकीय धन का दुरुपयोग करने वाले किसी भी जनप्रतिनिधि या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। विकास कार्यों में पारदर्शिता लाना और भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है।

गुढ़, पुरवा, मनिकवार, दुआरी क्षेत्र की कम्पोजिट शराब दुकानों में मची लूट

प्रिंट रेट से ज्यादा दाम पर बिक रही देशी-विदेशी मदिरा

गुढ़। रीवा जिले के गुढ़ नगर सहित पुरवा, मनिकवार और दुआरी क्षेत्र में संचालित कम्पोजिट शराब दुकानों पर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों और ग्राहकों का कहना है कि शराब की बोतलें निर्धारित प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर बेची जा रही हैं, लेकिन लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। बीते कई दिनों से सोशल मीडिया पर शराब दुकानों के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में ग्राहक अधिक पैसे वसूले जाने का आरोप लगाते दिखाई दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि दुकान संचालक मनमाने दाम वसूल रहे हैं और विरोध करने पर ग्राहकों के साथ अभद्र व्यवहार भी किया जाता है। स्थानीय नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया है कि शराब दुकानों में बिक्री का कोई निर्धारित समय नहीं है और देर रात से लेकर चौबीस घंटे तक शराब बेची जा रही है। इससे क्षेत्र का माहौल भी प्रभावित हो रहा है और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा

है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब शासन द्वारा शराब बिक्री के स्पष्ट नियम तय किए गए हैं, तब इन नियमों का पालन क्यों नहीं कराया जा रहा। शराब की प्रत्येक बोतल पर प्रिंट रेट अंकित होने के बावजूद ग्राहकों से अतिरिक्त राशि वसूलना उपभोक्ता अधिकारों का सीधा उल्लंघन माना जा रहा है।

लोगों का आरोप है कि शराब माफिया और ठेकेदारों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि उन्हें प्रशासनिक कार्रवाई का कोई भय नहीं रह गया है। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि मिलीभगत और कमीशनखोरी के चलते जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं, जिसके कारण शिकायतों और वायरल वीडियो के बाद भी संबंधित ठेकेदारों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो रही। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर शराब दुकानों पर छापामार कार्रवाई की जाए तथा प्रिंट रेट से अधिक वसूली करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कर दोषियों के लाइसेंस निरस्त करने की मांग भी उठाई जा रही है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पूरे मामले में कब तक चुप्पी साधे रहता है या फिर जनता की आवाज सुनते हुए शराब माफियाओं पर शिकंजा कसने के लिए कोई ठोस कदम उठाता है।

सप्त आर्यिका संघ के सानिध्य में हुए धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने कमाया पुण्य लाभ

सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य समापन, शोभायात्रा में उमड़ा सैलाब

समय जगत, रीवा। कटरा स्थित 1008 श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित सिद्धचक्र महामंडल विधान का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। सप्त आर्यिका संघ के सानिध्य में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। रीवा नगर में पहली बार इस प्रकार के आयोजन ने श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। समापन दिवस पर 105 आर्यिका रत्न सूत्रमती माताजी, शीतलमती माताजी, सौम्यमती माताजी, कर्तव्यमती माताजी, श्रुतमती माताजी, चैत्यमती माताजी एवं उपसममती माताजी ससंघ की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतिष्ठाचार्य पंडित कमल कुमार जैन कर्रापुर जिला सागर के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रातःकाल अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन का आयोजन भक्तिभाव के साथ किया गया। समाज के श्रद्धालुओं ने भगवान का अभिषेक कर शांतिधारा में सहभागिता की। शांतिधारा का वाचन आर्यिका सूत्रमती माताजी द्वारा मधुर स्वर में किया गया, जिसमें समाज की सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की गई। इस दौरान भोपाल से आई अखिलेश जैन की संगीत मंडली ने भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं। विधान के समापन अवसर पर हवन एवं मंडल विसर्जन का आयोजन हुआ। मंडल पर

स्थापित मुख्य मंगल कलश प्राप्त करने का सौभाग्य श्रीमती मोनिका चक्रेश सोंधिया परिवार को प्राप्त हुआ, जबकि चारों कोनों के कलश विभिन्न पुण्यार्जक परिवारों ने प्राप्त किए। अखंड दीपक के पुण्यार्जक के रूप में कु. राशि सिघई का सम्मान किया गया।

समापन अवसर पर फोर्ट रोड मंदिर से कटरा मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा घोड़ा चौराहा एवं अस्पताल चौराहा होते हुए मंदिर पहुंची। ढोल-नगाड़ों और धार्मिक जयघोषों के बीच निकली यात्रा में सातों माताजियों ने पदयात्रा कर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। रथ में श्रीजी को विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती रीना रवि जैन परिवार को मिला, जबकि भगवान के सारथी बनने का पुण्य श्रीमती वालेंटीना अतुल जैन परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान महावीर भवन की आधारशिला एवं स्वर्ण-रजत शिला स्थापना से जुड़े पुण्यार्जक परिवारों का भी सम्मान किया गया। आयोजन की व्यवस्थाओं में समाज के अनेक पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने सक्रिय सहयोग दिया। आहारचर्या की व्यवस्था मंदिर प्रांगण स्थित त्यागी-व्रती भोजनशाला एवं श्रद्धालुओं के निवास स्थानों पर की गई, जहां बड़ी श्रद्धा से आर्यिका संघ को आहार समर्पित किया गया। समापन अवसर पर समाजजनों ने सिद्धचक्र विधान को सुख, समृद्धि और शांति प्रदान करने वाला विश्व कल्याणकारी अनुष्ठान बताते हुए सभी पुण्यार्जक परिवारों की अनुमोदना की।

खेल में देश का नाम रोशन कर रहे नर्मदापुरम के बच्चे : सांसद

स्व मनोज खंडेलवाल की स्मृति में आयोजित विधायक ट्रॉफी 3, एस पी एल 3 का बिजेता बना रामगंज टाइगर, उपविजेता रहा 72 फाइटर

समय जगत, सोहागपुर। नगर में पिछले दस दिनों से चल रही सोहागपुर प्रीमियर लीग नाइट टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का सोमवार को फाइनल महा मुकाबला हुआ इसमें आमंत्रित आठ टीमों ने भाग लिया था जिसमें अपने सभी मुकाबला में श्रेष्ठ प्रदर्शन करके रामगंज और 72 फाइटर पहुंची थी समापन पर सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मंच पर मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया गया उसके बाद स्वर्गीय मनोज खंडेलवाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया उसके पश्चात आयोजक पार्षद आशीष विश्वकर्मा एवं यश खंडेलवाल द्वारा सभी अतिथियों का उसे माला से सम्मान किया था आशीष ने स्वागत भाषण दिया मैच प्रारम्भ होने से पूर्व देश के सम्मान ने राष्ट्रीय गाना गया सभी खिलाड़ियों और आयोजक सावधान की मुद्रा में खड़े होकर अपने हाथो में विशाल तिरंगा थामे थे मुख्य अतिथि सांसद विधायक ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और टश कराया टश रामगंज टाइगर ने जीता उसके बाद रंगा रंग अतिबाजी के साथ मैच प्रारम्भ हुआ और हर चौके, छक्के, आउट होने पर डीजे, ढ़ोल बजने लगे इस दौरान हजारों खेल प्रेमी मैच का आनंद उठते रहे

समापन पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह राजपूत उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति लता यशवंत पटेल ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष निखिलेश चतुर्वेदी न प उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सुरेश पटेल वरिष्ठ भाजपाई अभय खंडेलवाल गोपाल माहेश्वरी पप्पू छाबड़िया राजेन्द्र बाहेती नन्नू छाबड़िया यशवंत पटेल भगवान सिंह पटेल प्रतिपाल सिंह खनूजा लखन रामबाबू रघुवंशी जिला मंत्री भाजपा मति पुष्पा वर्मा माखन नगर परिषद अध्यक्ष आकाश तिवारी मंडल अध्यक्ष अश्वनी सरोज प्रदीव पटेल मनीष चतुर्वेदी पार्षद श्री मति शकुन बाई सराठे श्रीमति संध्या नागवंशी श्री मति शक्ति मेहरा सौरभ अग्रवाल पार्षद गण गणमान्य नागरिक भाजपा पदाधिकारी गण उपस्थित रहे प्रशासनिक अतिथि के रूप में थाना प्रभारी राहुल रैकवार तहसीलदार झरवडे रहे फाइनल मुकाबला रामगंज टाइगर ओर 72 फाइटर्स के मध्य खेला गया जिसमें 72 फाइटर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 121 रन बनाए जवाब में रामगंज टाइगर्स ने 9 ओवर में लक्ष्य हासिल कर खिताब अपने नाम किया आयोजन के दौरान पत्रकार पुलिस नगर परिषद रेल्वे विभाग एवं टीम ऑनर्स का सम्मान विधायक एवं सांसद द्वारा किया गया अतिथियों का स्वागत आयोजन कर्ता आशीष विश्वकर्मा एवं यश खंडेलवाल द्वारा किया गया साथ ही सांसद विधायक का स्वागत समिति ने विशाल माला पहनाकर किया,विजेता टीम रामगंज टाइगर को 81000 नगद एवं ट्रॉफी उपविजेता रही टीम 72 फाइटर्स को 41000 रुपए नगद एवं ट्रॉफी प्रदान की गई ईनाम की राशि विधायक विजयपाल सिंह द्वारा दी गई मेन ऑफ द सीरीज सब्बीर शाह को कूलर खनूजा गैस एजेंसी द्वारा एवं ट्रॉफी दी गई मेन ऑफ द मैच रामगंज टाइगर के जानू को दिया गया फाइनल में अंपायरिंग शिवम दुबे और रवि डे द्वारा की गई स्कोरिंग प्रवेश चौहान विशाल मालवीय ने एवं कमेंट्री अंकित श्रोती पवन राघवंशी ने की कमेंट्री स्कोरिंग अंपायरिंग बेस्ट बल्लेबाज बेस्ट बॉलर बेस्ट विकेटकीपर बेस्ट फील्डर बेस्ट दर्शक इमर्जिन प्लेयर अन्य पुरस्कार प्रदान किए गए, पूरे आयोजन का शानदार मंच संचालन पवन सिंह चौहान द्वारा सुन्दर प्रभावी तरिके से किया गया आयोजनकर्ता आशीष विश्वकर्मा द्वारा कार्यक्रम में समापन के बाद सभी का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

पार्षद खुशबू विजय अतुलकर के प्रयासों से सालों से बंद नलकूप से निकला पानी, वार्डवासियों को मिलेगी राहत

आमला। पार्षद खुशबू विजय अतुलकर की पहल पर वर्षों से बंद पड़ा नलकूप दोबारा चालू हो गया है। नगर पालिका की टीम ने मशीन की मदद से नलकूप के अंदर फंसे टूटे पाइप निकाले और मोटर पंप डालकर विद्युत कनेक्शन कराया। नलकूप से पानी निकलते ही वार्डवासियों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने पार्षद के प्रयासों की सराहना की और कहा कि अब पानी की दिक्कत दूर होगी। पार्षद ने नगर पालिका और जल शाखा टीम का आभार जताया।

जैन श्वेतांबर जैन संघ के पूर्व संरक्षक के निधन पर श्रद्धांजलि देने बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

समय जगत, खिरकिया। श्री श्वेतांबर जैन श्री संघ पूर्व संरक्षक, समाजसेवी अमरचंद मेहता के निधन के प्रश्यात उनके निज निवास पर श्रद्धांजलि देने का तांता लगा हुआ है इसी क्रम में विधायक आर के दोगने, पूर्व विधायक राजनरायन सिंह, पंचायती राज प्रकोष्ठ राष्ट्रीय समन्वयक हेमंत टाले , जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन साईं, पूर्व जिला अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पटेल, अपेक्स बैक के पूर्व डायरेक्टर अशोक पटेल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हरसूद सौभाग सांड, पूर्व जनपद अध्यक्ष रामविलास पटेल, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष शंकर सिंह राजपूत, नगर कांग्रेस अध्यक्ष आशुतोष कोठारी द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस विधायक डॉ विक्रांत भूरिया के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे लोगों ने समस्या के समाधान का किया आग्रह

समय जगत, झाबुआ। नगर की समस्याओं एवं ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं को लेकर आज कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता क्षेत्रीय विधायक डॉ विक्रांत भूरिया के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई मैं पहुंचकर नगर पालिका के क्रियाकलापों नगर में व्याप्त अव्यवस्थाओं नगर की धरोहर बड़ा तालाब छोटा तालाब की दुर्दशा जलकुंभी के कारण बदबू जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर खतरा गंभीर रूप से मंडरा रहा है जिसके प्रति नगर पालिका द्वारा उदासीनता बरती जा रही है नगर में पार्किंग व्यवस्था न होने से दो पहिया वाहन अस्त व्यस्त तरीके से खड़े रहने से आम नागरिक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है नगर में मनोरंजन स्थल नहीं होना भी एक दुर्भाग्य है वही राणापुर के ग्राम समोई मैं स्थित बाबा देव स्थल जो आदिवासियों का धार्मिक स्थान है जहां पानी का अभाव होने से पाइपलाइन डालने एवं सड़क निर्माण के संबंध में व अन्य मुद्दों को लेकर विस्तार पूर्वक समस्याओं का समाधान करने के लिए कलेक्टर डॉ योगेश कुमार से आग्रह किया गया।

म्यूल अकाउंट के जरिए करोड़ों के ट्रांजेक्शन का पुलिस ने किया खुलासा

राजेश नेमा-समय जगत, नरसिंहपुर। दोस्ती का झांसा देकर मात्र 17 दिनों में खाते से ?2.52 करोड़ का संदिग्ध लेनदेन किया गया जिसमें अब तक की जांच में 21.41 करोड़ के ट्रांजेक्शन के तार लखनऊ, नेपाल से जुड़े पाए गए। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से पासबुक, चेकबुक, एटीएम एवं लिंक मोबाइल जप्त की गई एवं धोखाधड़ी की राशि ट्रांसफर करने वाले 11 बैंक खातों की जांच जारी है आरोपी के विरुद्ध 6 राज्यों में 11 आपराधिक मामले दर्ज है प्रार्थी अंकित सोनी निवासी महाजनी वार्ड, नरसिंहपुर द्वारा पुलिस अधीक्षक करले में दिए गए आवेदन में बताया गया कि उसके परिचित अभिषेक सिलावट निवासी बहोरीपार द्वारा जुलाई 2025 में उसे बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा नरसिंहपुर में यह कहकर खाता खुलवाने के लिए तैयार किया गया कि उसका एक्सीडेंट हो गया है तथा क्लेम की राशि खाते में आनी है अभिषेक सिलावट द्वारा आवेदक के नाम से खुलवाए गए खाते में स्वयं का मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी रजिस्टर्ड करवाई गई। खाता खुलने के बाद अभिषेक द्वारा क्लेम की औपचारिकताओं का हवाला देकर आवेदक को जबलपुर, लखनऊ एवं नेपाल तक लेकर भी गया कुछ दिनों बाद आवेदक को जानकारी मिली कि उसके बैंक ऑफ बड़ौदा खाते में करीब 2 करोड़ 52 लाख रुपये का लेनदेन हुआ है, जबकि उक्त खाते के एटीएम एवं चेकबुक अभिषेक सिलावट के पास ही थी तथा लेनदेन की जानकारी आवेदक को नहीं थी। आवेदक ने आरोप लगाया कि अभिषेक सिलावट द्वारा उसके साथ धोखा

किया गया है पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा तत्काल विशेष टीम का गठन कर आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया।पुलिस टीम द्वारा धोखाधड़ी करने वाले आरोपी की पतासाजी हेतु मुखबिर एवं तकनीकी माध्यमों से जानकारी एकत्रित की गई जांच के दौरान आरोपी को अपने विरुद्ध शिकायत दर्ज होने की भनक लग जाने पर वह फरार होने की फिराक में था। जिस पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर आरोपी को बायपास क्षेत्र से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से प्रयुक्त नंबर वाला मोबाइल बैंक पासबुक, चेकबुक एवं एटीएम कार्ड जप्त किए गया एवं उनके बैंक एवं विभिन्न माध्यमों से जानकारी प्राप्त कर जांच की गई। आरोपी द्वारा तीन खातों में लगभग 21.50 करोड का लेनदेन किया गया-* जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी अभिषेक सिलावट द्वारा मात्र 17 दिनों में एक ही खाते से लगभग 2 करोड़ 52 लाख 83 हजार रुपये का संदिग्ध एवं धोखाधड़ीपूर्ण लेनदेन किया गया है आरोपी खाते में राशि प्राप्त होते ही उसे तत्काल अन्य खातों में ट्रांसफर कर देता था। जांच में जिन तीन खातों में सर्वाधिक लेनदेन पाया गया, उनमें कुल लगभग ?21 करोड़ 41 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन होना सामने आया है, जिसके तार लखनऊ, नेपाल से जुड़े होना पाए गए हैं। आरोपी द्वारा धोखाधड़ी की राशि ट्रांसफर किए जाने वाले कुल 11 बैंक खातों की जानकारी पुलिस को प्राप्त हुई है, जिनकी विस्तृत जांच जारी है। मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है।आरोपी के विरूद्ध 6 राज्य क्रमशः कर्नाटक, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात एवं केरल में कुल 11 आपराधिक प्रकरण पंजीवद्ध भी है उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी स्टेशनगंज, निरीक्षक सौरभ पटेल, उनि मुकेश विसेन, राहुल सोनकर, प्रधान आरक्षक महेन्द्र बसेडिया, देवेन्द्र सिंह, महिला आरक्षक कुमुद पाठक, आरक्षक नीरज डेहरिया, रूपेश कटारे, योगेन्द्र, हेमंत बाडिवा, भूपेन्द्र नवरेती सैनिक अवधेश जाट की सराहनीय भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को करना चाहिए था गंजाल मोरंण्ड डैम जैसे बड़े प्रोजेक्ट का शुभारंभ : डॉ. आर के दोगने

समय जगत खिरकिया। एक समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार में पूर्व विधायक मनोहर लाल राठौर द्वारा दिए गए बयान को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया, जबकि मेरे द्वारा दिए गए जवाब एवं संपूर्ण तथ्यात्मक पक्ष को प्रकाशित नहीं किया गया, जिससे समाचार एकपक्षीय प्रतीत हो रहा है। मेरे द्वारा स्पष्ट रूप से कहा गया था कि गंजाल मोरंण्ड डैम लगभग 3500 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण शासकीय योजना है। इस प्रकार की बड़ी एवं महत्वाकांक्षी योजना का उद्घाटन एवं भूमि पूजन भारत के प्रधानमंत्री अथवा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं लोकल जनप्रतिनिधि जिन्हें जनता ने अपना वोट देकर चुना है जैसे संवैधानिक पदों पर

आसीन जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जाना चाहिए था। सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल द्वारा इतनी बड़ी योजना का शुभारंभ एवं उद्घाटन करना सरासर गलत है और जनप्रतिनिधियों का अपमान है। एक सांसद प्रतिनिधि द्वारा इतनी बड़ी योजना का शुभारंभ एवं भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाना न केवल अनुचित है, बल्कि यह संवैधानिक पदों की गरिमा एवं सम्मान के प्रतिकूल भी है। मेरा उद्देश्य केवल इतना था कि प्रदेश एवं क्षेत्र की जनता से जुड़े इतने बड़े विकास कार्य का शुभारंभ गरिमामय एवं उचित स्तर पर होना चाहिए परंतु दैनिक भास्कर द्वारा मेरे वक्तव्य के महत्वपूर्ण अंशों को प्रकाशित नहीं किया गया, जिससे जनता तक पूर्ण तथ्य नहीं पहुंच पाए। लोकतंत्र में निष्पक्ष एवं संतुलित पत्रकारिता अत्यंत आवश्यक है, ताकि जनता के समक्ष दोनों पक्षों की बात समान रूप से प्रस्तुत हो सके।

खेड़ली बाजार में आबादी के बीच शराब दुकान से परेशान महिलाएं

समय जगत, आमला। कांग्रेस नेत्री सीमा अतुलकर की अगुवाई में खेड़ली बाजार की महिलाओं ने आबादी क्षेत्र में चल रही शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर मंगलवार को जनसुनवाई में SDM शैलेन्द्र बड़ोनिया को ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र व स्कूल के पास संचालित शराब दुकान से आवागमन में परेशानी हो रही है। 1/4/2026, 11/3/2026 और 21/4/2026 को दुकान के पास महिलाओं से छेड़छाड़ की घटनाएं भी सामने आई। कई बार संचालक से दुकान हटाने की मांग की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से दुकान आबादी से बाहर शिफ्ट करने की मांग की है।

जिलाधीश ने आवेदनों के समयबद्ध एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण के दिए निर्देश

समय जगत, झाबुआ। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामों एवं तहसीलों से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनी गईं। जनसुनवाई में नागरिकों ने राजस्व, महिला एवं बाल विकास, विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य एवं आर्थिक सहायता सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई के दौरान कुल 61 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन की तथ्यात्मक जांच कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनसुनवाई में महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रकरण सामने आया, जिसमें आवेदिका श्रीमती वर्षा पति विकास अमलियार द्वारा आंगनवाड़ी सहायिका पद पर चयन होने के बावजूद आदेश जारी नहीं किए जाने की शिकायत प्रस्तुत की गई। आवेदिका ने बताया कि उन्होंने परियोजना रामा अंतर्गत ग्राम खेड़ा के आंगनवाड़ी केन्द्र नाहरखोदरा हेतु आवेदन किया था। उन्हें प्रथम चयनित

घोषित किया गया था। इसके पश्चात द्वितीय चयनित अभ्यर्थी द्वारा आपत्ति प्रस्तुत की गई थी, जिसकी जांच जिला स्तरीय समिति द्वारा की गई। समिति ने दिनांक 11 मार्च 2026 को जारी अंतिम सूची में आपत्ति को अमान्य मानते हुए श्रीमती वर्षा अमलियार को अंतिम रूप से चयनित घोषित किया। आवेदिका ने बताया कि कई बार कार्यालय बुलाए जाने के बावजूद अब तक नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया गया। इस संबंध में उन्होंने जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर न्याय दिलाने की मांग की। कलेक्टर डॉ. भरसट ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए तथा आवेदिका को आश्वस्त किया कि नियमानुसार उचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। आवेदिका श्रीमती वर्षा अमलियार ने कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया। जनसुनवाई के दौरान संवेदनशीलता एवं त्वरित प्रशासनिक पहल का उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब ग्राम बनी तहसील पेटलावद निवासी आवेदक श्री बगदीराम द्वारा अपनी बहू श्रीमती संगीता पाटीदार पति श्री सुरेश पाटीदार के उपचार हेतु आर्थिक सहायता की मांग को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक ने बताया कि श्रीमती संगीता पाटीदार गंभीर दुर्घटना में घायल होने के बाद बड़ोदरा (गुजरात) स्थित अस्पताल में पिछले लगभग पंद्रह दिनों से उपचाररत हैं। उपचार में अत्यधिक खर्च होने के कारण परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है तथा कर्ज लेकर इलाज करवाना पड़ रहा है। आवेदक द्वारा मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना अंतर्गत आर्थिक सहायता हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर हुआ सम्मान समारोह आयोजित

समय जगत,हरदा। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर ब्रह्मकुमारीज द्वारा जिला चिकित्सालय हरदा में सम्मान एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी नर्स बहनों का तिलक,दुपट्टा,ईश्वरीय सौगात एवं मिठाई देकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर बीके राजेश ने कहा कि नर्सें मानव सेवा की सजीव प्रतिमूर्ति हैं,जो दिन-रात मरीजों की सेवा कर उन्हें नया जीवन देने का कार्य करती हैं। उनके समर्पण,धैर्य एवं करुणा के कारण समाज स्वस्थ एवं सुरक्षित बनता है। उन्होंने कहा कि एक नर्स केवल मरीज की देखभाल नहीं करती,बल्कि उसे आशा,साहस और आत्मविश्वास भी प्रदान करती है। जब कोई व्यक्ति पीड़ा में होता है,तब सबसे पहले उसे जो स्नेहभरा स्पर्श मिलता है, वह एक नर्स का होता है।उन्होंने कोविड जैसी कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि नर्सों ने अपने परिवार की चिंता से ऊपर

उठकर मानवता की रक्षा की और यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची सेवा वही है,जिसमें त्याग और करुणा दोनों समाहित हों। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में नर्सें मानवता की जीवंत मिसाल हैं। उनकी सहनशीलता,धैर्य और प्रेम हमें सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।इस अवसर पर बीके किरण बहन ने कहा कि नर्स केवल मरीज का उपचार नहीं करती, बल्कि अपने प्रेम,स्नेह और सेवा से उसके मन को भी स्वस्थ बनाती है, उन्होंने कहा कि सेवा केवल शरीर की नहीं,बल्कि मन और आत्मा की भी होनी चाहिए। जब एक नर्स प्रेम,शांति और सकारात्मक भावना के साथ मरीज की सेवा करती है, तब वह सेवा और भी प्रभावशाली बन जाती है। एक मधुर मुस्कान, प्रेम भरे शब्द और आत्मीय व्यवहार भी रोगी के लिए दवा का कार्य करते हैं।उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि हम अपने जीवन में सेवा,करुणा और मानवता के संस्कारों को अपनाएँ तथा दूसरों के जीवन में खुशी और आशा का प्रकाश फैलाएँ।कार्यक्रम के अंत में बीके किरण बहन द्वारा राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से सभी को शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति कराई गई। साथ ही तनावमुक्त जीवन एवं आत्मिक शक्ति बढ़ाने का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती गीता वर्मा,डॉ.मनीष शर्मा, बीके रोशनी एवं बीके देविका उपस्थित रहीं। अंत में सभी नर्सिंग स्टाफ को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की शुभकामनाएँ देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

वायरल ऑडियो से मचा बवाल मत्स्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

समय जगत, पांढुरना। जिले में मत्स्य विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर विवादों में आ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए, एक ऑडियो में आरटीआई कार्यकर्ता एवं वंशानुगत मछुआ समाज से जुड़े तेजस सुरजुसे और मत्स्य विभाग के एक अधिकारी के बीच तीखी बहस सुनाई दे रही है। यह विवाद अंबाखापा जलाशय के पट्टा आवंटन और मध्यप्रदेश मत्स्य पालन नीति 2008 के पालन को लेकर सामने आया है। वायरल ऑडियो में तेजस सुरजुसे ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा मछुआ नीति के प्रावधानों की अनदेखी करते हुए, अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नीति में स्पष्ट रूप से वंशानुगत मछुआ जातियों भोई, मांझी, ढीमर, केवट, कहार आदि को प्राथमिकता देने का उल्लेख है, बावजूद इसके वास्तविक पात्रों को नजरअंदाज किया जा रहा है। ऑडियो में अधिकारी द्वारा यह कहे जाने पर कि ÷आप पांढुरना के हैं, तो सौंसर ब्लॉक के जलाशय पर आपत्ति कैसे कर सकते हैं÷, तेजस ने इसका विरोध करते हुए कहा कि मत्स्य पालन नीति 2008 की कंडिका 4.1 के अनुसार अपात्र सदस्यों की जांच जिला स्तरीय समिति के माध्यम से की जाती है। ऐसे में जिले का कोई भी पात्र व्यक्ति अनियमितताओं पर आपत्ति दर्ज करा सकता है।

इसके अलावा अधिकारी द्वारा ÷स्थानीय लोगों को प्राथमिकता÷ दिए जाने की बात पर भी सवाल उठाए गए। तेजस का कहना है, कि नीति में सर्वोच्च प्राथमिकता वंशानुगत मछुआ समाज को दी गई है, न कि केवल जलाशय के समीप निवास करने वालों को। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीयता के नाम पर गैर-मछुआ समाज के लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

ऑडियो में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को लेकर भी बहस सुनाई देती है। अधिकारी ने जहां ऑनलाइन आवेदन को न रोक पाने की बात कही, वहीं तेजस ने तर्क दिया कि नीति की कंडिका 2.11 और 2.12 के तहत विभागीय अधिकारियों का यह दायित्व है कि वे सदस्यों के मछुआ होने का भौतिक सत्यापन करें। उन्होंने डिजिटल जाति प्रमाणपत्र के आधार पर पारदर्शी जांच की मांग उठाई।

तेजस सुरजुसे ने कहा, कि उनका उद्देश्य केवल वास्तविक मछुआ समाज के अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नीति के परिशिष्ट-1 की कंडिका 20 में समीपवर्ती जिला या संभाग के मछुआरों से सहयोग लेने का प्रावधान है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ब्लॉक की सीमा पात्रता में बाधा नहीं बन सकती।

वायरल ऑडियो के बाद जिले में मत्स्य विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मछुआ समाज के लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर पात्र हितग्राहियों को न्याय दिलाने की मांग की है।

मंत्री द्वारा निर्देश के बाद भी नहीं मिला प्रभार जनजातीय कार्य विभाग पर उठे सवाल

आदेश जारी होने के एक माह बाद भी नहीं सौंपा गया दायित्व

समय जगत, मण्डला। जनजातीय कार्य विभाग में अतिरिक्त प्रभार को लेकर जारी आदेश के बावजूद अब तक संबंधित अधिकारी को विधिवत जिम्मेदारी नहीं सौंपे जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। विभागीय स्तर पर इसे लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग मण्डला द्वारा पत्र क्रमांक/ सहायक आयु/शिक्षा स्था./ 2026/255 दिनांक 10 अप्रैल 2026 को आदेश जारी किया गया था। आदेश में उल्लेख था कि माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं प्रभारी मंत्री, जिला मण्डला के पत्र क्रमांक सी-362 राज्यमंत्री (स्व.प्र.)/कु.एवं ग्रा./ 81/2026 भोपाल दिनांक 07 अप्रैल 2026 के निर्देशानुसार तत्कालीन कलेक्टर के अनुमोदन उपरांत प्रभारी सहायक संचालक (शिक्षा) जनजातीय कार्य विभाग मण्डला जो की शैक्षिक संवर्ग का पद होने के कारण कुलदीप कठल (व्याख्याता), जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र मण्डला को सहायक संचालक (शिक्षा) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। लेकिन आदेश जारी होने के लगभग एक माह बाद भी संबंधित अधिकारी को न तो विधिवत प्रभार सौंपा गया और न ही कार्य विभाजन अथवा बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इस देरी को लेकर विभागीय गलियारों में चर्चाओं का दौर जारी है। लोगों का कहना है कि जब मंत्री स्तर के निर्देश पर आदेश जारी हुआ था, तो उसका पालन भी समय पर होना चाहिए था। विभागीय चर्चाओं में यह सवाल भी उठ रहा है कि कहीं आदेश केवल औपचारिकता तक सीमित तो नहीं रह गया। वहीं कुछ लोगों द्वारा यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि प्रभार नहीं मिलने के पीछे लेन-देन जैसी स्थिति कारण हो सकती है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारों का कहना है कि कुलदीप कठल पिछले लगभग 8 से 10 माह से डीपीसी जिला शिक्षा केन्द्र का प्रभार देख रहे हैं। उनके कार्य अनुभव को देखते हुए मंत्री स्तर से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपने का निर्देश दिया गया था। बताया जा रहा है कि एक से आठवीं तक के स्कूलों के संचालन एवं शिक्षकों की स्थिति की बेहतर जानकारी होने के कारण उनके माध्यम से नियम विरुद्ध संलग्नीकरण पर रोक लग सकती है।

इनका कहना है

आपको यह जानकारी गलत मिला है सहायक संचालक के पद पर श्री कुलदीप कठल की ज्वाइनिंग हो गयी है उन्होंने एक दो फाईल में हस्ताक्षर भी की है।

श्रीमति बंदना गुप्ता
सहायक आयुक्त
जनजाति कार्य विभाग मण्डला

गुरोद चौराहे पर अनफिट वाहनों पर कार्रवाई

22 वाहनों पर लगा 46 हजार का अर्थदंड

समय जगत, गंजबासौदा। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से विदिशा-अशोकनगर रोड स्थित गुरोद चौराहे पर अन-फिट वाहनों एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान अनफिट मिले 22 वाहनों पर 46 हजार जुर्माने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई न्यायाधीश जेएमएफसी सुश्री सृष्टि कुशवाह के मार्गदर्शन में की गई। अभियान के दौरान पुलिस और न्यायालयीन टीम ने सड़क पर गुजर रहे संदिग्ध एवं अन-फिट वाहनों को रोककर उनके दस्तावेज, फिटनेस और अन्य आवश्यक कागजातों की बारीकी से जांच की। जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 22 वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए करीब 46 हजार रुपए की समन शुल्क राशि वसूली गई। कार्रवाई के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, फिटनेस प्रमाण पत्र समय पर नवीनीकरण कराने और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए भी जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अन-फिट वाहन सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनते हैं, इसलिए ऐसे वाहनों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई में न्यायालयीन स्टाफ राहुल झा, गजराज कश्यप, शोएब खान और जितेंद्र भगोरिया मौजूद रहे। वहीं पुलिस टीम में एसआई शालिगराम प्रजापति, एएसआई महेश कुशवाह, प्रधान आरक्षक योगेंद्र सिंह, आरक्षक विशाल पटवा, सत्यवीर मीणा, श्याम कुशवाह एवं चालक प्रमोद अहिरवार भी कार्रवाई के दौरान शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

नवागत थाना प्रभारी का जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया स्वागत

भ्याना। लीमा चौहान थाना क्षेत्र में नए थाना प्रभारी गोविंद मीणा का आगमन हुआ है, जिसके बाद लामाचौहान क्षेत्र के लोग एवं जनप्रतिनिधि ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया है। क्षेत्र के नागरिकों द्वारा नए प्रभारी को फूल-माला पहनाकर और बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया है, जो क्षेत्र में बेहतर कानून-व्यवस्था और पुलिस-जनता के बीच विश्वास को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इस अवसर पर बरूखेड़ी सरपंच रईस मंसूरी जनपद सदस्य शाहिद भाई मंसूरी फूल सिंह अहीरवाल, शाहरुख भाई मंसूरी श्याम अहिरवार लाइनमैन एवं क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

वेदांश का हुआ मध्य प्रदेश क्रिकेट टीम में चयन

समय जगत, इटारसी। बेटे की लगन और पिता की तपस्या से बेटे वेदांश सिंह ने सेंट्रल स्कूल द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में अपना स्थान मध्य प्रदेश खिलाड़ी के रूप में बनाया। वेदांश की इस उपलब्धि पर क्रिकेट जगत में खुशी की लहर देखी जा रही है। अधिवक्ता एवं क्रिकेट खिलाड़ी रहे समर सिंह चौहान के पुत्र वेदांश सिंह द्वारा ग्वालियर में केबीसी की ओर से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रिकेट में अपना महत्वपूर्ण दर्ज किया। इसके चलते वेदांस चौहान का चयन मध्य प्रदेश की टीम से हुआ है। वेदांश चौहान द्वारा अक्टूबर में आयोजित राष्ट्रीय कैंप में मध्य प्रदेश टीम का नेतृत्व करेंगे। वेदांश का मध्य प्रदेश टीम में चयन होने पर अनेक क्रिकेट खिलाड़ियों एवं मित्रजन ने उन्हें बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की है। वेदास द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन में पिता अधिवक्ता सुबह चौहान का बड़ा योगदान है जो लगातार अपने पुत्र को क्रिकेट के प्रति खड़े करते आ रहे हैं।

नपा अध्यक्ष पंकज चौरे ने स्टेट बार काउंसिल के लिये किया मतदान

समय जगत, इटारसी। मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल के चुनाव को लेकर मंगलवार को प्रदेश भर के साथ इटारसी में भी अधिवक्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। इस चुनावी महाकुंभ में प्रदेश भर से कुल 112 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनके भाग्य का फैसला करने के लिए अधिवक्ताओं ने कोर्ट परिसर स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान की इसी कड़ी में नगर पालिका अध्यक्ष एवं अधिवक्ता पंकज चौरे ने भी पहुंचकर अपना वोट डाला। मतदान के उपरांत पंकज चौरे ने कहा कि बार काउंसिल का चुनाव अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और न्यायपालिका की गरिमा को बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उन्होंने सभी साथी अधिवक्ताओं से इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

पत्रकारों ने प्रधानमंत्री के नाम दिया 14 सूत्रीय ज्ञापन

मण्डला। मध्यप्रदेश के विश्व प्रसिद्ध कान्हा नेशनल पार्क में लगातार सामने आ रही अव्यवस्थाओं बाघों की मौत और कथित भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर अब जिले के पत्रकारों ने मोर्चा खोल दिया है। पिछले कई दिनों से कलेक्ट्रेट मार्ग पर पत्रकार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रशासन से निष्पक्ष जांच तथा ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में पत्रकारों ने प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को 14 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा है। पत्रकारों का आरोप है कि कान्हा टाइगर रिजर्व में लंबे समय से कई अनियमितताएं चल रही हैं जिनकी जानकारी समय-समय पर समाचार माध्यमों के जरिए प्रशासन और शासन तक पहुंचाई जाती रही है लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पत्रकारों का कहना है कि लगातार हो रही बाघों की मौत और पार्क क्षेत्र में बढ़ती अव्यवस्था वन्यजीव संरक्षण की गंभीर स्थिति को दर्शाती है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि मध्यप्रदेश आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में स्थित कान्हा नेशनल पार्क में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर पत्रकार लगातार आवाज उठा रहे हैं। नियमित रूप से समाचार प्रकाशित होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा न तो निष्पक्ष जांच कराई गई और न ही दोषियों पर कार्रवाई हुई। इसी कारण जिलेभर के पत्रकार 5 मई 2026 से लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। ज्ञापन में पत्रकारों ने कहा कि कान्हा प्रबंधन द्वारा कई बार पत्रकारों को गलत जानकारी दी जाती है जिससे वास्तविक स्थिति छिपाई जाती है। पत्रकारों ने मांग की है कि यदि किसी मामले में गलत जानकारी दी जाती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। इसके साथ ही पत्रकारों ने पार्क के भीतर बने पक्के निर्माणों पर भी सवाल उठाए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि कान्हा के भीतर होटल रिसॉर्ट और अन्य निर्माण कार्य पर्यावरणीय दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय हैं। पत्रकारों ने ऐसे निर्माणों को तत्काल हटाने की मांग की है। पत्रकारों ने कान्हा के तीनों प्रमुख प्रवेश द्वारों के आसपास हुए अतिक्रमण को भी गंभीर समस्या बताया। उनका कहना है कि पार्क क्षेत्र के आसपास लगातार व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ रही हैं जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक वातावरण पर असर पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि पार्क क्षेत्र के समीप किए गए अतिक्रमणों को तत्काल हटाया जाए। इसके अलावा पत्रकारों ने कान्हा को मांसाहार मुक्त क्षेत्र घोषित करने की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि राष्ट्रीय उद्यान के आसपास मांसाहार और अव्यवस्थित पर्यटन गतिविधियों से वन्यजीव संरक्षण की भावना प्रभावित हो रही है। पत्रकारों ने पार्क क्षेत्र में स्थित रिसॉर्ट और पर्यटन स्थलों में होने वाले तेज ध्वनि प्रदूषण पर भी चिंता जताई। ज्ञापन में मांग की गई कि रिसॉर्ट्स में डीजे, आतिशबाजी और शादी-विवाह जैसे आयोजनों पर प्रतिबंध लगाया जाए। पत्रकारों का कहना है कि तेज आवाज और रोशनी से वन्यजीवों की प्राकृतिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं और उनका व्यवहार असामान्य हो सकता है।

ज्ञापन में पार्क के गाइड सिस्टम को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं। पत्रकारों ने मांग की है कि गाइड व्यवस्था को पूरी तरह बदला जाए और इसमें पारदर्शिता लाई जाए। उनका आरोप है कि वर्तमान व्यवस्था में कई प्रकार की अनियमितताएं हैं जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों दोनों को परेशानी होती है। पत्रकारों ने पिछले पांच वर्षों में कान्हा प्रबंधन को मिले बजट और उसके उपयोग की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है।

राजस्थान से आ रही हीटवेव तापमान 45.5 हुआ दर्ज

समय जगत, रतलाम। रतलाम में गर्मी का रेड अलर्ट 45.5एष्ट के साथ रविवार रहा। अबतक का सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। दिन ही नहीं रात भी परेशान करने वाली हो गई है। ना दिन को सुकून है ना रात को चैन मिल रहा है इस भीषण गर्मी में खासकर छोटे छोटे बच्चे जो बोल नहीं पाते हैं वह काफी परेशान हो रहे हैं। मालवा अंचल में सूरज के तीखे तेवरों ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। रविवार को रतलाम में भीषण गर्मी का प्रकोप देखने को मिला, जहां पारा 45.5 डिग्री के पार पहुंच गया। वही रात का तापमान भी 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो गया है। यह इस सीजन का अब तक का सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया है, जिसने पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 25 अप्रैल को ही सर्वाधिक तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। फिर तापमान धीरे-धीरे घटा और 40 डिग्री तक आ गया। इसके बाद फिर अभी तेजी आई और रविवार को तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। दिन ही नहीं रात भी बेचैन कर रही है। शनिवार को तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। एक ही दिन में तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो गई।

शहर का हाल बेहाल: सुबह 11 बजे से ही लू के थपेड़ों ने लोगों को बेहाल करना शुरू कर दिया। दोपहर के समय शहर की मुख्य सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। गर्म हवाओं के कारण दोपहिया वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोग चेहरे और सिर को कपड़े से ढंककर निकलते नजर आए।

बाजारों पर असर: बढ़ती तपिश का सीधा असर व्यापार पर भी दिखा। ठंडे पेय पदार्थों, गन्ने के रस और तरबूज की दुकानों पर भी कमी देखी गई, जबकि अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में ग्राहकों की संख्या नगण्य रही। भीषण गर्मी और लू को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. कैलाशचंद्र अग्रवाल ने नागरिकों के लिए सावधानी बरतने की बात की हैं। प्यास न लगने पर भी पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। ओआरएस , लस्सी, और नींबू पानी का सेवन करें। डॉ. अग्रवाल ने बताया दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें। हल्के रंग के सूती और ढीले कपड़े पहनें। बाहर जाते समय छाते या टोपी का प्रयोग जरूर करें।

विधायक के प्रयासों से विकासखंड लटेरी के विद्यालयों को मिली 6 करोड़ से अधिक की सौगात

समय जगत, लटेरी। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने एवं विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में विधायक उमाकांत शर्मा के निरंतर प्रयासों से विकासखंड लटेरी के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, बाउंड्रीवाल, मरम्मत, बोरवेल एवं शौचालय निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों पर कुल 6 करोड़ 2 लाख 44हजार की राशि स्वीकृत हुई है। स्वीकृत कार्यों में शासकीय हाई स्कूल सुनखेर लटेरी में 5अतिरिक्त कक्ष, बाउंड्रीवाल, गेट, मरम्मत एवं शौचालय निर्माण हेतु 163.57 लाख, शासकीय हाई स्कूल जावती में 4 अतिरिक्त कक्ष, बाउंड्रीवाल, मरम्मत, बोरवेल एवं शौचालय निर्माण हेतु 147.29 लाख, शासकीय हाई स्कूल दनवास में 110.51 लाख, शासकीय हाई स्कूल अलीगढ़ कोटरा में 99.40 लाख तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रूसल्ही साहू में 81 67 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। इन निर्माण कार्यों से विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सुविधाजनक वातावरण प्राप्त होगा तथा शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

अपर कलेक्टर ने लटेरी क्षेत्र में जनगणना कार्यों का किया निरीक्षण

विदिशा/लटेरी। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने नगर पालिका लटेरी के शहरी वार्ड क्रमांक 6,7 एवं 8 सहित तहसील लटेरी अंतर्गत ग्राम झुकर जोगी, नैनवास, सुनखेर, ओखली खेड़ा एवं आनंदपुर में चल रहे जनगणना कार्यों का निरीक्षण किया गया। अपर कलेक्टर डामोर ने प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा भ्स्व् एप्लीकेशन के माध्यम से किए जा रहे जनगणना कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जनगणना कार्य पूर्ण गंभीरता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समय-सीमा में संपादित किया जाए, ताकि प्रत्येक परिवार एवं नागरिक की सही जानकारी दर्ज हो सके। अपर कलेक्टर डामोर ने क्षेत्र के नागरिकों से चर्चा कर जनगणना प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली तथा आमजन से सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर शासन की विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाती है। निरीक्षण के दौरान लटेरी एसडीएम अनिल कछवारे एवं संबंधित अधिकारी, सुपरवाइजर एवं प्रगणक उपस्थित रहे।

धार नगर में विकास का नया अध्याय : पुरानी नपा परिसर में भव्य भूमिपूजन संपन्न

समय जगत, धार। नगर के विकास को नई रफ्तार देते हुए वार्ड क्रमांक 15 स्थित पुरानी नगर पालिका परिसर में मंगलवार, 12 मई को सुबह 1 नवीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण एवं पुरानी नगर पालिका भवन के जीर्णोद्धार कार्य का भव्य भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम में पूरा परिसर उत्साह और जनसमर्थन से गूंज उठा। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा महेश बोडाने ने भूमिपूजन कर कार्य की शुरुआत की और इसे धार के विकास की मजबूत नींव बताया। उपाध्यक्ष मयंक म्हाले ने कहा कि यह परियोजना नगर की आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगी और नागरिक सुविधाओं को और मजबूत बनाएगी। वहीं विधायक प्रतिनिधि शिव पटेल एवं नेता प्रतिपक्ष अब्दुल करीम कुरैशी सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने इसे नगर हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर पार्षदगण रवि मेहता, छगन परमार, श्रीमती पूजा अग्रवाल, श्रीमती सुमित्रा संजय मकवाने सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी के.वी. सिंह ने जानकारी दी कि प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन ब्रांड एंबेसडर डॉ. श्रीकांत द्विवेदी, डॉ. रमाकांत मुकुट, राजेश शर्मा, उपयंत्री सुश्री मोना बचले, राकेश बेनल सहित नगर पालिका अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सुपरवाइजर व प्रगणक कलेक्टर द्वारा सम्मानित

गंजबासौदा। जनगणना 2027 अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य प्रगति पर है। चार्ज बासौदा तहसील, ल्योंदा तहसील एवं नगरपालिका अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले सुपरवाइजर और प्रगणकों को जिला कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अंशुल गुप्ता ने जिला मुख्यालय पर बुलाकर अपने चेंबर में प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन तथा चार्ज जनगणना अधिकारी, तहसीलदार अरविंद यादव के निर्देशन में सुपरवाइजर सर्किल अंतर्गत फील्ड ट्रेनर एवं सुपरवाइजर अभय कुमार शर्मा सहित कांचरोद प्रगणक संतोष शर्मा, सिरावदा प्रगणक सुधीर श्रीवास्तव, नौघई प्रगणक रविन्द्र रघुवंशी ने सबसे पहले अपने अपने मकान सूचीकरण ब्लॉक का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण किया था जिसके बाद उन्हें सम्मानित किया गया। सुपरवाइजर सर्किल 18 अंतर्गत 08 मकान सूचीकरण ब्लॉक का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इन क्षेत्रों का एडीएम सहित जनगणना निर्देशालय भोपाल की जिला प्रभारी अधिकारी द्वारा भी निरीक्षण भी किया गया था।

माचलपुर शासकीय अस्पताल में अव्यवस्थाओं के विरोध में कलेक्टर के नाम कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

समय जगत, माचलपुर। नगर में जिला कांग्रेस के निर्देश पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्था के लिए कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाते हुये कांग्रेस के बैनर तले रैली निकाल कर कलेक्टर राजगढ़ के नाम नायब तहसीलदार कपिल शर्मा को प्राथमिक स्वास्थ केंद्र परिसर में ज्ञापन सौंपा। कांग्रेसियों ने अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर मुर्दाबाद के नारे लगाए। बता दें कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लम्बे समय से डॉक्टर की कमी से जूझ रहा है, इससे पहले भी नगर की जनता ने आंदोलन की चेतावनी दी थी। विधायक हजारीलाल दांगी ने आश्वासन दिया था कि जल्दी डॉक्टर की व्यवस्था कर दी जाएगी मगर अभी तक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थाई डॉक्टर नहीं आया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्षेत्र के करीब 100 से अधिक गांवों के लोग उपचार के लिये आते हैं। यहां अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। पिछले 9-10 माह से अभी तक कोई स्थायी डॉक्टर व महिला डॉक्टर की नियुक्ति नहीं हो पाई है जिसके चलते कांग्रेस पार्टी ने कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन दिया है।